■ बोकारो और औरंगाबाद से प्रकाशित
www.navbihartime.com
■ बिहार एवं झारखंड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

अपना प्रदेश, अपनी बात

वर्ष : 9 अंक : 90
पृष्ठ : 12
बोकारो, शुक्रवार
15 अगस्त 2025
मूल्य : 3.00 रुपये
रजि. नंबर : JHAHIN2017/72655

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति ने राष्ट्र को किया संबोधित

कायराना व अमानवीय था पहलगाम हमला : द्रौपदी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित किया। 24 मिनट के संबोधन में उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर, कश्मीर रेल प्रोजेक्ट, विकास, लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था जैसे विषयों पर बात रखी। उन्होंने कहा कि इस साल हमें आतंकवाद का दर्द झेलना पड़ा। पहलगाम हमला कायराना और अमानवीय था। इसके जवाब में ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने सीमापार आतंकियों के ठिकानों को तबाह किया। यह आत्मनिर्भर भारत मिशन की परीक्षा का भी अवसर था। राष्ट्रपति ने कहा कि कश्मीर घाटी में रेल सर्विस शुरू होना बड़ी उपलब्धि है। इससे उस क्षेत्र में व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, 55 करोड़ लोगों को आयुष्मान योजना का लाभ मिला है। साथ ही कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी, हमारे लिए संविधान सर्वोपरि है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि पहलगाम हमला निर्दोष नागरिकों की हत्या, कायरतापूर्ण और नितांत अमानवीय थी। इसका जवाब भारत ने फौलादी संकल्प के साथ निर्णायक तरीके से दिया। ऑपरेशन सिंदूर ने यह दिखा दिया कि जब राष्ट्र की सुरक्षा का प्रश्न सामने आता है तब हमारे सशस्त्र बल किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए पूरी तरह सक्षम सिद्ध होते हैं। रणनीतिक स्पष्टता और तकनीकी दक्षता के साथ, हमारी सेना ने सीमा पार के आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया। मेरा विश्वास है कि ऑपरेशन सिंदूर, आतंकवाद के विरुद्ध मानवता की लड़ाई में एक मिसाल के तौर पर इतिहास में दर्ज होगा। हमारी एकता ही हमारी जवाबी कार्रवाई की सबसे बड़ी विशेषता थी। उन्होंने कहा कि आर्थिक क्षेत्र में हमारी उपलब्धियां साफ-साफ देखी जा सकती हैं। पिछले वित्त वर्ष में 6.5 प्रतिशत की सकल-घरेलू-उत्पाद-वृद्धि-दर के साथ भारत, दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्याप्त समस्याओं के बावजूद, घरेलू मांग में तेजी से वृद्धि हो रही है। मुद्रास्फीति पर नियंत्रण बना हुआ है। निर्यात बढ़ रहा है। सभी प्रमुख संकेतक अर्थव्यवस्था की मजबूत स्थिति को दर्शा रहे हैं। श्रमिक और किसान भाई-बहनों की कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ-साथ, सुविचारित सुधारों और कुशल आर्थिक प्रबंधन का भी परिणाम है। कश्मीर में विकास पर पिछले एक दशक में बुनियादी ढांचे में हुए विकास में यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। हमने भारतमाला परियोजना के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का विस्तार और सुदृढ़ीकरण किया है। रेलवे ने भी नवाचार को प्रोत्साहन दिया है तथा नवीनतम टेक्नोलॉजी से युक्त नए तरह की रेलगाड़ियों और डिब्बों का उपयोग किया जाने लगा है। कश्मीर घाटी में रेल-संपर्क का शुभारंभ करना, एक प्रमुख उपलब्धि है। शेष भारत के साथ घाटी का रेल-संपर्क, उस क्षेत्र में व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा देगा और नई आर्थिक संभावनाओं के द्वार खोलेगा। कश्मीर में, इंजीनियरिंग की यह असाधारण उपलब्धि, हमारे देश के लिए एक ऐतिहासिक माइल स्टोन है। राष्ट्रपति ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट का अगला चरण है जो हमारे जीवन में अपना स्थान बना चुका है। सरकार ने देश की इक्रक्षमताओं को मजबूत करने के लिए इंडिया-एआइ मिशन शुरू किया है। इस मिशन के तहत ऐसे मॉडल विकसित किए जाएंगे जो भारत की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करेंगे।

सूचना

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त 2025 को नवबिहार टाइम्स कार्यालय एवं प्रेस बंद रहेगा। अतः अगला अंक 17 अगस्त को प्रकाशित होगा।

संपादक

शुभकामनाएं

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नवबिहार टाइम्स के पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं सहयोगियों को हार्दिक शुभकामनाएं

मनोज विशाल — स्थानीय संपादक
कमल किशोर — संपादक/प्रकाशक

पटना में स्वतंत्रता दिवस पर बदली रहेगी ट्रैफिक व्यवस्था

डाक बंगला से गांधी मैदान की ओर वाहनों की नो एंट्री, रूट चार्ट जारी

पटना, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस को लेकर पटना ट्रैफिक पुलिस की ओर से रूट प्लान जारी किया गया है। 15 अगस्त की सुबह 7 बजे से जब तक गांधी मैदान में मुख्य कार्यक्रम चलता रहेगा, उस वक्त तक यह रूट प्लान लागू रहेगा। इसके अलावा गांधी मैदान में कार्यक्रम देखने आए लोगों के लिए पार्किंग भी निर्धारित की गई है।

सुबह 8:30 बजे तक गाड़ी पार्किंग में लगा लेने की अपील ट्रैफिक पुलिस ने की है। सुबह 9 बजे मुख्यमंत्री गांधी मैदान में झंडोतोलन करेंगे। वाहनों की पार्किंग के लिए रंगीन कार्ड जारी किए गए हैं। इसमें पीला कार्ड मीडिया के लिए है। इमरजेंसी वाहनों पर कोई पाबंदी लागू नहीं होगी।

इस गेट से होगी एंट्री

राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष की एंट्री गेट 1 से होगी।

वीआईपी , वीवीआईपी अतिथियों की एंट्री गेट नंबर 10 से होगी।

मीडिया की एंट्री गेट नंबर 9 से होगी।

महिलाओं की एंट्री गेट नंबर 12 और 13 से होगी।

विद्यार्थियों की एंट्री गेट नंबर 2,3 और 4 से होगी।

आम लोगों की एंट्री गेट नंबर 6 और 7 से होगी।

साइकिल और मोटरसाइकिल की पार्किंग गांधी मैदान के पूरब उद्योग भवन के पास सड़क किनारे पूर्वी फ्लैंक में होगी।

पटना शहर की यातायात व्यवस्था : 1.फ्रेजर रोड (मजहरूल हक पथ) में डाकबंगला चौराहा (कविगुरु रविन्द्र चौक) से गांधी मैदान (चिल्ड्रेन पार्क) तक के मार्ग में प्रातः 07:00 बजे से समारोह की समाप्ति तक की अवधि के लिए सामान्य वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा।

2. न्यू डाकबंगला रोड से एसपी वर्मा रोड में वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा।

3. कोतवाली टी से पुलिस लाईन तक (बुद्ध गार्ग में) पूरब की ओर जाने वाले सभी रास्ते कार्यकम की समाप्ति तक आम यातायात के लिए बन्द रहेंगे। भोल्टास मोड़ से उत्तर की ओर जाने वाले वाहन विद्यापति मार्ग / बुद्धमार्ग होते हुए पुलिस लाईन तिराहा की ओर जा सकेंगे।

4. छज्जुबाग (एसडीओ आवास) से टीएन बनर्जी रोड (जेपी गोलंबर) की तरफ वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा।

5. बुद्ध मार्ग में छज्जूबाग मोड़ से एसडीओ आवास के तरफ वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा।

6. जेपी गंगा पथ रैम (आयुक्त कार्यालय के सामने जेपी गंगा पथ नीचे स्थित गोलम्बर) से एएन सिन्हा इंस्टीच्युट / गांधी मैदान की ओर आनेवाले फ्लैंक में सिर्फ पास धारक वाहनों के आने की अनुमति रहेगी। शेष वाहनों को आयुक्त कार्यालय के सामने से मरीन ड्राइव की ओर डायवर्ट कर दिया जाएगा।

7. सामान्य वाहन (निजी वाहन) फ्रेजर रोड (मजहरूल हक पथ) में पटना जंक्शन से डाकबंगला चौराहा (कविगुरू रविन्द्र चौक) तथा डाकबंगला चौराहा (कविगुरु रविन्द्र चौक) से पूरब की ओर भ?ट्टाचार्या चौक-पीरमुहानी होते हुए नाला रोड की ओर जा सकेंगे। यदि कोई वाहन एक्जीविशन रोड (ब्रज किशोर पथ) आ जाते हैं, तो उसे स्मार्ट बिग बाजार के सागने कटिंग से पुनः वापस भट्टाचार्या चौक की ओर डायवर्ट कर दिया जायेगा।

8. फ्रेजर रोड (मजहरूल हक पथ) में डाकबंगला चौक (कविगुरु रविन्द्र चौक) से जेपी गोलम्बर (मौर्या होटल मोड) तक का मार्ग केवल महामहिम राज्यपाल, मुख्यमंत्री, बिहार तथा माननीय उप मुख्यमंत्री, बिहार के कारकेड एवं इनके पारिवारिक वाहनों तथा रंगीन कार्डधारी अतिविशिष्ट / विशिष्ट अतिथियों के लिए आरक्षित रहेगा।

9. देशरत्न मार्ग में राजेन्द्र चौक से मंडल गोलम्बर, सर्कुलर रोड में मंडल गोलम्बर से ललीत भवन अण्डरपास, बेली रोड में ललित भवन अंडरपास से डाकबंगला चौराहा (कविगुरु रबिन्द्र चौक) तक एवं फ्रेजर रोड (मजहरूल हक पथ) में डाकबंगला चौराहा (कविगुरू रविन्द्र चौक) से जेपी गोलम्बर (मौर्या होटल मोड) से चिल्ड्रेन पार्क (शहीद पीर अली पार्क) होते हुए कारगिल चौक के मार्ग पर सुबह 07:00 बजे से कार्यकम समाप्ति तक सभी प्रकार के वाहनों की पार्किंग वर्जित रहेगी। इस मार्ग में पाये जाने वाले लावारिस वाहन को क्रेन के माध्यम संबंधित रेगुलेशन पदाधिकारी के द्वारा शीघ्र हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

10. सभी वाहन के चालक पार्किंग के बाद गाड़ी के पास ही रहेंगे। गाड़ी छोड़कर नहीं जाएंगे। गाड़ियों की जांच के बाद ही वहां से हटेंगे।

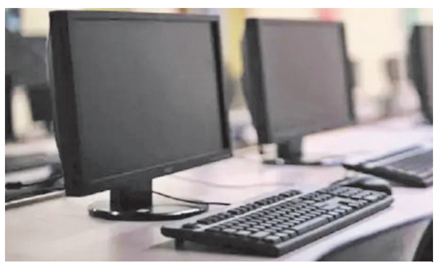

ऑफलाइन जमाबंदी होगी डिजिटल, अशुद्धियों को ठीक किया जाएगा

पटना, एजेंसी। राजस्व महाअभियान के तहत राज्यभर में जमीन मालिकों का नाम, खाता, खेसरा, रकबा, लगान जैसी अशुद्धियों को ठीक किया जाएगा। ऑफलाइन जमाबंदी को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया जाएगा। रैयत की मृत्यु के बाद उत्तराधिकारियों के नाम पर जमाबंदी कराई जाएगी। संयुक्त जमाबंदी के मौखिक बंटवारे के बावजूद अंशधारकों के नाम से अलग जमाबंदी सुनिश्चित की जाएगी। हर पंचायत के सरकारी या अन्य सरकारी भवन में हल्कावार विशेष शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में भरे हुए आवेदन प्रपत्र जरूरी कागजातों के साथ जमा किए जा सकेंगे। रैयत द्वारा आवेदन जमा करने पर उनके मोबाइल पर ओटीपी भेजकर रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। इसके बाद आवेदन पर की जा रही कार्रवाई की जानकारी रैयत को मिलती रहेगी। प्रत्येक हल्का में कम से कम 7 दिनों के अंतराल पर दो तिथियों में शिविर लगाए जाएंगे। रैयत पंचायतवार शिविर/मौजा के लिए गठित टीम का विवरण जान सकेंगे। 16 अगस्त से 20 सितंबर तक चलने वाले राजस्व महाअभियान के लिए राज्य के सभी 537 अंचलों का माइक्रो प्लान जारी कर दिया गया है। इस माइक्रो प्लान में अंचल की सभी पंचायतों में दो-दो शिविर की तिथि तय की गई है। साथ ही जमाबंदी की प्रति और आवेदन प्रपत्र की प्रति भी मौजावार तैयार कर गठित टीम को सौंपी जा रही है। सीओ द्वारा अपने-अपने अंचलों का माइक्रो प्लान बनाकर विभाग के पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। कोई भी व्यक्ति विभाग के पोर्टल पर जाकर अपने अंचल का माइक्रो प्लान देख सकता है। इस माइक्रो प्लान में पंचायत वार शिविर की तिथि, पंचायत वार तैनात राजस्व कर्मी और अमीन का नाम और नंबर लेकर उनसे संपर्क कर सकता है।

विभाग की टीमें 16 अगस्त से घर-घर जाएंगी, प्रचार-प्रसार करेंगी : विभाग के एसीएस ने बताया कि ग्राम वार प्रचार-प्रसार के लिए माइकिंग के साथ-साथ ग्रामीणों के बीच अभियान से संबंधित पंफलेट का वितरण किया जा रहा है। कोई भी रैयत अपने जनप्रतिनिधि से संपर्क कर अपनी पंचायत के माइक्रो प्लान की जानकारी ले सकता है। वहीं, मौजा के लिए गठित टीम घर-घर जाकर जमाबंदी की प्रति और आवेदन प्रपत्र उपलब्ध कराएगी। विभाग की टीमें 16 अगस्त से 15 सितंबर तक घर-घर जाकर लोगों को उनकी जमाबंदी की प्रति और आवेदन प्रपत्र देंगी। हल्का शिविर में उनसे आवेदन लेंगी।

संक्षिप्त समाचार

सड़क पर कीचड़ में धनरोपनी कर विद्यार्थियों ने किया प्रदर्शन

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बोचहा प्रखंड की झपहां पंचायत के बेलहिया गांव में द्रोणपुर उत्क्रमित प्लस टू स्कूल के पास बुधवार को छात्र-छात्राओं ने जलजमाव के विरोध में सड़क पर पानी-कीचड़ में धनरोपनी कर प्रदर्शन किया। छात्राओं ने बताया स्कूल के पास करीब दो सौ फीट में दो साल से अधिक से रोड पर गंदा पानी लगा हुआ रहता है। कई शौचालय का भी पानी बहकर सड़क पर आ रहा है। इसी रास्ते से सैकड़ों छात्र-छात्रा प्रतिदिन स्कूल आते हैं। छात्रा किरण कुमारी, अनुष्का कुमारी, कल्पना कुमारी, छोटी कुमारी, छात्र रौनक कुमार, संजय कुमार ने बताया सड़क पर पानी-कीचड़ के कारण जूता भी नहीं पहनते हैं। गंदे पानी से पैर में इन्फेक्शन हो गया है। स्कूल के शिक्षक नवीन कुमार ने बताया स्कूल मुशहरी प्रखंड में है लेकिन पास में ही बोचहां प्रखंड की भी सीमा है। बेलहिया गांव के सैकड़ों छात्रों का इसी रस्ते से आना जाना है। दो साल से अधिक समय से सड़क पर पानी लगा है। वहीं, ग्रामीणों का कहना है यह सड़क मुशहरी व बोचहा प्रखंड के सीमा क्षेत्र में हैं। साथ ही दो विधानसभा मीनापुर व बोचहां और दो संसदीय क्षेत्र वैशाली व मुजफ्फरपुर के भी सीमा क्षेत्र में है। इसके बावजूद किसी का ध्यान नहीं है। पूर्व पंचायत समित सदस्य गुड्डू राय ने बताया स्कूल के पास सड़क को लेकर बोचहां बीडीओ और मीनापुर विधायक से बात हो रही है।

शराब पीने से युवक की आंखों की गई रोशनी: छपरा सदर अस्पताल में भर्ती

तस्करों की गिरफ्तारी के लिए अभियान शुरू

छपरा, सारण, एजेंसी। सारण में जहरीली शराब पीने से एक युवक की आंखों की रोशनी चली गई। घटना मकेर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव की है। पीड़ित की पहचान रमेश महतो(36) के रूप में हुई है।

रमेश ने मंगलवार की शाम गांव में शराब तस्कर से शराब खरीदकर पी। रात करीब 11 बजे उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मकेर ले गए। चिकित्सा प्रभारी डॉ. गोपाल कृष्ण प्रसाद ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। मरीज ने खुद शराब पीने की बात स्वीकार की है।

आरोपी के गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी

घटना की जानकारी मिलते ही बुधवार को मकेर थानाध्यक्ष राम निवास कुमार पुलिस बल के साथ जगदीशपुर गांव पहुंचे। पीड़ित की पत्नी से मुलाकात कर पूरे मामले की जानकारी ली। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब तस्करों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है। मद्य निषेध विभाग के सहायक आयुक्त का कहना है कि इस तरह का मामला मेरे संज्ञान में नहीं आया है। उन्होंने पता कराकर जांच कराने का आश्वासन दिया है।

रोशनी जाने से खतरे में मरीज

डॉ. गोपाल कृष्ण प्रसाद ने बताया कि मामला शराब सेवन से जुड़ा है। जांच के दौरान मरीज ने खुद स्वीकार किया कि उसने शराब पी थी। इसके बाद उसकी आंखों की रोशनी धुंधली होने लगी। लक्षणों से भी साफ था कि मामला शराब सेवन से जुड़ा है। फिलहाल उसकी हालत में सुधार की कोशिश की जा रही है, लेकिन दृष्टि प्रभावित होने के कारण खतरा अभी भी बना हुआ है।

4 साल पहले 6 लोगों की मौत

चार साल पहले इसी जगदीशपुर में जहरीली शराब से 6 लोगों की मौत हुई थी। कई लोगों की आंखों की रोशनी भी चली गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि शराबबंदी के बावजूद क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री जारी है। उन्होंने प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

2022 में 73 लोगों की गई थी जान

सारण में जहरीली शराब का खतरा नया नहीं है। दिसंबर 2022 में दोइला और यदु मोट गांव में जहरीली शराब से 73 लोगों की मौत हुई थी, जो अब तक की सबसे बड़ी त्रासदी रही। 4 अगस्त 2022 को मकेर के भाथा गांव में 11 लोग मारे गए थे।

अक्टूबर 2024 में मशरख के इब्राहिमपुर और सीवान के मधर गांव में कुल 30 से ज्यादा मौतें हुई। 2016 में शराबबंदी लागू होने के बाद से बिहार में अब तक 150 से ज्यादा लोगों की मौत जहरीली शराब से हो चुकी है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

एमएसकेबी की छात्राओं के सपने होंगे साकार : प्राचार्य

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। महिला शिल्प कला भवन कॉलेज में बुधवार को दीक्षारंभ कार्यक्रम का समापन हो गया। मौके पर छात्राओं को उनके शैक्षणिक और व्यवसायिक भविष्य के लिए प्रेरित करने हेतु अप्रेंटिसशिप के महत्व व अवसरों की जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि आरडीएस कॉलेज के स्नातकोत्तर इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. मो. निजामुद्दीन रजवी ने कहा कि विद्यार्थी ही शिक्षकों की ऊर्जा और प्रेरणा के स्रोत हैं। अध्यक्षता कर रहें प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार सिंह ने एकाग्रता, अनुशासन तथा सामाजिक दायित्व निभाने का संदेश दिया।

राजद की जीती सीटों पर भी कांग्रेस ले रही है आवेदन

कमेटी उम्मीदवारों से पूछ रही कैसे जीतेंगे चुनाव

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अजय माकन के नेतृत्व में आई कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी राजद की जीती सीटों पर भी उम्मीदवारों के आवेदन ले रही है। कमेटी वैसी सीटों पर भी आवेदन ली है, जहां राजद पिछले विधानसभा चुनाव में मामूली अंतर से हारी है और इस बार राजद के खाते में जाना तय है। जानकारी के मुताबिक, ऑनलाइन-ऑफलाइन माध्यम से उम्मीदवारी का दावा करने वालों की संख्या 2755 तक पहुंच चुकी है। बुधवार को भी 19 जिलों के 1500 कांग्रेसियों ने अजय माकन के सामने जाकर टिकट मांगे। इनमें कई सिटिंग विधायक भी शामिल थे। माकन और स्क्रीनिंग कमेटी के दूसरे सदस्यों ने उम्मीदवारी का दावा करने वालों से पूछा कि वे चुनाव कैसे जीतेंगे। गयाजी विधानसभा सीट पर 100 से अधिक उम्मीदवारों ने आवेदन किए हैं। समय के अभाव में जब हर उम्मीदवार से अजय माकन का वन-टू-वन मिलना संभव नहीं हो सका, तो जिलावार उम्मीदवारों से चर्चा की गई। इस दौरान कमेटी के सदस्य इमरान प्रतापगढ़ी, प्रणिति शिंदे और कुणाल चौधरी भी मौजूद थे। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरू और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम, शकील अहमद खां और मदन मोहन झा भी मौजूद थे। गुरुवार को बाकी 19 जिलों के उम्मीदवारों से अजय माकन रूबरू होंगे।

क्यूआर कोड को स्कैन कर जमा करना है आवेदन

उम्मीदवारों के आवेदन जमा करने के लिए क्यूआर कोड लगाए गए हैं। उसे स्कैन करते ही उम्मीदवारी के लिए आवेदन जमा करने का विकल्प खुल जाता है।

दादाजी के दिए कंप्यूटर से सीखकर पोते ने बनाया प्लेन

पिता बोले–जुगाड़ से तैयार किया मॉडल, अब ड्रोन पर कर रहा काम

मसौढ़ी, पटना, एजेंसी। पटना के मसौढ़ी के एक 16 साल के युवक ने अपने दादाजी के याद में जुगाड़ से एक हवाई जहाज बना दिया। दरअसल मसौढ़ी लक्खीबाग के उज्जवल कुमार(16) वर्तमान समय में 12वीं की परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। उनके हवाई जहाज बनाने की खबर इलाके में चर्चा का विषय बना है। उज्जवल ने बताया कि उनके जन्मदिन पर उनके दादाजी ने एक कंप्यूटर गिफ्ट किया था। वो इसी के मदद से पढ़ाई कर रहे है। बताया कि उनके दादाजी अब इस दुनिया में नहीं रहे लेकिन उज्जवल उनकी याद में कुछ नया आविष्कार करने का प्रयास करते रहते है।

अब ड्रोन बनाने पर कर रहा काम

उनके पिता धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि उज्जवल ने अपने कमरे को ही पूरा दुनिया बना लिया है। वहीं रूम में बैठ कर हीं कुछ नया आविष्कार करते रहता है। उसने जुगाड़ से एक हवाई जहाज बनाया है। जिसके सफल प्रशिक्षण की टेस्टिंग के लिए उसने गांधी मैदान में हवाई जहाज को उड़ाया है। बताया

कि वर्तमान समय उज्जवल एक ड्रोन पर काम कर रहा है। उज्जवल का कहना है कि यह ड्रोन के कैमरा से हम ऊपर से एक चश्मा के जरिए सब कुछ देख सकते हैं। बताया कि हम आईआईटी की तैयारी करना चाहते हैं और एक दिन पापा के भी नाम रोशन करेंगे।

कंपनी को बग बताने पर मिला 500 डॉलर

उज्ज्वल ने बताया कि एक कंपनी के साइड पर हमने उसकी कमियां को खोजा और उस कंपनी को बताया लेकिन उसे कंपनी ने इग्नोर कर दिया। वहीं जब दूसरी बार बताया तो उस कंपनी ने मुझे 500 दिया। उनका सपना है कि वो एक अच्छी इलेक्ट्रिक बाइक बनाए और उस बाइक पर बैठ कर पापा के साथ पूरा शहर घूमे।

पूर्णिया में शराबी पति ने पत्नी को मार डाला पहले बेरहमी से पीटा, फिर गला घोंट दिया

80 हजार की डिमांड पूरी न होने से नाराज था

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में शराब के नशे में धुत पति ने पत्नी की हत्या कर दी। शराबी पति 80 हजार रुपए मांग रहा था। मना करने पर पहले बेरहमी से पीटा फिर गला घोंटकर मार डाला। मृतका की पहचान रामपुर तिलक पंचायत के वार्ड 10 निवासी रंजीत कुमार 25 की पत्नी रेणु कुमारी(23) के तौर पर हुई है। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। स्नरुकी टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य इकट्?ठा किए। परिजनों ने पति और सास के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया है। फिलहाल दोनों फरार है। घटना जानकीनगर थाना क्षेत्र के राघव नगर टोला की है।

शराब के लिए पैसे मांगता था: मृतका के चाचा जयराम ने बताया कि 3 साल पहले साल 2022 में भतीजी रेणु की रंजीत कुमार से शादी हुई थी। लड़के को शराब पीने की बुरी लत थी। इस बात की जानकारी हमलोगों को नहीं थी। शराब के चक्कर में जमीन तक बेच डाली। अक्सर दहेज की डिमांड करता रहता था। डिमांड न पूरी करने पर रेणु के साथ मारपीट करता था। झगड़े को सुलझाने के लिए गांव में पंचायत भी बैठी थी, मगर सारी कवायद बेनतीजा साबित हुई। एक महीने से वो 80 हजार रुपए की डिमांड कर रहा था। इस बार रेणु और उसके मायके वालों ने ये डिमांड पूरी करने से साफ इनकार कर दिया था। राखी से पहले पति ने उसके साथ मारपीट की थी। रेणु रक्षा बंधन में मायके आ गई थी। पीछे-पीछे पति भी आ धमका। यहां ससुराल आने पर दामाद ने अपनी डिमांड सबके सामने रखी थी, मगर रेणु ने ये रुपए देने से घर वालों को मना कर दिया था। गुस्सा होकर दामाद उसे अपने साथ लेकर वापस चला आया। घर आने के बाद भतीजी को बेरहमी से मार। फिर गला दबाकर हत्या कर दी।

जयराम ने आगे बताया कि वारदात को अंजाम देने के बाद दामाद ने फोन कर रेणु की मौत की जानकारी दी। जब परिवार के सदस्य वहां पहुंचे तो लाश बेड पर पड़ी थी। करीब से देखने पर गले पर काले गहरे निशान, जबकि शरीर पर मारपीट के ताजे जख्म मिले। दामाद और सास घर छोड़कर फरार थे। इसके बाद उन्होंने फोन कर जानकीनगर थाना की पुलिस को घटना की सूचना दी।

दानापुर रेलवे कॉलोनी में जलजमाव, 2 फीट तक भरा पानी

सामान लेकर सुरक्षित स्थान पर जा रहे लोग, बोले–गंदे पानी में रहने से संक्रमण का खतरा

दानापुर, पटना, एजेंसी। पटना के दानापुर मंडल रेल मुख्यालय की न्यू कॉलोनी में बारिश के बाद भारी जलजमाव की स्थिति गंभीर हो गई है। बता दें कि कॉलोनी के क्वार्टरों में एक से दो फीट तक पानी भर गया है। घरों के आंगन, कमरे, रसोई और शौचालय में गंदा पानी घुस गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि नालियों की सफाई और ड्रेनेज की उचित व्यवस्था न होने से यह स्थिति बनी है। मल-मूत्र युक्त पानी से बदबू और संक्रमण फैल रहा है। वहीं सांप, बिच्छू और कीड़े-मकोड़ों के घर में घुसने का खतरा बढ़ गया है। बच्चों और बुजुर्गों में बीमारियां फैल रही हैं। मंगलवार को कॉलोनी वासियों ने मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के मुख्य द्वार पर धरना-प्रदर्शन किया। एडीआरएम राजीव कुमार के आश्वासन के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ। ईस्ट सेंट्रल रेलवे मेंस कांग्रेस के उपाध्यक्ष संतोष पांडे ने बताया कि सालों से इस कॉलोनी में सफाई व्यवस्था नहीं हुई है।

पांच मोटर की मदद से निकाला जा रहा पानी : नगर परिषद अध्यक्ष सुजीत कुमार के अनुसार, नगर परिषद की ओर से तीन मोटर और जेसीबी से पानी निकालने का काम चल रहा है। रेलवे ने दो मोटर लगाई हैं। गुरुवार से पांच मोटर लगाकर पानी निकाला जाएगा। जलजमाव की समस्या से जल्द ही राहत मिलने की उम्मीद है।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित
DVC 72 FOUNDATION DAY
दामोदर घाटी निगम
चन्द्रपुरा ताप विद्युत केन्द्र
हमसे है लाखों चेहरों पर मुस्कान

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
कार्यालय, जिला परिषद, बोकारो
(शुभकामना संदेश)
15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) 2025 के शुभ अवसर पर अध्यक्ष/उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी एवं जिला परिषद, बोकारो परिवार की ओर से राज्य एवं देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
शताब्दी मजूमदार
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी
जिला परिषद, बोकारो
सुनीता देवी
अध्यक्ष
जिला परिषद, बोकारो

झारखंड की वीर भूमि के शहीदों को नमन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। स्वतंत्रता संग्राम के कई नायकों की कहानियां मशहूर हैं। वीरों की धरती झारखंड के अमर शहीदों का नाम और योगदान भी किसी मायने में कम नहीं है। 1857 की क्रांति से पहले हूल क्रांति का शंखनाद इसी पावन धरती से हुआ। भगवान बिरसा मुंडा, तिलका मांझी, ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव, शेख भिखारी समेत अनेकों प्रख्यात और गुमनाम योद्धाओं ने स्वतंत्रता की लड़ाई में अपना सर्वस्व न्योछावर किया।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
कुमार अमित
प्रदेश कार्यसमिति सदस्य
भारतीय जनता पार्टी (झारखण्ड)

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
मनसा राम मुर्मू
सदस्य (ASA)
धनबाद (झारखण्ड)

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
बेला देवी
प्रमुख, पंचायत समिति
चास (बोकारो)

पीवीयूएन PVUN
पतरातु PATRATU
पतरातु विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
की ओर से
स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं
सहयोग और सहकार, विकास का आधार

एनटीपीसी NTPC 50
नॉर्थ करणपुरा NORTH KARANPURA
स्वतंत्रता दिवस
एनटीपीसी नॉर्थ करणपुरा
प्रभावशाली सीएसआर पहलों के माध्यम से समुदायों को सशक्त बनाना
एनटीपीसी नॉर्थ करनपुरा में हम जीवन को सशक्त बनाने और अपनी समुदायों के लिए एक सतत् भविष्य के निर्माण में विश्वास करते हैं। सामुदायिक विकास पहलों के अंतर्गत, हमें परियोजना-प्रभावित गांवों (PAVs) में कई विकासात्मक योजनाएं प्रारंभ करने पर गर्व है, जिनमें विशेष रूप से स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा और स्वच्छता पर केंद्रित प्रयास शामिल हैं।

महिला सशक्तिकरण
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) टंडवा का जीर्णोद्धार
बालिका विद्यालय में शौचालय का निर्माण

एनटीपीसी नॉर्थ करणपुरा

स्वतंत्रता दिवस पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं
पंजाब नेशनल बैंक
मंडल कार्यालय
बोकारो

राजेश श्रीवास्तव
मंडल प्रमुख
सभी तरह के ऋण एवं बचत योजनाओं का लाभ उठायें

स्वतंत्रता दिवस पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं
विस्थापित महाविद्यालय

शिबू गोप
प्राचार्य

सत्यमेव जयते
भारत सरकार
सभी देशवासियों को
79वें स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

अगर आज दुनिया सोचती है कि भारत एक बड़ी छलांग लगाने के लिए तैयार है, तो उसके पीछे 11 साल का एक शक्तिशाली लॉन्चपैड है।
- नरेन्द्र मोदी
CBC 46101/13/0016/2526
लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस समारोह का सीधा प्रसारण **सुबह 6:30 बजे** से दूरदर्शन नेटवर्क पर।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में बिहार के चार मुखिया पहुंचे दिल्ली

रक्षा मंत्रालय ने भेजा है विशेष आमंत्रण पत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। 15 अगस्त को दिल्ली में लाल किला परिसर में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में बिहार के चार ग्राम पंचायत के मुखिया शामिल होंगे। अपने पंचायत की स्वच्छता एवं पर्यावरण की सुरक्षा के माध्यम से स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की सफलता में योगदान देने के लिए पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जलशक्ति मंत्रालय, भारत सरकार ने इन्हें आमंत्रित किया है। 15 अगस्त को सभी सम्मानित अतिथि स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के लिए आरक्षित दीर्घा में बैठकर झंडोत्तोलन देखेंगे और अपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का भाषण सुनेंगे। इस समारोह में शामिल होने के लिए सभी मुखिया एवं उनके जीवनसाथियों के लिए रक्षा मंत्रालय की ओर से एक विशेष पास जारी किया गया है। बिहार से जिन पंचायतों के मुखिया को यह आमंत्रण मिला है, उनमें समस्तीपुर जिला के मोतीपुर ग्राम पंचायत की मुखिया प्रेमा देवी, पश्चिम चंपारण जिला के सिसवनिया पंचायत के मुखिया कन्हैया प्रसाद कुशवाहा, भागलपुर जिला के राघोपुर ग्राम पंचायत के मुखिया मनोज कुमार मंडल एवं गोपालगंज जिला के करसघाट पंचायत के मुखिया ब्रजेश कुमार शामिल हैं। इनके साथ इनके जीवनसाथियों को भी इस समारोह में शामिल होने का आमंत्रण मिला है। सभी आमंत्रित अतिथि अन्य प्रदेशों से आये पंचायत प्रतिनिधियों, सरपंचों, मुखियों एवं अन्य अतिथियों के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होंगे। स्वतंत्रता दिवस समारोह में ये सभी अपने प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन को प्रत्यक्ष रूप से सुन पाएंगे। स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने के लिए सभी मुखिया अपने जीवनसाथियों के साथ दिल्ली पहुँच चुके हैं। दिल्ली में ये 13 अगस्त से 16 अगस्त तक प्रवास करेंगे। पंचायत प्रतिनिधियों के इस प्रवास के अनुभव को अधिक व्यापक एवं समृद्ध बनाने के उद्देश्य से इनके दिल्ली भ्रमण का कार्यक्रम भी रखा गया है। 14 अगस्त को सभी अतिथियों को दिन में दिल्ली के प्रमुख स्थानों का भ्रमण कराया जाएगा। इसके साथ ही भारत सरकार के जलशक्ति मंत्रालय के मंत्री सभी अतिथियों से मुलाकात करेंगे। इस दौरा मंत्री देश के विभिन्न प्रदेशों से आये पंचायत प्रतिनिधियों के साथ संवाद भी करेंगे। इन सभी पंचायत प्रतिनिधियों के लिए मंत्री की ओर से रात्रिभोज का आयोजन किया गया है।

इन सभी जिलों से आयी प्रविष्टियों में से अंतिम रूप से समस्तीपुर के मोतीपुर ग्राम पंचायत की मुखिया प्रेमा देवी, पश्चिम चंपारण जिला के सिसवनिया पंचायत के मुखिया कन्हैया प्रसाद कुशवाहा, भागलपुर जिला के राघोपुर ग्राम पंचायत के मुखिया मनोज कुमार मंडल एवं गोपालगंज जिला के करसघाट पंचायत के मुखिया ब्रजेश कुमार का चयन किया गया।

पूर्व विधायक राजद में शामिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भाजपा के पूर्व विधायक देवनारायण रजक ने गुरुवार को समर्थकों के साथ राजद की सदस्यता ग्रहण कर ली। पार्टी के प्रदेश कार्यालय में बिहार इकाई के प्रधान महासचिव रणविजय साहू उन्हें सदस्यता दिलाई। उनके साथ मुकेश कुमार, नवल किशोर यादव, विपिन कुमार, मनोज भूषण, अशोक कुमार, धीरेंद्र प्रसाद यादव, मनोज कुमार, रामचंद्र यादव, मो. नजीर, मो. अली, हरिशंकर गोस्वामी आदि राजद के पाले में आए हैं। प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि सदस्यता रसीद के साथ उन सभी को पार्टी के प्रतीक-चिह्न का गमछा और लालू की जीवनी (गोपालगंज टू रायसीना) देकर सम्मानित किया गया। साहू ने कहा कि लालू प्रसाद के सामाजिक न्याय और तेजस्वी यादव की विकासोन्मुख राजनीति से प्रभावित होकर दूसरे दलों से राजद में आने का क्रम अनवरत है। उल्लेखनीय है कि देवनारायण 2000 में भाजपा के टिकट पर बनमनखी से विधायक चुने गए थे।

दो इपीक रखने के आरोप में मेयर को आयोग का नोटिस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। नगर निगम की मेयर निर्मला साहू व उनके दो देवर दिलीप कुमार व मनोज कुमार का नाम मुजफ्फरपुर विधानसभा क्षेत्र के दो बूथों की मतदाता सूची में होने के मामले ने तूल पकड़ लिया है।

मामला सामने आने के बाद 94-मुजफ्फरपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी ने महापौर व उनके दोनों देवर को नोटिस भेजा है। इसमें कहा है कि पहली जुलाई 2025 को प्रकाशित प्रारूप निर्वाचक सूची में 94-मुजफ्फरपुर विधानसभा क्षेत्र के दो अलग-अलग मतदान केंद्रों पर आपका नाम दर्ज है।

महापौर को 16 अगस्त को शाम पांच बजे तक अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया ताकि आगे की कार्रवाई हो सके। महापौर को भेजे नोटिस में कहा गया है कि उनका नाम विशेष गहन पुनरीक्षण, 2025 के दौरान प्रकाशित निर्वाचक सूची में बूथ नंबर 153 क्रमांक संख्या 664 ईपिक नंबर आरईएम 1251917 व बूथ नंबर 257 क्रमांक संख्या 618 ईपिक नंबर जी 581835164 है। साथ ही वोटर लिस्ट रिवीजन में भी दो जगह उनका नाम पाया गया है। महापौर के साथ उनके देवर मनोज कुमार को भी नोटिस भेजा गया है, जिनका नाम विशेष गहन पुनरीक्षण, 2025 के दौरान प्रकाशित प्रारूप निर्वाचक सूची में बूथ नं.-153 क्र.सं.-666 ईपिक नं.-आरईएम 1251891 एवं बूथ नं.-257 क्र.सं.-620 ईपिक नं.-जी 580852996 पर अंकित है।साथ ही विशेष गहन पुनरीक्षण के पूर्व में भी दोनों जगह आपका नाम अंकित पाया गया है। वहीं केदारनाथ रोड, कल्याणी, वार्ड संख्या 42 निवासी दिलीप कुमार का नाम बूथ नं. 153, क्र.सं. 665, ईपिक नं.-आरईएम 1958024 एवं बूथ नं.-257, क्र.सं. 617 ईपिक नं.-जीएसबी 1824440 पर अंकित है, उन्हें भी नोटिस देकर अपना पक्ष 16 अगस्त को शाम पांच बजे तक निश्चित रूप से रखने को कहा गया है।

महापौर फिलहाल शहर से बाहर हैं। मोबाइल से संपर्क करने पर उन्होंने बताया, ₹मैं हमेशा वार्ड 22 के पुरानी बाजार केदारनाथ रोड स्थित आवास के पास राजकीय मारवाड़ी मध्य विद्यालय बूथ पर मतदान करती आई हूं। दो मतदान केंद्र पर मेरा नाम कैसे जुड़ा, यह मुझे पता नहीं है।

खोह की मिट्टी धंसने से साधु की मौत, लोगों की जुटी भीड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। प्रखंड के तरार में शिव मंदिर के पास स्थित मिट्टी के बने गुफा (खोह) की छत ढहने से साधु की मौत हो गई। उनकी पहचान महंगू महतो के पुत्र 65 वर्षीय लक्ष्मण सिंह के रूप में हुई है। यहां 20 फीट गुना सात फीट में मिट्टी का गुफा है जिसमें वह रहते थे और मिट्टी की छत ढह गया जिससे दबकर मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार कभी-कभी गुफा में सो जाते थे। इसी दौरान यह घटना हुई है। यह ज्ञात नहीं हो सका है कि घटना बुधवार की देर रात के बाद गुरुवार की सुबह के बीच कब हुई। गुरुवार की सुबह करीब छह बजे स्थानीय ग्रामीण गढ़ की ओर गए तो उन्हें हादसे का पता चला। एसडीओ अमित राजन, एसडीपीओ अशोक कुमार दास, सीओ शैलेंद्र कुमार यादव और थानाध्यक्ष विकास कुमार सहित अन्य पदाधिकारी पुलिसकर्मी के साथ पहुंचे।

जेसीबी लगाकर ग्रामीणों के सहयोग से मिट्टी के मलबा को हटाया गया। बड़ा जेसीबी से मलवा नहीं हट पाया तो एक छोटा जेसीबी मंगाया गया। तब तक बुजुर्ग की मौत हो चुकी थी। तरार मुखिया शशिभूषण सिंह, चंद्रभूषण वर्मा, अजय कुशवाहा, पूर्व सरपंच अमित कुमार एवं अन्य ग्रामीण पहुंचे। ग्रामीणों का कहना है कि बुधवार को पूरे दिन हुई लगातार वर्षा के कारण गुफा की छत कमजोर हो गया था जिस कारण यह घटना हुई है।

मुखिया ने बताया कि उनकी चार पुत्री है। सभी की शादी कर चुके हैं। उनकी पत्नी हैं। गृहस्थ आश्रम में रहते हुए उन्होंने गेरुआ वस्त्र धारण कर साधु बन गए थे। इसी शिव मंदिर में रहते थे और पूजा पाठ करते थे।

बाइक सवार को थप्पड़ मारते एसडीओ का वीडियो वायरल

गालियां भी देने का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। एसडीओ अविनाश कुमार का एक वीडियो इंटरनेट पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। इस वीडियो के साथ किए गए दावे के मुताबिक एसडीओ अपने सुरक्षा कर्मियों के साथ एक बाइक सवार को थप्पड़ मारते दिख रहे हैं।

दावा किया जा रहा है कि एसडीओ ने बाइक सवारों को गालियां भी दीं। एक बाइक सवार से धक्का-मुक्की के दौरान अपने परिवार के साथ जा रहा एक अन्य बाइक सवार सड़क पर गिर गया।

इस दौरान बाइक सवार दंपती के साथ मौजूद बच्चे रो रहे थे। एसडीओ के इस व्यवहार को लेकर लोगों में गुस्सा है और लोग इसकी आलोचना कर रहे हैं। हालांकि, नवबिहार टाइम्स इस वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। यह घटना तब हुई, जब एक बाइक सवार व्यक्ति अपने परिवार के साथ एसडीओ आवास के सामने खड़ा था।

गौरतलब है कि एसडीओ आवास के ठीक बगल में गंगा घाट और नाथ बाबा का प्रसिद्ध मंदिर है। इसके कारण यहां तीर्थ यात्रियों, पर्यटकों और स्थानीय लोगों की आवाजाही लगातार लगी रहती है। पार्किंग के लिए समुचित स्पेस नहीं होने के कारण यहां लोग एसडीओ आवास की दीवार से सटाकर बाइक खड़ी कर देते हैं। बताया जा रहा है कि एसडीओ इसी बात से नाराज थे।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पदाधिकारी को गाली-गलौज की भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए था। इस संबंध में एसडीओ का पक्ष जानने के लिए कई बार प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

मुठभेड़ में कुख्यात ढेर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। वैशाली थाना क्षेत्र के चिंतामणिपुर स्कूल के पास गुरुवार को पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस एनकाउंटर में कुख्यात अपराधी अरविंद साहनी मारा गया। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी मौके के लिए रवाना हो गए। पुलिस के अनुसार, अरविंद साहनी पर कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे और वह लंबे समय से फरार था। मुठभेड़ के दौरान एक एसटीएफ जवान भी गोली लगने से घायल हो गया, जिसे तुरंत सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। मौके पर भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है और क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान जारी है।

खेल समारोह के बाद हंगामा, मौके पर पहुंची पुलिस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णियां। बिहार के पूर्णिया में एक खेल प्रतियोगिता का जश्न खिलाड़ियों के बीच खूनी संघर्ष का कारण बन गया। बिहार खेल प्रतिभा खोज योजना के तहत आयोजित मशाल कार्यक्रम के दौरान, विजेता और उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों में जमकर मारपीट हुई। इस घटना में दोनों गुटों से छह खिलाड़ी घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए पूर्णिया के राजकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (जीएमसीएच) में भर्ती कराया गया है। घायलों में से एक खिलाड़ी की हालत बेहद गंभीर है, जिसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। यह घटना बुधवार की रात पूर्णिया जिला स्कूल के पास हुई, जब खेल खत्म होने के बाद सभी खिलाड़ी एक ही बस से वापस लौट रहे थे। सूचना मिलते ही जिला खेल पदाधिकारी डेजी रानी, एसडीपीओ और अन्य पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। घायलों में बनमनखी की टीम से निशा कुमारी, श्वेता कुमारी और पूजा कुमारी और केनगर की टीम से कैप्टन सुरुचि कुमारी, गूंजा कुमारी और छोटी कुमारी शामिल हैं।

बनमनखी की अंडर-16 टीम की खिलाड़ी श्वेता कुमारी ने बताया कि बिहार खेल प्रतिभा खोज योजना के तहत पूर्णिया जिले में मशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता में उनकी टीम ने जीत हासिल की थी, जबकि केनगर की अंडर-16 टीम रनर-अप रही थी। श्वेता के अनुसार, मैच के बाद सभी टीमें एक ही बस से वापस जा रही थीं। इसी दौरान बनमनखी की विजेता टीम के खिलाड़ी जीत का जश्न मनाते हुए सोशल मीडिया के लिए ब्लॉग बना रहे थे। इससे उपविजेता टीम के खिलाड़ी नाराज हो गए और दोनों टीमों के बीच विवाद शुरू हो गया। श्वेता का आरोप है कि केनगर के खिलाड़ियों ने अचानक उन पर हमला कर दिया। उनका कहना है कि केनगर टीम के लड़कों ने जानबूझकर उनकी सबसे तेज खिलाड़ी पूजा कुमारी को निशाना बनाया और लात-घूंसों से बेरहमी से मारपीट की।

तीन मासूम बच्चियों को स्टेशन पर बैठाकर पिता फरार

पुलिस ने तीनों को भेजा विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। पापा हमलोगों को स्टेशन पर बैठा कर बोले, यहीं पर बैठो, कहीं नहीं जाना। उन्होंने कागज पर मोबाइल नंबर लिखकर जेब में रख दिया, बोले जब पुलिस अंकल आएंगे तो उन्हें मां से बात करा देना...। पिता द्वारा ठुकराई गईं तीन मासूम बच्चियों ने रो-रो कर जिला बाल कल्याण समिति के सामने ये बातें कहीं। उनकी जेब से मिले मोबाइल नंबर पर जब कॉल किया गया तो एक महिला ने रिसीव जरूर किया, लेकिन बात शुरू होते ही काट दिया। कई बार कोशिश के बाद भी उस नंबर पर जिला बाल कल्याण समिति की बात नहीं हो सकी। समिति अध्यक्ष उदय शंकर शर्मा, सदस्य मो. सफदर अली व प्रतिभा रानी ने तीनों मासूम बच्चियों को खबरा स्थित विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान भेज दिया।

बताते हैं कि मुजफ्फरपुर जंक्शन के एक नंबर प्लेटफॉर्म पर तीनों बच्चियां चाइल्ड लाइन को लावारिस मिलीं। उनकी उम्र करीब दो, तीन व पांच वर्ष है। तीनों अपने घर के बारे में नहीं बता पा रही हैं। झोले से कुछ बिस्किट भी मिले हैं। तीनों का रो-रोकर बुरा हाल था। माता-पिता के पास जाना चाहती हैं। रेलवे स्टेशन पर मिलीं मासूम बेटियों ने समाज की सोच को लेकर प्रश्न खड़ा कर दिया है। सरकार एक तरफ बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ को लेकर लोगों को जागरूक कर रही है तो दूसरी तरफ एक पिता के बेटियों को ठुकराने की घटना ने समाज को शर्मसार कर दिया है।

जिला बाल कल्याण समिति भी इसकी तह तक जाना चाह रही कि कहीं तीनों बच्चियों को छोड़ने के पीछे बेटियों को बोझ समझने की कुंठित सोच तो नहीं है।

जिप की दुकानों का बकाया रखने वाले 87 लोगों को नोटिस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले में जिला परिषद के अंतर्गत चलने वाली दुकानों में बकाया रखने वालों के खिलाफ प्रशासन पूरी तरह से एक्शन में आ गया है। इसे लेकर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी सह डीडीसी डॉ. गुंजन सिंह ने जुलाई माह समेत अन्य कई माह का बकाया रखें 87 बकायेदार दुकानदारों को नोटिस भेजा है। इसके साथ ही उनके दुकान के आगे उसे चश्पा दिया है।

ऐसे दुकानदारों को बकाया राशि को एक सप्ताह में जमा करने की चेतावनी दी गई है। ऐसा नहीं करने पर विभिन्न एक्ट के तहत दुकान को सील करने की चेतावनी दी गई है। मालूम हो कि नए इकरारनामे के अनुसार जुलाई 2025 से बढ़ा हुआ किराया दुकानदारों को आटो डेबिट मोड में जमा करना है।

27 दुकानदारों के द्वारा उसे जमा कर दिया गया है, परंतु आरा शहर में स्टेशन रोड, क्षत्रिया स्कूल, कतिरा और जिला परिषद कार्यालय के पीछे तथा बिहिया में स्थित 87 दुकानदारों के द्वारा लगभग चार लाख रुपये की राशि नहीं जमा की गई है।

नोटिस के पहले कई बार मौखिक भी किराया जमा करने को कहा गया, परंतु इन सभी के द्वारा जमा नहीं किया गया है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए गुरुवार को बकाएदार दुकानदारों के दुकान के सामने नोटिस चिपका दिया गया। डीडीसी ने बताया कि नोटिस चिपकाने के एक सप्ताह तक इन सभी ने किराया नहीं जमा किया तो आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी।

टेंपो -स्कूल बस की टक्कर में महिला समेत आधा दर्जन लोग घायल

समस्तीपुर। जिले के मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के विश्वकर्मा चौक पर गुरुवार को टेंपो और स्कूल बस के बीच सीधी टक्कर में महिला समेत आधा दर्जन लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना पर पहुंची 112 पुलिस टीम ने सभी घायलों को समस्तीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार, मुसरीघरारी बस स्टैंड से टेंपो चालक पांच यात्रियों को लेकर समस्तीपुर की ओर जा रहा था। जैसे ही वाहन विश्वकर्मा चौक के पास समस्तीपुर-दरभंगा मुख्य मार्ग पर पहुंचा, सामने से आ रही स्कूल बस ने टेंपो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि टेंपो में सवार सभी लोग घायल हो गए।

घायलों में कल्याणपुर थाना क्षेत्र के पुरुषोत्तमपुर गांव की 45 वर्षीय मीना देवी, उनकी पुत्री 18 वर्षीय सानिया कुमारी, 2 वर्षीय बेटा अर्पित कुमार, भिंडी गांव के मोहम्मद आजाद की पत्नी 45 वर्षीय रशीदा खातून, रहीमपुर रुदौली गांव के 50 वर्षीय नरेश कुमार और टेंपो चालक शामिल हैं। बताया गया कि मीना देवी अपने बीमार बेटे को इलाज के लिए समस्तीपुर ला रही थीं, तभी यह हादसा हो गया। मौके पर पहुंचे 112 टीम के पुलिस पदाधिकारी कारी दास ने बताया कि सभी घायलों को तुरंत सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

14 वर्षों के बाद आरोपमुक्त हुए पूर्व मंत्री राजबल्लभ यादव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। आदर्श आचार सहिंता मामले में आरोपित पूर्व मंत्री राजबल्लभ प्रसाद यादव, पूर्व विधायक बनवारी राम, कांग्रेस से हिसुआ विधायक नीतू सिंह, पूर्व जिला पार्षद वारिसलीगंज विधायक अरुणा देवी के पति अखिलेश सिंह और मो. इनुस को अदालत ने बड़ी राहत दी है।

अदालत ने इन लोगों को आरोप मुक्त करते हुए आदर्श आचार सहिंता उलंघन मामले में रिहा कर दिया है।

बता दें कि सभी को कोर्ट से 14 वर्षों के बाद राहत मिली है। नवादा के एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी सह प्रथम अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी चंदन कुमार ने साक्ष्य के अभाव में सभी को रिहा करने का आदेश जारी किया। यह फैसला मंगलवार का सुनाया गया।

न्यायाधीश मोहित कुमार शाह और न्यायाधीश हरीश कुमार की खंडपीठ ने छह अपीलों पर एक साथ सुनवाई करते हुए यह निर्णय सुनाया।

न्यायालय ने अपने 315 पृष्ठों के निर्णय में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोप सिद्ध करने में विफल रहा। पीड़िता और अन्य गवाहों के बयान में गंभीर विरोधाभास हैं। चिकित्सा साक्ष्य आरोपों का समर्थन नहीं करते और घटनास्थल से जुड़े तथ्यों में भी संदेह की पर्याप्त गुंजाइश है।

गौरतलब है कि 9 फरवरी 2016 को राजबल्लभ यादव ने एक नाबालिग लड़की को शराब पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। पीड़िता ने आरोप लगाया था कि आरोपियों में शामिल सुलेखा देवी ने बर्थ डे पार्टी के बहाने अनजान जगह पर ले जाकर उसे जबरन शराब पिलाई और फिर उसे राजबल्लभ के हवाले कर दिया। इसके बाद राजबल्लभ ने गंदी बात को अंजाम दिया।

अनियंत्रित कार ने बाइक सवार को रौंदा, दो की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र अन्तर्गत बिहिया-जगदीशपुर हाइवे पर जमुआं मोड़ के समीप गुरुवार की सुबह अनियंत्रित कार ने एक बाइक पर सवार जीजा-साला को रौंद दिया। हादसे में बाइक सवार साला की मौत हो गई। जबकि, मृतक के जीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ, जब दोनों बाइक से बाजार जा रहे थे।

मृतक 34 वर्षीय सरोज कुमार जगदीशपुर थाना क्षेत्र के दावां गांव वार्ड-सात निवासी स्व. अवधेश कुमार राम के पुत्र थे। वे पेशे से ठेकेदार था और बस बाडी पेंटिंग का ठेका लेते थे।

हादसे में घायल जीजा 40 वर्षीय हरेराम कुमार, मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गोठहुला गांव के निवासी हैं। इधर, मृतक के चाचा सुरेश कुमार के अनुसार, सरोज अपने घर का निर्माण करा रहे थे। गुरुवार सुबह वे अपने जीजा हरेराम कुमार के साथ बाइक से पाइप खरीदने बाजार जा रहे थे।

इस दौरान सुबह करीब नौ बजे जैसे ही दोनों जमुआं मोड़ स्थित माल के पास पहुंचे, तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे में सरोज की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि जीजा गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्वजन घायल को इलाज के लिए पास के निजी अस्पताल ले गए, जहां उनका उपचार जारी है। हादसे के बाद चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया।

सूचना पाकर बिहिया थानाध्यक्ष आदित्य कुमार पुलिस बल के साथ सदर अस्पताल पहुंचे और शव का पोस्टमार्टम कराया। सरोज दो भाई और दो बहनों में दूसरे नंबर पर थे। उनके परिवार में मां ललिता देवी, पत्नी पूर्णिया देवी और दो बेटियां प्रियांशी व गुनगुन हैं। हादसे के बाद मां, पत्नी और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

लोकाईन नदी का तटबंध टूटा, कई गांवों में घुसा बाढ़ का पानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। प्रखंड के पकड़ी गांव के निकट लोकाईन नदी का तटबंध हाल ही में लगातार वर्षा के कारण लगभग 15 फीट टूट गया है।

प्रशासन और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण अब तक इसकी मरम्मत नहीं कराई गई। इससे बाढ़ आने की स्थिति में कटाव बढ़ने की आशंका है, जिससे कई गांवों में पानी प्रवेश कर सकता है।

इस स्थिति को लेकर ग्रामीणों में गहरी चिंता व्याप्त है। जानकारी के अनुसार, पकड़ी गांव से दक्षिण हसन पईन के निकट मुहन्ना पर लोकाईन नदी का तटबंध लगभग चार दिनों पहले टूट गया था।

ग्रामीणों सुधीर लाल यादव, सुधाकर सुमन, डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद, पवन लाल यादव समेत अन्य ने बताया कि तटबंध के टूटने के बाद धीरे-धीरे कटाव बढ़ रहा है। ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन और जल संसाधन विभाग के अभियंताओं से तटबंध की मरम्मत कराने की गुहार लगाई है, लेकिन उनकी मांगों को नजरअंदाज किया गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि फिलहाल नदी में पानी नहीं है, लेकिन क्षेत्र में हो रही लगातार वर्षा के कारण जलजमाव हो रहा है। झारखंड में भी वर्षा जारी है, जिससे उदेरास्थान बराज से पानी छोड़े जाने पर जलस्तर में वृद्धि हो सकती है। जलस्तर बढ़ने से तटबंध के कटाव में और वृद्धि होने की आशंका है।

यदि ऐसा हुआ तो पकड़ी, पकड़ीबिगघा, नेसरा, जोगनबिगहा, वाहापर, सतरजावाग, रसलपुर, हथिला, गुलरियाबिगहा, करायपरसुराय, जोलबिगहा समेत कई अन्य गांव बाढ़ के पानी से घिर सकते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि बाढ़ का पानी पटना जिले के ऐरई गांव होकर सिंगरियावां छिलका पर निकलेगा।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले 16 जुलाई की रात को भी जल संसाधन विभाग की लापरवाही के कारण सांध पंचायत के गुलरियाबिगहा गांव के निकट लोकाईन नदी का तटबंध लगभग 55 फीट टूट गया था। उस समय बाढ़ ने सांध, बेरथू, करायपरसुराय, गोंदूविगहा और डियांवा पंचायतों के कई गांवों को प्रभावित किया था।

ग्रामीणों ने उस समय भी अधिकारियों से मरम्मत की गुहार लगाई थी, लेकिन उनकी बातों को नजरअंदाज किया गया, जिसके परिणामस्वरूप बाढ़ की चपेट में आकर तटबंध टूट गया। अब पकड़ी गांव के निकट टूटे तटबंध की मरम्मत न होने से ग्रामीणों में संशय की स्थिति बनी हुई है। बाढ़ से पहले ही आर्थिक रूप से प्रभावित किसानों का हौसला अब पस्त हो गया है। किसानों का कहना है कि यदि इस समस्या को अनदेखा किया गया, तो उन्हें फिर से बाढ़ का सामना करना पड़ सकता है। इस संबंध में जल संसाधन विभाग के जेई मशरुर अहमद ने कहा कि विभाग के एसडीओ को इस स्थिति से अवगत करा दिया गया है और जल्द ही मरम्मत का कार्य शुरू किया जाएगा।

नरकंकाल मिलने से सनसनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चेरिया बरियारपुर (बेगूसराय)। गुरुवार को थाना क्षेत्र के सकरबासा पंचायत अंतर्गत अमर सिंह स्थान के समीप महना चौर स्थित एक खेत से आधे-अधूरे नरकंकाल की बरामदगी ने इलाके में सनसनी फैला दी है। यह नरकंकाल स्थानीय किसान संजय राम के खेत से बरामद हुआ है, जो पुलिस के लिए कड़ी चुनौती बनकर सामने आया है।मिली जानकारी के अनुसार, खेत में काम कर रहे मजदूरों की नजर अचानक कंकाल पर पड़ी। इसकी सूचना ग्रामीणों द्वारा स्थानीय थाना को दी गई। सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष सुबोध कुमार के नेतृत्व में पुलिस दल मौके पर पहुंचा और नरकंकाल को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस को घटनास्थल से सिर, हाथ और पैर की हड्डियां मिली हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि कंकाल किसी महिला का है या पुरुष का। गांव में किसी भी व्यक्ति की गुमशुदगी की सूचना दर्ज नहीं है,।

सरायगढ़-देवघर-सरायगढ़ स्पेशल का आवागमन जारी रहेगा

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ से निपटने के लिए, **05517/05518 सरायगढ़-देवघर-सरायगढ़ स्पेशल ट्रेन** नीचे उल्लिखित अवधि के दौरान अपनी वर्तमान समय-सारिणी और ठहराव के अनुसार **रोज़ाना** चलती रहेगी : **(1) 05517 सरायगढ़-देवघर स्पेशल** : 15.08.2025 से 24.08.2025 तक = 10 ट्रिप। **(2) 05518 देवघर-सरायगढ़ स्पेशल** : 16.08.2025 से 25.08.2025 तक = 10 ट्रिप। **गठन** : 12 डिब्बों वाली एमईएमयू रेक। अन्य सभी अनुदेश पूर्ववत रहेंगे।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पांच दलों को चुनाव आयोग ने भेजा नोटिस

मंडराया मान्यता रद्द होने का खतरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने झारखंड के पांच राजनीतिक दलों को नोटिस जारी किया है।

इनमें हजारीबाग के आपका हमारा पार्टी, गिरिडीह के बहुजन सदन मोर्चा, पूर्वी सिंहभूम के झारखंड दिशोम पार्टी, रांची के हम किसान पार्टी एवं झारखंड जनाधिकार पार्टी सम्मिलित हैं।

इनके द्वारा पिछले छह वर्षों से लोकसभा/विधानसभा के आम चुनाव/उप चुनाव में भाग नहीं लिया गया है। राजनीतिक दलों के

पंजीकृत पते पर भी भेजी गई सूचना, 29 अगस्त को सुनवाई

पंजीकरण के लिए दिशानिदेशों में उल्लेख है कि यदि कोई दल लगातार छह वर्षों तक चुनाव नहीं लड़ता है, तो उस दल को पंजीकृत दलों की सूची से हटा दिया जाएगा। इसके अलावा, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के अनुसार, दलों को उनके पंजीकरण के समय नाम, पता, पदाधिकारी आदि जैसे विवरण देने होते हैं और किसी भी बदलाव को बिना किसी देरी के आयोग को सूचित करना होता है।

उक्त दलों को राजनीतिक दलों की सूची से हटाने के क्रम में आयोग से प्राप्त निर्देश के आलोक में अध्यक्ष/महासचिव को पार्टी के तरफ से शपथ पत्र सहित लिखित पक्ष मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय, रांची को भेजने के लिए 22 अगस्त तक देने के निर्देश इन दलों को दिए गए हैं।

साथ ही 29 अगस्त को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड द्वारा पूर्वाह्न 11.00 बजे सुनवाई के लिए तिथि एवं समय निर्धारित की गई है। इस आशय की सूचना राजनीतिक दलों को आयोग द्वारा उनके पंजीकृत पते पर भी भेजी गई है।

साथ ही इसकी जानकारी समाचार पत्रों में आम सूचना के माध्यम से एवं विभाग के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी प्रसारित की गई है।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा उक्त राजनीतिक दलों के प्राधिकृत प्रतिनिधियों से इस संबंध में ससमय वांछित कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है। बता दें कि इससे पहले भी पांच अन्य राजनीतिक दलों का पंजीयन रद्द कर दिया गया है।

रिटायर्ड दारोगा के बेटे ने की आत्महत्या

मेदिनीनगर (पलामू)। सदर थाना क्षेत्र के सिंगरा गांव में गुरुवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां रिटायर्ड दारोगा के 30 वर्षीय बेटे सुशांत पासवान ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। सुशांत ने सुसाइड नोट में अपनी पत्नी जया देवी पर अवैध संबंधों का आरोप लगाया और लिखा कि उसकी मृत्यु के बाद जमीन-जायदाद में हिस्सा पत्नी को नहीं, बल्कि बच्चों को दिया जाए। बताया गया कि घटना के समय सुशांत अपने बेटे के साथ घर आया था। उसकी मां किसी काम से बाहर गई हुई थीं, जबकि पिता दरवाजे पर सफाई कर रहे थे। इसी दौरान सुशांत अचानक अपने कमरे में गया और फांसी लगा ली। करीब 15 मिनट बाद जब मां लौटीं तो बेटे को फंदे पर लटकता देखा। परिजनों ने तुरंत उतारकर बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। 7 जुलाई को भी पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था, जिसका जिक्र सुशांत ने अपनी डायरी में किया था। तब पत्नी ने आगे गलती न करने का वादा भी किया था। कुछ समय पहले अवैध संबंधों के आरोप लगने पर पत्नी घर से भाग गई थी और छत से कूदने जैसी कोशिश भी की थी।

79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के कार्यक्रम की हुई फुल ड्रेस रिहर्सल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में बुधवार को 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का भव्य फुल ड्रेस रिहर्सल हुआ।इस दौरान सुरक्षा इंतजामों की बारीकी से समीक्षा की गई।

रांची प्रक्षेत्र के आईजी मनोज कौशिक, डीआईजी सह रांची एसएसपी चन्दन कुमार सिन्हा और डीसी मंजूनाथ भजंत्री मौके पर मौजूद रहे। आईजी मनोज कौशिक ने परेड का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और सुरक्षा व्यवस्था के सभी पहलुओं पर चर्चा की।बैठक में विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के दौरान अपनाए जाने वाले ₹करें₹ और ₹न करें₹ स्पष्ट रूप से बताए गए। साथ ही संभावित चुनौतियों से निपटने के उपायों पर भी जोर दिया गया।

डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने दंडाधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और जवानों को पूरी सतर्कता और तैयारी के साथ जिम्मेदारियां निभाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी प्रतिनियुक्त कर्मी अपने-अपने स्थल पर सतर्क रहें और आपसी समन्वय बनाए रखें, यही सफल आयोजन की कुंजी है।

पिता की हत्या मामले में बेटे-बहु को उम्र कैद

9 मई 2024 को हुई थी घटना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पलामू। झारखंड के पलामू जिले में सदर थाना हत्याकांड को लेकर काफी चर्चा थी। इस हत्याकांड मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाया है। मिली जानकारी के अनुसार, पलामू जिले के बहुचर्चित सदर थाना हत्याकांड (कांड संख्या-42/2024) में अदालत ने बुधवार को ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश डालटनगंज ने अभियुक्त राजदेव पाल और उनकी पत्नी मंजू देवी को अपने ही पिता स्व. सागर महतो की गला दबाकर हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई।अदालत ने दोनों पर 25,000-25,000 का जुर्माना भी लगाया। आदेश के अनुसार, जुमार्ना नहीं देने पर दोनों को अतिरिक्त एक-एक वर्ष का कठोर कारावास भुगतना होगा।

यह घटना बीते 09 मई 2024 को हुई थी। वादी रामदेव पाल (छोटा भाई) ने थाना-सदर में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें आरोप था कि उनके बड़े भाई राजदेव और भाभी मंजू ने मिलकर उनके पिता सागर महतो की गला दबाकर हत्या कर दी। यह घटना कौडिया, तीनकोनिया टोला, थाना-सदर, जिला-पलामू में हुई थी। इस मामले में जांच टीम में पुअनि मनोज कुमार मुण्डा,श्यामजय कुमार सिंह और पलामू जिला और सदर थाना के पुलिस कर्मी शामिल थे। दिनों अपराधी कानून के शिकंजे में हैं और अब उम्र भर जेल में रहेंगे।

कृष्ण-राधा का रुप धरकर बच्चों ने जीता सबका दिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुमला। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर गुमला में बुधवार को भव्य रूप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कक्षा अरुण से द्वितीय तक के नन्हे-मुन्ने भाई-बहनों ने भगवान कृष्ण, राधा, बलराम, सुदामा और यशोदा के मनमोहक रूप धारण कर सभी का दिल जीत लिया। राधा-कृष्ण के कई जोड़े अपनी अदाओं और मुस्कान से कार्यक्रम की शोभा बढ़ा रहे थे। सुदामा और बलराम के वेश में बच्चों ने मित्रता और भाईचारे का संदेश दिया। प्रतियोगिता में विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं का चयन किया गया।

कृष्ण के रूप में प्रथम स्थान कक्षा अरुण से मृणाल मृदुल, कक्षा उदय से आयांश कुमार, कक्षा प्रभात से सात्विक आनंद रहे। वहीं, राधा के रूप में प्रथम कक्षा अरुण से प्राची सिंह, कक्षा उदय से अर्पित मिश्रा, कक्षा प्रभात से नित्या राज रहीं।

सुदामा के रूप में प्रथम कक्षा प्रथम से अभिनिवेश आनंद, कक्षा द्वितीय से जयेश सिंह और यशोदा के रूप में प्रथम कक्षा प्रथम से सानवी चंद्रा रहीं। पुरस्कार वितरण के बाद बच्चों के चेहरों पर खुशी और गर्व झलक रहा था। मुख्य अतिथि ने कहा कि यह आयोजन केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि बच्चों में भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति सम्मान और प्रेम जगाने का सफल प्रयास है। प्राचार्य संजीव कुमार सिन्हा ने प्रतिभागियों की मेहनत की सराहना की।

धरनार्थी को पंचायत भवन में मिला आश्रय

बिरनी। बिरनी के तेतरिया सलयडीह में गत 11 अगस्त 2025 सुबह करीब 8 बजे को वृद्ध निसंतान अजीम मियां का कच्चा घर गिर गया। पीड़ित निसन्तान अजीम मियां ने रहने के लिए आवास की मांग को लेकर विधि सम्मत के साथ गुरुवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय के समक्ष अनिश्चित कालीन धरना पर बैठ गए। पीड़ित धरना पर बैठते ही प्रमुख रामू बैठा बीडीओ फणीभूषन रजवार , पीएम आवास प्रखंड समन्वयक अजित मरांडी धरना स्थल पहुंचे। काफी देर तक पीड़ित से वार्ता किया। धरना करीब तीन घण्टा तक रहा। आवास देने व तत्काल रहने की करने की आश्वाशन पर पीड़ित अजीम मियां ने धरना को समाप्त कर दिया। प्रमुख ने बीडीओ व पीएम आवास समन्वयक अजित मरांडी को निर्देशित करते हुए कहा कि वृद्ध अजीम मियां का कच्चा घर बारिश में गिर गया है। पीड़ित वेघर हो गया है। इसे पंचायत भवन में रखवाया जाए।विधि सम्मत के साथ आवास के लिए उपायुक्त को अवगत कराया जाएगा। उपायुक्त के निर्देश पर आगे कोई कार्रवाई होगी। वहीं, जेएमएम नेता मुमताज अंसारी ने बीडीओ से वार्ता कर कहा कि जांच कर अविम्ब आवास दिया जाए।

गुस्साये लोगों ने घेरा थाना

मामला मुआवजा शिविर के दौरान हुई झड़प का

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बड़कागांव (हजारीबाग)। मुआवजा शिविर के दौरान हुए झड़प के बाद पुलिस द्वारा सैकड़ों ग्रामीणों पर मामला दर्ज किए जाने के विरोध में गुरुवार सुबह 5 बजे से ही ग्रामीणों ने बड़कागांव थाना का घेराव कर दिया है। आक्रोशित ग्रामीण बड़ी संख्या में थाना परिसर के बाहर जुट गए और पुलिस कार्रवाई को रद करने की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि बुधवार रात पुलिस ने बादम गांव से दामोदर साव, विक्की गुप्ता, बालो गुप्ता तथा हरली से टिकेश्वर महतो और देवनारायण महतो को घर से उठाकर थाने ले आई, जिससे आक्रोश फैल गया।

उनका कहना है कि बिना किसी ठोस सबूत के ग्रामीणों को गिरफ्तार किया गया है। मौके पर बड़ी संख्या में महिला-पुरुष डटे रहे और पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते रहे।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि जब तक गिरफ्तार लोगों को रिहा नहीं किया जाता और दर्ज मामले वापस नहीं लिए जाते, आंदोलन जारी रहेगा।

स्थिति को देखते हुए थाना परिसर के आसपास अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। प्रशासन ने शांति बनाए रखने की अपील की है, जबकि ग्रामीण न्याय की मांग पर अड़े हुए हैं। मालूम हो दो दिन पहले एनटीपीसी की मुआवजा शिविर में जमकर बवाल हुआ था। पुलिस और ग्रामीणों के बीच झड़प में एनटीपीसी के कई पदाधिकारी घायल हो गए थे। इस घटना के बाद ही पुलिस ने मामला दर्ज कर ग्रामीण पर कार्रवाई की है। इसे लेकर आक्रोश पर पनप रहा है।

एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना का फंसा पेंच

कार्रवाई के लिए भेजी गई फाइल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) 33 पर पारडीह काली मंदिर से बालीगुमा तक बनने वाली महत्वाकांक्षी 4/6 लेन एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना की राह में एक बार फिर वन भूमि का पेंच फंस गया है। कॉरिडोर निर्माण के लिए सरायकेला-खरसावां जिले में 1.8569 हेक्टेयर संरक्षित वन भूमि के हस्तांतरण का मामला आवश्यक स्वीकृतियों के लिए विभिन्न विभागों के बीच घूम रहा है। इस भूमि पर हाईटेंशन टावर को शिफ्ट किया जाना है, जो कॉरिडोर निर्माण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

यह पूरा मामला भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) द्वारा भेजे गए एक प्रस्ताव से जुड़ा है, जिस पर राज्य सरकार और वन विभाग ने कुछ बिंदुओं पर स्पष्टीकरण मांगा था। मुख्य रूप से यह पूछा गया था कि क्या प्रस्तावित एलिवेटेड रोड की पूरी लंबाई के लिए एक ही बार में वन संरक्षण अधिनियम के तहत प्रस्ताव दिया जाना चाहिए और टुकड़ों में प्रस्ताव क्यों दिए जा रहे हैं। एनएचएआइ ने इन सभी बिंदुओं का जवाब तो दाखिल कर दिया है, लेकिन अंतिम मंजूरी का इंतजार अब भी जारी है।

एनएचएआई ने 25 जुलाई को सौंपे अपने विस्तृत जवाब में स्पष्ट किया कि एनएच-33 के मुख्य फोर लेन चौड़ीकरण के लिए 2018 में ही वन स्वीकृति मिल चुकी थी। बाद में जब एलिवेटेड कॉरिडोर की जरूरत पड़ी, तो इसके लिए अलग-अलग प्रस्ताव दिए गए। इनमें खुद एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए 2.1812 हेक्टेयर, यूटिलिटी शिफ्टिंग के लिए 4.644 हेक्टेयर और अब हाईटेंशन टावर शिफ्टिंग के लिए 1.8569 हेक्टेयर भूमि का प्रस्ताव शामिल है। एनएचएआइ का तर्क है कि परियोजना कई वन प्रमंडलों से गुजरती है, इसलिए सक्षम अधिकारियों के निर्देश पर ही अलग-अलग प्रस्ताव दिए गए हैं, जो मंजूरी के विभिन्न स्तरों पर लंबित हैं।

इस बीच, सरायकेला की डीएफओ शबा आलम अंसारी ने 8 अगस्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक को पत्र भेजकर मामले की जानकारी दी है। पत्र में कहा गया है कि एनएचएआइ से प्राप्त निराकरण प्रतिवेदन को भारत सरकार के 'परिवेश' पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। डीएफओ ने आवश्यक अग्रिम कार्रवाई के लिए फाइल को वरिष्ठ अधिकारी के पास भेज दिया है। अब गेंद वन विभाग के आला अधिकारियों और राज्य सरकार के पाले में है, जिनकी अंतिम मंजूरी के बाद ही परियोजना का यह महत्वपूर्ण हिस्सा आगे बढ़ सकेगा।

अब बच्चे मनोरंजन के साथ सीखेंगे भाषा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जामताड़ा। जिले के सरकारी स्कूल के बच्चे भी अब निजी स्कूलों के बच्चों की तरह फरार्टेदार अंग्रेजी बोलेंगे। इसके लिए झारखंड शिक्षा परियोजना ने पहल शुरू कर दी है। पूरे राज्य में 405 भाषा प्रयोगशाला बनाई गई है, इसमें जामताड़ा जिले में नौ प्रयोगशाला है। परियोजना का उद्देश्य है कि पहले अंग्रेजी विषय के शिक्षकों को बोलने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद बच्चों को भी प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके लिए यह कार्य योजना बनाई गई है।जिले से कल 43 शिक्षकों को प्रशिक्षण दो चरणों में दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण आठ सितंबर से 27 सितंबर तक चलेगा। प्रशिक्षण की कार्य अवधि सात दिवसीय होगी। इस प्रोजेक्ट को झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद ने तैयार किया है। प्रोजेक्ट का कार्यकाल तीन वर्ष निर्धारित है। प्रशिक्षण देने का बीड़ा एक एनजीओ को दिया गया है।

इसमें जिले के नौ सरकारी विद्यालय, जैसे तीन सीबीएसइ आधारित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय और छह आदर्श विद्यालयों में लैब स्थापित किए जाएंगे। वहीं राज्य भर में 425 स्कूलों में लैब स्थापित की गई है। इसमें 80 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय शामिल हैं।बताया गया कि लैग्वेज लैब एक डिजिटल लाइब्रेरी है। इसमें विद्यार्थी अंग्रेजी, हिंदी , संस्कृत भाषा में सुनने, बोलने, पढ़ने व लिचाने में सुधार करेंगे। इन्हें संवाद करने में मदद करेगा। विद्यार्थी सुविधा के अनुसार आडियो और वीडियो दोनों तरह से भाषा की शिक्षा ग्राहण करेंगे। साथ ही डिजिटल माध्यम से गलतियों को सुधारने और उच्चारण सीखने में मदद करेगी। यहां खेल-खेल में अंग्रेजी व संस्कृति सीखा जा सकता है। इससे उनमें आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। यह लैब एक मनोरंजन और सरल वातावरण तैयार करेगा। खुद विद्यार्थी अपने आप को व्यस्त रखेंगे।

जामताड़ा जेबीसी मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, कस्तूरबा विद्यालय जामताड़ा व बालिका मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय जामताड़ा है।

धड़ल्ले से हो रही कोयले की चोरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बनियाडीह। सीसीएल गिरिडीह एरिया में कोयला चोरी होना कोई नई बात नहीं है। यहां 80 के दशक से संगठित गिरोह अवैध कोयला का उत्खनन करते आ रहे हैं। संगठित गिरोह के संरक्षण में सीसीएल के सीपी साइडिंग से कोयला को उठाकर अलग-अलग जगहों पर बेचते आ रहे हैं। अब यह कोयला चोरी ही नहीं, यह कोयला चोरी लूट में तब्दील हो चुकी है। कोयला चोरों और उनके संरक्षक कोयला माफिया का मनोबल इतना बढ़ गया है कि कबरीबाद माइंस के समीप लंबी सुरंग खोद दी गई है।

सुरंग 20 - 50 मीटर का नहीं, बल्कि कई सौ मीटर की खोदी गई है। इसी में घुसकर हर रोज लाखों का कोयला निकाल कर इसे अलग-अलग स्थानों पर बाइक, स्कूटर व साइकिल से भेजा जा रहा है। संगठित गिरोह यह काला कारनामा कर रहा है और सीसीएल प्रबंधन सिर्फ प्राथमिकी दर्ज करने के अलावा कुछ नहीं कर पा रहा है। इस तरह से सीसीएल प्रबंधन कोयला चोरी रोकने में पूरी तरह असफल साबित हो रहा है। बीते दिन जागरण के सहयोगी कबरीबाद माइंस के समीप उस स्थान पर पहुंची, जहां से लाखों टन कोयला चोरों ने निकाल लिया है। साथ में सीसीएल सुरक्षा विभाग के पदाधिकारी और कर्मी भी यहां पहुंचे।

कई जगहों पर जर्जर सुरंग को देखा कि चोरों ने जो सुरंग खोली है, वह काफी चौड़ी तो है हीं काफी लंबी भी हैं। जानकारों के अनुसार चोरों ने लगभग ढाई किमी तक की खुदाई कर डाली है। इस बड़ी गैलरी के अलावा चोरों ने अलग-अलग स्थानों पर कई गैलरी बना डाली है। एक स्थान पर तो तीन तल्ले की गैलरी भी बनी है।

छानबीन और सीसीएल के सुरक्षा गार्डों से बात करने के बाद यह भी पता चला कि हर रोज रात 11-12 बजे के बाद सैकड़ों की संख्या में चोर घुसते हैं। चोरों में महिलाओं की संख्या भी काफी अधिक रहती हैं। सभी के कोयला उत्खनन करने का लोहे का औजार के साथ साथ लाठी-डंडा रहता है। ये चोर काफी संख्या में रहते हैं, जिनका विरोध करना जान को जोखिम में डालने के सामान है। यदि कोई गार्ड इन्हें विरोध करने का प्रयास करता है तो उसकी पिटाई भी कर दी जाती है। यह भी पता चला कि चोर देर रात से लेकर सुबह तक रहते हैं। सूत्रों से पता चला कि कोयला की अवैध कटाई मजदूर करते हैं फिर से इसे समीप के क्षेत्रों में डंप किया जाता है। इसके बाद वहां से कोयला को बाइक, स्कूटर पर लादकर धनबाद के कई जगहों के अलावा गिरिडीह जिले के अलग-अलग स्थानों पर ले जाया जाता है। दर्जन बाइक कोयला बिहार भी भेजा जाता है। यह पूरा काम संगठित माफियाओं के संरक्षण में होता है। इन माफियाओं में कुछ वैसे संरक्षक है, जो समाज में गिने-चुने माने जाते है। इसी के दम पर माफिया दंभ भरते रहे हैं। कबरीबाद माइंस के पास जिस तरह अवैध खनन चल रहा है। यहां जिस तरह से असुरक्षित तरीके से कोयला को निकालने का काम चोर कर रहे हैं। जिस तरह से गैलरी लंबी और चौड़ी होती जा रही है। इस कारण कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। हादसे में लोगों की जान भी जा सकती है।

नवजात को झाड़ी में फेंके जाने की सूचना से सनसनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। सगमा प्रखंड के मकरी गांव के बंदी के झाड़ी में एक नवजात शिशु के मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार सगमा प्रखंड मुख्यालय के मकरी गांव निवासी चंदन बैठा घर के नजदीक यूकेलिप्टश के जंगल में सुबह आठ बजे शौच के लिए जा रहे थे। इसी बीच झाड़ी से बच्चा के रोने का आवाज आई तो वे झाड़ी के पास गए, देखा की एक नवजात बच्चा रो रहा है।

उन्होंने इसकी जानकारी गांव वालों सहित मुखिया इंद्रजीत कुशवाहा को दी। मौके पर पहुंच गांव वालों ने नवजात शिशु की झाड़ी में देख झाड़ी से नवजात शिशु को लेकर मुखिया इंद्रजीत कुशवाह के घर लाया गया।

इस दौरान इंद्रजीत कुशवाहा के दरवाजे पर बच्चा देखने वालों की भारी-भीड़ इकट्ठा हो गई। भीड़ को देखते हुए मुखिया ने इसकी सूचना धुरकी थाने को दी।

इस सूचना के बाद धुरकी थाने के एएसआई सुनील कुमार, मुखिया के घर पहुंचकर वस्तु स्थिति की जानकारी लेते हुए उक्त नवजात को मुखिया इंद्रजीत कुशवाहा को लिखित रूप से बच्चे की देखभाल के लिए जिम्मेनामा पर सौंप दिया।

नवजात पर मुखिया के पास स्वास्थ्य रूप से रखा गया है। इधर बच्चे को गोद लेने के लिए लंबा लाइन लगा हुआ है। बताते चले की नवजात बालक है उसका वजन अभी दो किलो सौ ग्राम है तथा वह बिल्कुल स्वस्थ है।

सात वर्षों से लड्डू गोपाल का ट्रीटमेंट कर रहीं अर्चना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। आपको जानकर अचरज होगा कि झारखंड के धनबाद में भगवान का भी ट्रीटमेंट हो रहा है। जी हां, धनबाद के हाउसिंग कालोनी में एक ऐसा भी बुटिक है जिसमें कान्हा जी का ट्रीटमेंट होता है। अभी जन्माष्टमी पर तो काफी संख्या में लड्डू गोपाल ट्रीटमेंट कराने के लिए पहुंचे हैं। सांवरिया बुटिक के माध्यम से बडस गार्डन स्कूल राजगंज स्कूल की शिक्षिका अर्चना सिंह अपनी अनूठी सेवा भावना से श्रीकृष्ण की सेवा से लोगों के दिल जीत रही हैं।

बुटिक संचालिका अर्चना सिंह बीते सात वर्षों से लड्डू गोपाल यानी कान्हा जी का ट्रीटमेंट कर रही हैं। यह सेवा वह न सिर्फ शौक से, बल्कि बेहद मामूली सेवा शुल्क 251 रुपये लेकर करती हैं। अर्चना बताती हैं कि उनके पास लोग ऐसे लड्डू गोपाल लाते हैं जिनका रंग उड़ गया हो, मूर्ति में कहीं दरार या किसी अंग में टूट-फूट आ गई हो।उनके पास आने पर कान्हा जी को नया रूप, नया रंग और निखार मिल जाता है। उनका कहना है कि ट्रीटमेंट शुरू करने से पहले वह कान्हा जी को बिहारी जी के चरणों में समर्पित करती हैं और फिर पूरे मन से उन्हें संवारती हैं। ट्रीटमेंट के दौरान वे सभी लड्डू गोपाल को भोग भी लगाती हैं।

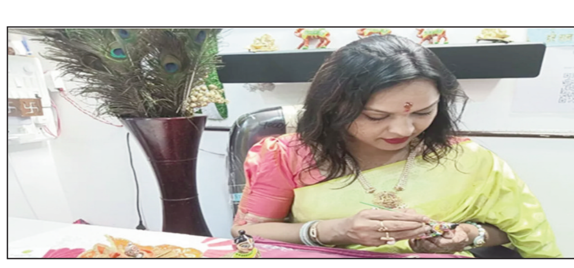

अर्चना ने बताया कि उनके काम में उनकी दोस्त सिंपल भी सहयोग करती हैं। दोनों मिलकर मूर्ति को साफ करती हैं, टूटी जगह को ठीक करती हैं, नए सांचे (मोल्ड) से अंग-भंग सुधारती हैं और रंग-रोगन कर मूर्ति को पहले से भी सुंदर रूप में बदल देती हैं। लड्डू गोपाल की आंखों से लेकर हाथ पैर व दूसरे टूटे फूटे अंग सुधारकर उनमें जान डाल देती हैं। अर्चना बताती हैं कि वह लड्डू गोपाल को सजाने-संवारने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले रंग, मोल्ड इट केमिकल और मटेरियल का इस्तेमाल करती हैं, ताकि उनकी चमक लंबे समय तक बनी रहे। एक मूर्ति को सुधारने में तीन घंटे तक का समय पूरे मनोयोग से वे देती हैं। ट्रीटमेंट के बाद वे लोगों से दोबारा प्राण प्रतिष्ठा का भी आग्रह करती हैं।

अर्चना कहती हैं कि भक्त अपने कान्हा जी को अब साल में एक बार ट्रीटमेंट के लिए भेजने लगे हैं। इस बार मात्र एक महीने में ही अर्चना करीब डेढ़ सौ लड्डू गोपाल का ट्रीटमेंट कर चुकी हैं। अपने लड्डू गोपाल का ट्रीटमेंट कराने पहुंची भक्त अनु, किरण व बिनीता सिंह ने बताया कि अर्चना के हाथों के हुनर व सेवा भाव से बदरंग, टूटे फूटे या घिस चुके लड्डू गोपाल जी नई व अनोखी मुस्कान बिखेरने लगते हैं।

खडेश्वरी मंदिर के प्रधान पुजारी राकेश कुमार पांडेय कहते हैं- टूटे फूटे या घिसे लड्डू गोपाल की मूर्तियों को मंदिर में छोड़ आने या इधर उधर रख आने से उनका ट्रीटमेंट कराना बहुत बढ़िया है। जब हम अपने बच्चों को बीमार होने पर इलाज करा सकते हैं तो अपने आराध्य लड्डू गोपाल या श्रीकृष्ण के बाल रूप को नए रूप में दुरुस्त कराना सच्ची श्रद्धा है। ट्रीटमेंट के बाद घर में दोबारा स्थापित कराने से पहले लोगों को चाहिए कि प्राण प्रतिष्ठा कर लें।

थम नहीं रही सूर्या के एनकाउंटर की राजनीति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। सूर्या हांसदा इंकाउंटर मामले में राजनीतिक दलो के नेताओं ने चुप्पी तोडना शुरू कर दिया है । हालांकि पहले दिन भाजपा नेताओं ने सूर्या हांसदा को भाजपा से जोड़े जाने के मामले में एतराज जताया था, लेकिन अब सूर्या के एनकाउंटर के खिलाफ नजर आ रहे हैं।

सबसे पहले इस मामले में गोड्डा के पूर्व विधायक अमित मंडल की बयानबाजी के बाद भाजपा प्रदेश के शीर्ष नेताओं ने चुप्पी तोड दी है। लगातार इस मामले में केंद्रीय व प्रदेश के शीर्ष नेताओं का बयान आ रहे हैं ।राज्य के तीनो पूर्व मुख्यमंत्री बाबुलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा व चंपई सोरेन ने इस पूरे मामले को फर्जी बताया है। साथ ही पुलिस प्रशासन व माफिया तत्वों के सरगना से संबंध को जोडते हुये फर्जी इंकाउंटर बताया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने तो 17 अगस्त को गो्डडा आने की जानकारी भी अपने एक्स हैंडल पर साझा कर दी है। इसके बाद अब भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने भी पूरे मामले पर चिंता जाहिर करते हुये सीबीआई जांच की मांग की है।

जिसके बाद पूरा पुलिस प्रशासन सोशल मीडिया पर तो सक्रिय है साथ ही राजनीतिक बयानबाजी के बाद सकते में आ गया है। इंकाउंटर में लगे पुलिस पदाधिकारी व कर्मी भी पूरे मामले में सहमे से दिख रहे हैं। पुरा पुलिसिया तंत्र इस कारवाई को लेकर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने में लगा है, ताकि इस मामले में अपनी सफाई प्रस्तुत की जा सके।

मालूम हो कि सूर्या हांसदा की पत्नी सुशीला मुर्मू व मां नीलमणि मुर्मू इंकाउंटर को लेकर पहले से ही सवाल खडे रही थीं तथा न्याय की गुहार लगा रही थीं। सूर्या का पूरा परिवार, गांव व समाज पुलिसिया कारवाई से न केवल शोक में हैं, बल्कि भीतर ही भीतर सुलग रहा हैं।

संपादकीय

सबसे तेज इकॉनमी

भारत ने ट्रंप के आरोपों का कड़ा जवाब देते हुए स्पष्ट किया है कि वह अपने हितों से समझौता नहीं करेगा और बराबरी के स्तर पर ही बातचीत करेगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि कुछ 'बॉस' भारत की तरक्की से जलते हैं। भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही है, जबकि अमेरिका की अर्थव्यवस्था संकट में है। सीजफायर और टैरिफ को लेकर डॉनल्ड ट्रंप के दावों-आरोपों का भारत ने अभी तक जो भी जवाब दिया, उसमें भाषा नम्र और सांकेतिक रखी गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बयान इस मायने में अलग और अहम है कि ट्रंप का नाम उन्होंने भी नहीं लिया, लेकिन इस बार जवाब ज्यादा सख्त था। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत अपने हितों से समझौता नहीं करेगा। कोई भी बातचीत बराबरी के स्तर पर होनी चाहिए। कुछ बॉस भारत से जलते हैं । अपने मन मुताबिक डील करने में नाकाम रहे ट्रंप ने भारत की इकॉनमी को 'डेड' बताया था। राजनाथ सिंह ने इसी का जवाब देते हुए कहा- कुछ 'बॉस' भारत से जलते हैं। जिस रफ्तार से देश तरक्की कर रहा है, उससे वे खुश नहीं हैं। यह संयोग नहीं कि रविवार को ही प्रधानमं ने भी देश की अर्थव्यवस्था पर बात की। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है।

रिजर्व बैंक ने पिछले हफ्ते ही भारत की जीडीपी ग्रोथ का 2025-26 के लिए अनुमान 6.5 प्रतिशत पर बनाए रखा, जबकि दुनिया की बाकी इकॉनमी की ग्रोथ के लिए यह अनुमान करीब 3प्रतिशत है। आईएमएफ के डेटा बताते हैं कि 2024 में भारत ने ग्लोबल जीडीपी ग्रोथ में लगभग 17त्न का योगदान दिया और अगले 5 साल में यह आंकड़ा 20प्रतिशत तक पहुंच सकता है। महामारी के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था ने सबसे शानदार रिकवरी की और युद्धों व वैश्विक उथल-पुथल के बीच भी वह बढ़त बनाए हुए है। हकीकत यह है कि खुद अमेरिका की अर्थव्यवस्था इस समय संकट के दौर में है। ट्रंप की नीतियों के चलते अमेरिकी अर्थशास्त्रियों को वहां महंगाई दर बढ़ने का डर है, जिससे आर्थिक विकास दर पर बुरा असर होगा। ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी के कारण अगर अमेरिका में मंदी के हालात बनते हैं, तो असर दूसरे मुल्कों पर भी होगा। ट्रेड और टैरिफ पर ट्रंप का सख्त रुख किसी के लिए भी सही नहीं है। आखिरकार इस बढ़े टैक्स की कीमत अमेरिकियों को ही चुकानी पड़ेगी।

ऐसे में बेहतर है कि समाधान बातचीत से निकाला जाए। लेकिन, वह बातचीत एकतरफा और अपनी मर्जी थोपने वाली नहीं हो सकती। अपनी ग्रोथ को बनाए रखने के लिए भारत की एनर्जी संबंधी जरूरतें अमेरिका से बिल्कुल अलग हैं। इसी तरह, विशाल किसान आबादी को लेकर भी भारत की कुछ चिंताएं हैं। किसी भी समझौते में इन पहलुओं को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

इन स्थितियों के चलते अस्पताल में भर्ती होने के बाद कई परिवार जीवन भर के लिये कर्ज में डूब जाते हैं। तो कई परिवार हमेशा के लिये गरीबी की दलदल में धंस जाते हैं। आज देश की बड़ी आबादी गैर संक्रामक रोगों, मसलन हृदय रोग, मधुमेह व उच्च रक्तचाप आदि से जूझ रही है। इनकी जांच, चिकित्सकीय परामर्श और उपचार के लिये मरीजों को एक बड़ी रकम चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। जो कि बीमा योजनाओं के द्वारा बमुश्किल ही पूरी की जाती है। इन विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक स्थितियों के बीच मोहन भागवत का यह संदेश न केवल आर्थिक सुधार का आह्वान है, बल्कि सामाजिक पुनर्जागरण का भी। शिक्षा और चिकित्सा को व्यापार से मुक्त करना सिर्फ भावनात्मक या नैतिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्र की स्थिरता और समानता का प्रश्न है।

शिक्षा-चिकित्सा को मुनाफाखोरी से बचाने का भागवत-आह्वान

(ललित गर्ग)

भारत में स्वास्थ्य-शिक्षा को प्रारंभ से ही सामाजिक दायित्व मानने की परंपरा रही है। लेकिन दुर्भाग्य से आज स्कूल-कॉलेज और अस्पताल लाभ संचालित उपक्रमों में तब्दील हो गए हैं और सेवा की बजाय धन कमाने के अड्डे बन गये हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने इंदौर के एक किफायती कैंसर अस्पताल के उद्घाटन अवसर पर जो बात कही, वह आज की सबसे बड़ी सामाजिक-आर्थिक और नैतिक आवश्यकता को उजागर करती है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शिक्षा और चिकित्सा जैसे बुनियादी क्षेत्रों को मुनाफाखोरी से मुक्त होना चाहिए, क्योंकि ये सेवा के क्षेत्र हैं, व्यापार के नहीं। हाल के वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा का जिस तेजी से बाजारीकरण एवं व्यावसायीकरण हुआ है, सरकार के साथ-साथ निजी क्षेत्र ने इसे धन कमाने का जरिया बनाया है, वह न केवल नये समाज निर्माण की चिन्ताओं बल्कि एक दूषित सोच को दर्शाता है। क्योंकि उसने आम आदमी को बदहाली के कगार पर पहुंचाया है। महंगी शिक्षा ने जहां अभिभावकों का बजट हिला दिया है, वहीं चिकित्सा के नाम पर मुनाफाखोरी ने लाखों परिवारों को गरीबी के दलदल में धकेलते हुए जरूरी चिकित्सा से वंचित किया है। इस मर्ज की रग पर हाथ रखते हुए भागवत द्वारा दी गई चेतावनी सत्ताधीशों की आंख खोलने वाली है।

भारत में स्वास्थ्य-शिक्षा को प्रारंभ से ही सामाजिक दायित्व मानने की परंपरा रही है। लेकिन दुर्भाग्य से आज स्कूल-कॉलेज और अस्पताल लाभ संचालित उपक्रमों में तब्दील हो गए हैं और सेवा की बजाय धन कमाने के अड्डे बन गये हैं। आज निजी क्षेत्र के साथ-साथ सरकारों की मानसिकता भी धन-केन्द्रित होती जा रही है, जिससे आमजन को सस्ते एवं किफायती शिक्षा एवं चिकित्सा के साधन-सुविधाएं सुलभ नहीं हो रही है। मुनाफाखोरी की अंतहीन लिप्सा ने कथित गुणवत्ता वाले स्कूलों व अस्पतालों को आम आदमी की पहुंच से दूर किया है। इन जटिल होती स्थितियों के बीच भागवत का यह बयान केवल एक सामान्य टिप्पणी नहीं, बल्कि एक चेतावनी है-सरकार, नीति-निर्माताओं और समाज के लिए। शिक्षा और स्वास्थ्य, दोनों ही मानव जीवन के मूलभूत स्तंभ हैं। लेकिन आज इन दोनों क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती व्यावसायिक प्रवृत्तियां इन्हें सेवा के बजाय मुनाफे की मशीन बना रही हैं। निजी स्कूलों की भारी फीस, कोचिंग संस्थानों की प्रतिस्पर्धा और महंगे मेडिकल कॉलेजों की ट्यूशन-इन सबने शिक्षा को गरीब और मध्यम वर्ग की पहुंच से दूर कर दिया है। इसी तरह, अस्पतालों और दवा कंपनियों का अत्यधिक मुनाफा-उन्मुख मॉडल स्वास्थ्य को एक महंगे उत्पाद में बदल रहा है।

निस्संदेह, मोहन भागवत की यह चिंता हमारे समय की विसंगतियों एवं विकृत आर्थिक सोच पर तीखा प्रहार करती है। आज आम भारतीय परिवारों पर स्वास्थ्य सेवाओं का भारी वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। विडंबना यह है कि इस खर्च का छोटा हिस्सा ही सरकारी खजाने से वहन किया जाता है, जो कि स्वास्थ्य खर्च का महज 17 फीसदी है। वहीं करीब 82 फीसदी स्वास्थ्य खर्च लोगों को मुश्किल हालात में वहन करना पड़ता है। इन स्थितियों के चलते अस्पताल में भर्ती होने के बाद कई परिवार जीवन भर के लिये कर्ज में डूब जाते हैं। तो कई परिवार हमेशा के लिये गरीबी की दलदल में धंस जाते हैं। आज देश की बड़ी आबादी गैर संक्रामक रोगों, मसलन हृदय रोग, मधुमेह व उच्च रक्तचाप आदि से जूझ रही है। इनकी जांच,

चिकित्सकीय परामर्श और उपचार के लिये मरीजों को एक बड़ी रकम चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। जो कि बीमा योजनाओं के द्वारा बमुश्किल ही पूरी की जाती है। इन विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक स्थितियों के बीच मोहन भागवत का यह संदेश न केवल आर्थिक सुधार का आह्वान है, बल्कि सामाजिक पुनर्जागरण का भी। शिक्षा और चिकित्सा को व्यापार से मुक्त करना सिर्फ भावनात्मक या नैतिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्र की स्थिरता और समानता का प्रश्न है। जब गरीब को इलाज न मिले, और होनहार छात्र को शिक्षा से वंचित रहना पड़े, तब असमानता, असंतोष और सामाजिक अशांति बढ़ती है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया भारत, विकसित भारत, विश्वासभरा भारत का नारा कोरा दिखावा ही प्रतीत होता है।

नये भारत में जब आम जनता से करो के रूप में भारी भरकम रकम वसूली जा रही है, जो उस रकम को जनकल्याण एवं जनसेवा में खर्च किया जाना चाहिए। आजादी के बाद से सरकार पर शिक्षा एवं चिकित्सा की ही जिम्मेदारी डाली गयी थी, जिसको सरकारों ने बड़ी चतुराई से धीरे-धीरे निःशुल्क की बजाय सशुल्क करने की कारगरी दिखाई है, जो जनता के विश्वास को आहत करने वाली है। इसलिये भागवत का यह बयान सरकार के लिए आंख खोलने वाला होना चाहिए। नीति-स्तर पर ऐसे कदम जरूरी हैं जिनसे-सरकारी शिक्षा और स्वास्थ्य संस्थानों को उच्च गुणवत्ता के साथ सशक्त एवं जनसुलभ किया जाए। निजी क्षेत्र में फीस और इलाज की दरों पर प्रभावी नियंत्रण हो। सेवा-भाव को बढ़ाने के लिए कर-छूट और प्रोत्साहन मिलें, जबकि मुनाफाखोरी पर कठोर दंड लागू हो। स्वास्थ्य और शिक्षा में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ लागू किया जाए, इन दोनों क्षेत्रों से धन कमाने की प्रवृत्तियों को अपराध माना चाहिए। यह भी तय किया जाये कि इन दोनों क्षेत्रों में सेवा एवं मिशन भावना से आने वालों को ही मान्य किया जाये, धन कमाने वालों के लिये इन दोनों क्षेत्रों के दरवाजे बन्द हो।

शिक्षा और स्वास्थ्य में मुनाफाखोरी को रोकना केवल कानून से संभव नहीं, इसके लिए समाज में मूल्य-आधारित सोच का विकास भी आवश्यक है। सेवा-भाव, मानवीय संवेदनशीलता और न्यायपूर्ण मूल्याधारित आर्थिक ढांचा-यही स्थायी समाधान हैं। मोहन भागवत की यह पहल यदि नीतिगत बदलावों में परिणत होती है, तो यह भारत को न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी मजबूत बनाएगी। भागवत ने कॉर्पोरेट शैली के कथित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व यानी सीएसआर के जुमले के बजाय लोककल्याण के धार्मिक सिद्धांतों के अनुसरण की भी अपील की। वर्तमान में कॉर्पोरेट जगत ने सीएसआर फण्ड को स्वयं के बनाये ट्रस्टों में दिखाकर सरकार के सीएसआर प्रावधानों की धज्जियां उडा रखी है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोच और दर्शन में शिक्षा और चिकित्सा हमेशा सेवा और संस्कार के मूल्यों से जुड़ी रही है। संघ मानता है कि राष्ट्र निर्माण का असली आधार स्वस्थ और शिक्षित नागरिक हैं, और इन दोनों आवश्यकताओं को समाज के हर वर्ग तक सस्ती, सुलभ और समान रूप से पहुंचाना ही सच्ची देशभक्ति है। डॉक्टर को केवल इलाज का शुल्क लेने वाला पेशेवर नहीं, बल्कि रोगी की पीड़ा का साझेदार मानना और शिक्षक को केवल पाठ पढ़ाने वाला कर्मी नहीं, बल्कि जीवन-निर्माता के रूप में देखना-यही संघ का दृष्टिकोण है।

इसी सोच के तहत भागवत का यह आह्वान है कि शिक्षा और स्वास्थ्य को मुनाफाखोरी के पंजे से मुक्त कर, इन्हें सेवा के आदर्श पर स्थापित किया जाए, ताकि कोई भी बच्चा गरीबी के कारण शिक्षा से वंचित न हो और कोई भी रोगी आर्थिक बोझ के कारण इलाज से दूर न रहे। सरस्वती के मंदिर एवं सेवा के आश्रय-स्थल आज व्यापार के केंद्र बन गये हैं, ये मिशन नहीं, व्यवसाय बन गये हैं। पिछले दिनों इससे जुड़ा जनाक्रोश तब चरम पर नजर आया जब हैदराबाद के एक स्कूल में नर्सरी में दाखिले की सालाना फीस ढाई लाख रुपये बतायी गई। जिससे अभिभावकों में भारी रोष व्याप्त हो गया। जिसके बाद महंगी होती शिक्षा को लेकर नई बहस छिड़ गई। निस्संदेह, बढ़ती फीस के ये आंकड़े शिक्षा के बढ़ते व्यवसायीकरण एवं बाजारीकरण को भी रेखांकित करते हैं। ऐसे में भागवत की हालिया अपील सत्ताधीशों को नीतिगत बदलावों के बारे में सोचने को विवश कर सकती है, अब समय आ गया है कि सरकार शिक्षा एवं चिकित्सा को लेकर नीतिगत कठोर मानवतापूर्ण बदलाव करें एवं इन्हें मुनाफा कमाने की मशीन न बनने दे। निस्संदेह, भागवत के संदेश पर मोदी सरकार को गंभीरता से विचार-विमर्श करना चाहिए। दरअसल, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा को बाजार की वस्तु के बजाय नागरिक अधिकारों के दायरे में लाने की जरूरत है। इन क्षेत्रों को राजस्व स्रोत के बजाय नागरिक दायित्वों के रूप में मानकर सरकार समता, संतुलन एवं सेवा का समाज स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ सकती है।

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मुनीर को भड़का कर दुनिया की शांति को खतरे में डाल रहे हैं ट्रंप

(संतोष कुमार पाठक)

भारत को हर हाल में झुकाने की ऐसी जिद अमेरिकी राष्ट्रपति के सर पर सवार हो गई है कि वो तमाम राजनयिक शिष्टाचार और प्रोटोकॉल को दरकिनार करते हुए सीधे पाकिस्तान आर्मी चीफ से बात कर रहे हैं और इसके लिए उन्हें बार-बार अमेरिका भी बुला रहे हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनियाभर के देशों के लिए एक अजीब सी पहेली बनते जा रहे हैं। चीन और रूस जैसे अमेरिका के धुर विरोधियों की बात तो छोड़िए यूरोप और अफ्रीका महाद्वीप के मित्र देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी उन्हें समझ नहीं पा रहे हैं।

एक तरफ डोनाल्ड ट्रंप शांति के लिए नोबेल पुरस्कार हासिल करने के लिए इस कदर बेचैन है कि आतंकवाद की फैक्ट्री के रूप में मशहूर पाकिस्तान जैसे देशों से अपनी पैरवी करवा रहे हैं। तो वहीं दूसरी तरफ नापाक पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर को भड़का कर दुनिया की शांति को खतरे में भी डाल रहे हैं।भारत को हर हाल में झुकाने की ऐसी जिद अमेरिकी राष्ट्रपति के सर पर सवार हो गई है कि वो तमाम राजनयिक शिष्टाचार और प्रोटोकॉल को दरकिनार करते हुए सीधे पाकिस्तान आर्मी चीफ से बात कर रहे हैं और इसके लिए उन्हें बार-बार अमेरिका भी बुला रहे हैं। दो महीने के दौरान, पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीर ने दो बार अमेरिका जाकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की है। जाहिर है कि दोनों के बीच चल रही बातचीत इतनी गंभीर और खुफिया है कि टेलीफोन पर करने की बजाय ट्रंप आमने-सामने की बात करने के लिए उन्हें सीधे अपने देश ही बुला लेते हैं।

जबकि पाकिस्तान में एक निर्वाचित सरकार है, जिसके प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ हैं। ट्रंप अमेरिका को पाकिस्तान को प्राथमिकता देने वाले पुराने दौर में वापस ले जा रहे हैं जिसका अंजाम अमेरिका को 9/11 के भयानक आतंकवादी हमले के रूप में झेलना पड़ा था। वो इस बात को समझ नहीं पा रहे हैं कि पाकिस्तान का साथ देने का मतलब आतंकवादी संगठनों और आतंकवादियों को ही ताकत देना है। मुनीर ने हाल ही में बीजिंग जाकर चीनी नेताओं से भी मुलाकात की थी। भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान भी चीन ने पाकिस्तान को भरोसेमंद साझेदार बताते हुए हर तरह से सहयोग देने की बात कही थी। आपको बता दें कि, पाकिस्तान को मिलने वाले 80 प्रतिशत से ज्यादा हथियार चीन से ही आते हैं। मिसाइल से लेकर परमाणु क्षमता तक, पाकिस्तान की हर कामयाबी के पीछे चीन का ही हाथ माना जाता है।जाहिर सी बात है कि ऐसे में ट्रंप पाकिस्तान के आर्मी चीफ को बढ़ावा देकर या यूं भी कह सकते हैं कि भड़का कर पाकिस्तानी सेना, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई, आतंकवादी संगठनों और चीन के एक ऐसे गठजोड़ को मजबूती दे रहे हैं जो न केवल भारतीय उपमहाद्वीप बल्कि एशिया सहित पूरी दुनिया की शांति को भंग कर देगा।भारत ने परमाणु हथियारों के लिए नो फर्स्ट यूज़ की नीति घोषित कर रखी है वहीं अमेरिका की धरती पर जाकर पाकिस्तान के सेना प्रमुख खुलेआम भारत को परमाणु युद्ध की धमकी दे रहे हैं। भारत के खिलाफ बयान देते-देते मुनीर अब भारत के उद्योगपतियों को भी धमकाने लगे हैं। इस बात में किसी को कोई शक नहीं होना चाहिए कि व्यापार को अपनी विदेश नीति का अभिन्न अंग बना चुके ट्रंप के इशारे पर ही मुनीर ने मुकेश अंबानी को लेकर भड़काऊ बयान दिया है। सारी हदों को पार करते हुए पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने भारत के सबसे बड़े उद्योगपति एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज के सीएमडी मुकेश अंबानी का जिक्र करते कहा कि उन्होंने पहले भी 'सूरह फ़ील' के साथ अंबानी की तस्वीर ट्वीट करवाई थी, ताकि यह दिखाया जा सके कि पाकिस्तान अगली बार क्या करेगा। आपको बता दें कि सूरह फील इस्लामी इतिहास में उस घटना को दर्शाता है, जिसमें अल्लाह ने दुश्मन के हाथियों की फौज पर पक्षियों से पत्थर बरसवाए थे। मुकेश अंबानी भारत के सबसे बड़े उद्योगपति और एशिया के सबसे अमीर कारोबारियों में से एक हैं। अमेरिका में पाकिस्तानी प्रवासी समुदाय को संबोधित करने के दौरान मुकेश अंबानी का नाम और उनकी तस्वीर दिखाकर असीम मुनीर ने ट्रंप के इशारे पर यह बताने की कोशिश की है, कि पाकिस्तान का निशाना सिर्फ सैन्य ठिकाने या इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक प्रतीक और भारत के दिग्गज कारोबारी भी हो सकते हैं।अमेरिका की धरती से ऐसे भड़काऊ बयान देकर असीम मुनीर ये संदेश भी देना चाहते हैं कि उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पूरा समर्थन हासिल है।

यह अपने आप में किसी विडंबना से कम नहीं है कि एक तरफ डोनाल्ड ट्रंप शांति के लिए नोबेल पुरस्कार पर दावेदारी जताते हुए दुनिया भर में पांच युद्धों को रोकने एवं सुलझाने का दावा कर रहे हैं, रूस-यूक्रेन लड़ाई को रोकने के लिए 15 अगस्त को पुतिन के साथ बैठक करने जा रहे हैं और दूसरी तरफ पाकिस्तान को भड़का कर दुनिया को विश्व युद्ध की तरफ ढकेल रहे हैं।लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

क्या हैं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पंच परिवर्तन

रोजगार मांगने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला बनाना ही नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का भी लक्ष्य है, पंच परिवर्तन का भी। स्थानीय कुटीर उद्योगों का तंत्र जब अपने होने में सफल होता है ...तो न सिर्फ पलायन रुकता है ...बल्कि स्थानीय बोलियाँ भी मरने से बच जाती हैं ...और बच जाते हैं वे बच्चे भी जो किताबी पढ़ाई में असफलता के कारण सैकड़ों की संख्या में हर वर्ष आत्महत्या कर लेते हैं ! जिसे '[ालिटी ऑफ़ लाइफ' कहा जाता है, उसी को जन के जीवन में उतारना यहाँ लक्ष्य है। एक प्रसंग याद आता है। ब्रिटेन में रहने वाली मेरी एक सहेली ने एक बार मुझे कुछ चित्र भेजे।

(डॉ. इंदिरा दाँगी)

अपनी स्कूली किताबों में हम स्वाधीनता और इंडिपेंडेंस का अंतर पढ़ते थे। इंडिपेंडेंट वो जिस पर किसी का नियंत्रण न हो, स्वाधीन वो जो स्वयं के अधीन हो। यही 'स्वयं के अधीन' स्व धारित जीवन शैली का मूल है। वास्तव में भारतीय जीवन शैली स्वयं के अधीन जीवन शैली है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक शताब्दी पुराना एक ऐसा संगठन है जिसे देश सेवा, आपात स्थितियों में नागरिक-सहायता और सांस्कृतिक उत्थान के अगुआ के रूप में भारत क्या, विश्व के नागरिक जानते हैं। राष्ट्रीय का अर्थ हुआ जिसकी सीमा संपूर्ण राष्ट्र हो; लेकिन वास्तव में ये संगठन विश्व पटल पर अपने सेवा कार्य के कारण जाना जाता है। स्वयं सेवक का अर्थ हुआ जो बिना किसी अपेक्षा या लाभ के सेवा करता है जैसे कि संगठन में कुछ लोग अपना पूरा जीवन समर्पित करने आते हैं तो कुछ अपनी व्यस्त जीवन शैली में से कुछ समय सेवा कार्य में देते हैं जिसे पे वेक टू सोसायटी कह सकते हैं। संघ शब्द का अर्थ हुआ सभा। इस प्रकार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का अर्थ हुआ हमारे राष्ट्र की जातीय अस्मिता की पहचान या उत्थान और सनातन धर्म की अंतरराष्ट्रीय पहचान/महत्व के लिए काम करने वाला संगठन। अपनी स्थापना की पिछली एक शती में आरएसएस ने कहीं दुर्गम पहाड़ों में रहकर धर्मांतरण से भोले मूल निवासियों को बचाया...तो कहीं दंगों में जनता की रक्षा की, ...बालिकाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए, ...कहीं तूफान में फंसे लोगों तक चिकित्सा और भोजन पहुंचाया। इसी तारतम्य में शताब्दी वर्ष में संगठन ने पंच परिवर्तन से 'हर गाँव, हर बस्ती, हर घर' तक जन के गुणवत्तापूर्ण जीवन पर काम करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। ये पंच परिवर्तन हैं ।

1. स्व धारित जीवन शैली
2. पर्यावरण संरक्षण
3. सामाजिक समरसता
4. कुटुंब प्रबोधन
5. नागरिक कर्तव्य

1. स्व धारित जीवन शैली-

अपनी स्कूली किताबों में हम स्वाधीनता और इंडिपेंडेंस का अंतर पढ़ते थे। इंडिपेंडेंट वो जिस पर किसी का नियंत्रण न हो, स्वाधीन वो जो स्वयं के अधीन हो। यही 'स्वयं के अधीन' स्व धारित जीवन शैली का मूल है।

वास्तव में भारतीय जीवन शैली स्वयं के अधीन जीवन शैली है। एक गाँव की कल्पना कीजिए जहाँ मिट्टी के बर्तन बनाने वाला कुम्हार है, जूते बनाने वाला मोची है, बाँस के सूप और टोकरियाँ बनाने वाला बाँसोर है, विभिन्न अन्न बेचने वाला किसान और उन्हें पीसने को चक्की वाला है। एक आत्म निर्भर संरचना जो बाहर से खरीदने को कम-कम निर्भर है। जहाँ बच्चों को अकादमिक शिक्षा के अलावा हुनर सीखने के भी अवसर हैं।... आप स्वयं ही सोचिए, नाईन आफ फाइव जॉब के योग्य बनने के लिए ही तो अंकों की इतनी प्रतिस्पर्धा है बच्चों में। रोजगार मांगने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला बनाना ही नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का भी लक्ष्य है, पंच परिवर्तन का भी। स्थानीय कुटीर उद्योगों का तंत्र जब अपने होने में सफल होता है ...तो न सिर्फ पलायन रुकता है ...बल्कि स्थानीय बोलियाँ भी मरने से बच जाती हैं ...और बच जाते हैं वे बच्चे भी जो किताबी पढ़ाई में असफलता के कारण सैकड़ों की संख्या में हर वर्ष आत्महत्या कर लेते हैं ! जिसे 'क्वालिटी ऑफ़ लाइफ' कहा जाता है, उसी को जन के जीवन में उतारना यहाँ लक्ष्य है। एक प्रसंग याद आता है। ब्रिटेन में रहने वाली मेरी एक सहेली ने एक बार मुझे कुछ चित्र भेजे। उसके पति को वहाँ की नागरिकता मिल गई थी; और दंपति बेहद प्रसन्न थे। चित्र में दिख रहा था कि वे महाशय घुटनों पर झुककर ब्रिटेन की महारानी के फोटो के सामने शपथ ले चुके थे कि वे उनके प्रति वफादार रहेंगे। इसके बाद घुटनों पर झुके उस भारतीय को एक ब्रिटिश अधिकारी ने नागरिकता का कागज़ दिया। ...चित्र देख, मैं दुख से सोचती हूँ, उस प्रतिभाशाली नौजवान के लिए अपने देश में, स्वदेश में क्या कम अवसर रहे होंगे रोजगार के ? व्यापार के ? मुझे गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही' की कविता याद आती है,

जिसकी मिट्टी में उगे बढ़े,
पाया जिसमें दाना-पानी।
है माता-पिता बंधु जिसमें,
हम हैं जिसके राजा-रानी॥
वह हृदय नहीं है पत्थर है,
जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं॥

2. पर्यावरण संरक्षण

माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः

(भूमि मेरी माता है और मैं उसका पुत्र हूँ।) मानने वाला यह देश सदा ही अपनी नदियों, वनों और पहाड़ों को पूजता रहा है। आज पर्यावरण के जिस वैश्विक संकट से संसार पीड़ित है, उसका हल भी यही जीवन शैली पुनः अपनाना है जिसमें हम विश्व प्रकृति से अपनी आवश्यकतानुसार न्यूनतम लेते हैं और बदले में अपनी कृतज्ञता भी ज्ञापित करते हैं, पेड़ लगाकर, उनका संरक्षण कर, नदियों को स्वच्छ रखकर और पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली अपनाकर। मैं अपने विद्यार्थियों से कभी कक्षा में पूछती हूँ, आप प्रकृति से सब कुछ लेते हैं; कभी सोचा है पलटकर देते क्या है ? क्या आप पढ़े लिखे मोनस्टर हैं जो जीवन भर नेचर मदर को लूटने के लिए जन्मे हैं ? ...बात कुल इतनी-सी है कि अपने आप को धरती की, प्रकृति की संतान मानते ही जीवन दृष्टि ही बदल जाती है। तब पेड़, जंगल, नदी, पहाड़ और पशु-पक्षी हमारे सहोदर और सहोदरायें बन जाते हैं। एक विराट कुटुंब के सदस्य होकर हम अपना भी, और दूसरों का भी जीवन श्रेष्ठ बनाते हैं। प्रसन्न, स्वस्थ और दीर्घायु होने का रहस्य भी यही है।

3. सामाजिक समरसता

भिन्नता ही योग्यता है। और इस भिन्नता का सम्मान सदैव हमारी संस्कृति में रहा है। वास्तव में दूसरे की भिन्नता यानि 'अलग होने' को स्वीकार करने से ही समाज में सौहार्द, शांति और समन्वय संभव है। यहाँ समानता और समरसता की अवधारणाओं के अंतर को समझना आवश्यक है। समानता की अवधारणा कहती है कि सभी को समान अवसर और संसाधन हों। समरसता कहती है कि लोग की आवश्यकताओं और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अवसर और संसाधन हों। समरसता हमारे देश की परिस्थितियों में बहुत व्यवहारिक आवश्यकता है।

आईएसएल 2025

आईएसएल विवाद में AIFF ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। आईएसएल क्लबों ने एक पत्र में कहा कि अगर एआईएफएफ उनके अनुरोध पर कार्रवाई नहीं करता है तो उनके पास स्वतंत्र रूप से न्यायिक सहायता लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। राष्ट्रीय महासंघ ने अब जवाब दिया है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बुधवार को खेल की सर्वोच्च संस्था और आईएसएल क्लबों के कानूनी सलाहकारों से शीर्ष स्तरीय लीग के आगामी सत्र को लेकर अनिश्चितता के बीच टीमों की चिंताओं पर 'चर्चा' करने का अनुरोध किया। पिछले सप्ताह 11 इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लबों

ने एआईएफएफ से आग्रह किया था कि वह आईएसएल के भविष्य को लेकर अनिश्चितता से उत्पन्न भारतीय फुटबॉल की 'वर्तमान स्थिति' को तत्काल उच्चतम न्यायालय के ध्यान में लाए जिसके समक्ष राष्ट्रीय महासंघ के संविधान से संबंधित एक मामला लंबित है। आईएसएल क्लबों ने एक पत्र में कहा कि अगर एआईएफएफ उनके अनुरोध पर कार्रवाई नहीं करता है तो उनके पास स्वतंत्र रूप से न्यायिक सहायता लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। राष्ट्रीय महासंघ ने अब जवाब दिया है। एआईएफएफ ने ट्वीट किया, एआईएफएफ को शुक्रवार आठ अगस्त 2025 की शाम को 11 इंडियन सुपर लीग क्लबों से एक पत्र मिला जिसमें सामूहिक रूप से उच्चतम न्यायालय को आईएसएल से जुड़ी मौजूदा अनिश्चितता से अवगत कराने का अनुरोध किया गया था।

बासित अली की पाकिस्तान को चेतावनी, बोले, इतना मारेंगे कि सोचा भी नहीं होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम को वेस्टइंडीज दौरे में मिली शर्मनाक हार के बाद टीम की आलोचना तेज हो गई है. पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर बासित अली ने तो यहां तक कह दिया कि अगर भारत एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने का फैसला करता है, तो टीम को ऐसी हार मिलेगी जिसके बारे में कभी सोचा भी नहीं होगा.पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज की शुरुआत अच्छी की थी और पहला मैच जीतकर 1-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन इसके बाद टीम का प्रदर्शन पूरी तरह से बिखर गया. दूसरे वनडे में हार के बाद तीसरे मैच में तो हालत और भी खराब रही. इस मुकाबले में पाकिस्तान की बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखरी नजर आई. पहले तीन ओवरों में ही साइम अयूब, अब्दुल्ला शफीक और कप्तान मोहम्मद रिजवान बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए. इसके बाद गिरते विकेटों का सिलसिला थम नहीं सका और पूरी टीम 30 ओवर के भीतर सिर्फ 92 रन पर ढेर हो गई. कैरेबियन तेज गेंदबाज जेडन सील्स ने आठ ओवर में 18 रन देकर 6 विकेट लिए. उनकी शानदार गेंदबाजी के चलते पाकिस्तान 202 रन से हार गया और सीरीज 1-2 से वेस्टइंडीज के नाम हो गई. पाकिस्तान के इस प्रदर्शन पर बासित अली ने 'द गेम प्लान' यूट्यूब चैनल पर कहा, मैं चाहता हूं कि भारत एशिया कप में भी पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इंकार कर दे, जैसे वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के फाइनल में किया था.

विश्व कप पर नजरें, ग्लेन मैक्सवेल गेंदबाजी में कर रहे सुधार

केर्न्स, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के करिश्माई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल अगले साल भारतीय उपमहाद्वीप में होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए पावरप्ले के ओवरों में अधिक प्रभाव छोड़ने के लिए अपने स्पिन गेंदबाजी कौशल को निखार रहे हैं। टी20 विश्व कप 2026 में भारत और श्रीलंका में आयोजित किया जाएगा और अगर मैक्सवेल फिट रहते हैं तो उनका ऑस्ट्रेलिया की टीम में जगह बनाना तय है। वह नियमित रूप से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलते रहे हैं और भारतीय उपमहाद्वीप की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। मैक्सवेल ने अपनी गेंदबाजी क्षमता के बावजूद 2022 के टी20 विश्व कप और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही घरेलू श्रृंखला के बीच सबसे छोटे प्रारूप में पावर प्ले में कुल मिलाकर 5 ओवर फेंके हैं। लेकिन इस 36 वर्षीय खिलाड़ी का मानना है कि वह टी20 विश्व कप के दौरान पावरप्ले ओवरों में उपयोगी साबित हो सकते हैं, क्योंकि नई गेंद उपमहाद्वीप के विकेटों पर बेहतर पकड़ बनाती है।

वीनस विलियम्स को यूएस ओपन में मिला वाइल्ड कार्ड

यूएस ओपन

दो साल बाद करेंगी वापसी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ के अनुसार, 1981 में रेनी रिचर्ड्स के 47 साल की उम्र के बाद वीनस इस टूर्नामेंट के एकल मुकाबलों में हिस्सा लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होंगी ।वीनस विलियम्स दो साल के अंतराल के बाद यूएस ओपन के साथ ग्रैंडस्लैम टेनिस में वापसी करेंगी। उन्हें बुधवार को वर्ष के आखिरी ग्रैंडस्लैम में 45 साल की उम्र में एकल मुकाबलों में हिस्सा लेने के लिए वाइल्ड-कार्ड मिला है। अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ के अनुसार, 1981 में रेनी रिचर्ड्स के 47 साल की उम्र के बाद यह अमेरिकी खिलाड़ी इस टूर्नामेंट के एकल मुकाबलों में हिस्सा लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होंगी। विलियम्स को अगले हफ्ते होने वाले मिश्रित युगल मुकाबले के लिए अमेरिकी टेनिस संघ द्वारा पहले ही वाइल्ड कार्ड मिल गया था। एकल मुकाबले 24 अगस्त से न्यूयॉर्क में शुरू होंगे। वीनस सात बड़े एकल खिताब जीतने वाली खिलाड़ी हैं जिसमें 2000 और 2001 में यूएस ओपन जीतना शामिल है।

पीएसजी ने यूईएफए सुपर कप जीता, फाइनल में पेनल्टी शूटआउट में टॉटेनहैम को हराया

पेरिस, एजेंसी। पीएसजी ने इस साल चैंपियंस लीग, लीग 1 और कूप डी फ्रांस का तिहरा खिताब जीता था। उसने जनवरी में ट्रॉफी डेस चैंपियंस भी जीता था। चैंपियंस लीग के चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने अपना स्वप्निल अभियान जारी रखते हुए बुधवार को पेनल्टी शूटआउट में टॉटेनहैम को हराकर यूईएफए सुपर कप जीत लिया। यह फ्रांस के इस फुटबॉल क्लब की इस साल में पांचवी ट्रॉफी है। नूनो मेंडेस ने शूटआउट में निर्णायक स्पॉट किक को गोल में बदलकर पीएसजी की शानदार वापसी को अंजाम तक पहुंचा। पीएसजी की जीत एक समय असंभव लग रही थी क्योंकि चैंपियंस लीग और यूरोपा लीग के विजेताओं के बीच खेले गए इस वार्षिक मैच में टॉटेनहैम निर्धारित समय के 85वें मिनट तक 2-0 से आगे चल रहा था। ली कांग-इन ने निचले कोने में जोरदार शॉट लगाकर पीएसजी के लिए पहला गोल किया जबकि उनके साथी खिलाड़ी गोंकालो रामोस ने इंजरी टाइम के चौथे मिनट में बराबरी का गोल दागकर उडीन के स्टेडियो फ्रीउली में खेले गए इस रोमांचक मैच में स्कोर 2-2 कर दिया।

अश्विन ने सीएसके पर किया बड़ा दावा..

बेबी डिविलियर्स को आईपीएल में अंडर द टेबल पैसा दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इंडियन प्रीमियर लीग के अंडर द टेबल सौदों का पर्दाफाश किया है. दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अश्विन ने (चेन्नई सुपर किंग्स) को लेकर नया दावा किया है. इसमें उन्होंने कहा डेवाल्ड ब्रेविस को अंडर द टेबल भुगतान किया. डेवाल्ड को क्रिकेट जगत में बेबी डिविलियर्स के नाम से जाना जाता है. ब्रेविस सीएसके में चोटिल तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह की जगह साइन किए गए थे. अश्विन ने दावा किया कि वह टीम में सीएसके में 2.2 करोड़ रुपये में आए थे. अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि कई टीमें ब्रेविस को रिप्लेसमेंट के तौर पर लेना चाहती थीं, लेकिन अब बातचीत के बाद सीएसके ने उसके एजेंट्स को 'यादा पैसे देकर उसे साइन कर लिया था. अश्विन ने तर्क दिया कि ब्रेविस जैसे खिलाड़ी जानते हैं कि नीलामी में उन्हें बेस प्राइस से 'यादा पैसा मिलेगा, इसलिए उनके पास सौदेबाजी करने की क्षमता होती है. अश्विन ने अपने यूट्यूब वीडियो में कहा- मैं आपको ब्रेविस के बारे में कुछ बताता हूं. कुछ टीमें उनसे बात कर रही थीं, लेकिन 'यादा दाम के कारण पीछे हट गईं. जब उन्हें रिप्लेसमेंट के तौर पर लेना था, तो बेस प्राइस पर साइन होना था. लेकिन होता ये है कि आप एजेंट से बात करते हैं और खिलाड़ी कहता है, अगर मुझे थोड़ एक्सट्रा पैसे दोगे तो मैं आ जाऊंगा.

अश्विन ने बताया ब्रेविस ने कैसे किया काम

उन्होंने आगे कहा- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि खिलाड़ी को पता होता है कि अगर उसे अगले सीजन में रिलीज किया गया, तो नीलामी में अ'छा पैसा मिलेगा. इसलिए उसका कहना था, अभी अ'छा पैसा दो, नहीं तो मैं अगले साल 'यादा में चला जाऊंगा. सीएसके ने उसे पैसा देने के लिए हामी भर दी, इसलिए वो आया.

क्या डेवाल्ड ब्रेविस को एक्स्ट्रा पैसा देना ठीक या गलत?

इंडियन प्रीमियर लीग में एक मजबूत नीलामी सिस्टम है, जिसमें टीमों को तय बजट दिया जाता है ताकि वे अपनी स्क्वॉड बना सकें. टीमों के बीच बैलेंस बनाए रखने के लिए एक न्यूनतम खिलाड़ियों की संख्या पूरी करनी होती है. लेकिन अंडर-द-टेब डील्स का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यह तय बजट (जो इस समय 120 करोड़ रुपये है) का पूरा मकसद खत्म कर देता है.

अगर अश्विन सही कह रहे हैं, तो जो टीमें गुप्त डील करती हैं, उन्हें नीलामी में फायदा मिल जाता है, क्योंकि वे खिलाड़ियों को उनके बाजार मूल्य से कम दाम में साइन कर लेती हैं.

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने की सगाई

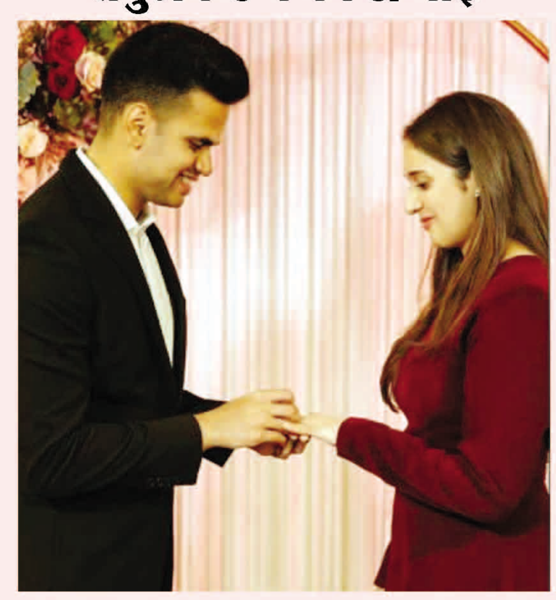

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर के 25 वर्षीय बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने सानिया चंडोक से सगाई कर ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह समारोह निजी तौर पर आयोजित किया गया था जिसमें केवल करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य ही मौजूद थे। सानिया मुंबई के प्रमुख उद्योगपति रवि घई की पोती हैं। उनके परिवार के पास इंटरकॉन्टिनेंटल होटल और ब्रुकलिन क्रीमरी आइसक्रीम ब्रांड सहित खाद्य और आतिथ्य क्षेत्र के कई प्रसिद्ध कारोबारी हैं। अपनी निजी जिंदगी को बनाए रखने के लिए जानी जाने वाली सानिया मुंबई के सबसे प्रतिष्ठित व्यावसायिक परिवारों में से एक से ताल्लुक रखती हैं। तेंदुलकर और उनके परिवार ने सगाई के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी किया है। यह समारोह एक निजी समारोह रहा, जो दोनों परिवारों के निजी स्वभाव को दर्शाता है। अर्जुन एक बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हैं जो वर्तमान में घरेलू क्रिकेट में गोवा के लिए खेलते हैं।

हेलमेट पर लगी गेंद, सिर पर हुआ असर, इंजरी के चलते तीसरा खिलाड़ी बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। इधर एशिया कप होना है, जिसके लिए भारतीय टीम का चुना जाना अभी बाकी है. उधर, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेली जा रही व्हाइट बॉल सीरीज से एक के बाद एक खिलाड़ियों के टीम से बाहर होने का सिलसिला जारी है. इस व्हाइट बॉ्ल सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम से अब तक 3 खिलाड़ी बाहर हो चुके हैं. बाहर होने वाले तीसरे खिलाड़ी का नाम मिचेल ओवन है, जो कि कन्कशन का शिकार हुए हैं. कन्कशन के चलते मिचेल ओवन सिर्फ साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के डिसाइडर से ही नहीं बल्कि उसके बाद होने वाली वनडे सीरीज से भी बाहर हो चुके हैं.

मिचेल ओवन कन्कशन का शिकार हेलमेट पर गेंद लगने से हुए. उनके हेलमेट पर साउथ अफ्रीकी पेस कैगिसो रबाडा की गेंद लगी थी. हालांकि, गेंद ने उनके हेलमेट के ग्रिल को हिट किया था, उसके बावजूद उन्हें परेशानी होती दिखी है. मिचेल ओवन को 12 दिन का आराम दिया गया है, जिसके चलते उनके वनडे डेब्यू का इंतजार बढ़ गया है.

वनडे डेब्यू का बढ़ा इंतजार

मिचेल ओवन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए अब तक सिर्फ टी20 खेला है. उन्होंने अब तक खेले 7 टी20 इंटरनेशनल में 164.63 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं. साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में उनके डेब्यू करने की संभावना बन रही थी. मगर कन्कशन के चलते उन्हें अपनी बारी का इंतजार करना होगा.

ये दो खिलाड़ी भी हो चुके हैं ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर

लांस मॉरिस और मैट शॉर्ट बाकी दो खिलाड़ी हैं, जो कि इंजरी की वजह से इस दौरे पर ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम से बाहर हुए हैं. मॉरिस की पीठ में शिकायत हैं, जिसके चलते उन्हें सीरीज से बाहर होना पड़ा है. वहीं मैट शॉर्ट भी अपने साइड स्ट्रेन से अब तक उबर नहीं पाए हैं. लांस मॉरिस और मैट शॉर्ट की जगह टीम में आरोन हार्डी और मैट कुन्हेमन को मिली है.

ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच तीसरा टी20 16 अगस्त को खेला जाएगा. जबकि, वनडे सीरीज की शुरुआत 19 अगस्त से होगी.

शाहीन अफरीदी इन, बाबर-रिजवान आउट, सलमान कप्तान; एशिया कप के लिए ऐसी हो सकती है पाकिस्तान की टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 की शुरुआत 9 सितंबर से होगी और इस टूर्नामेंट का आयोजन दुबई में किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले देशों ने अभी अपनी-अपनी टीमों का ऐलान नहीं किया है जिसमें पाकिस्तान भी शामिल है। पाकिस्तान की टीम इस बार कैसी होगी इस पर भी सबकी निगाहें टिकी हुई है, लेकिन जिस तरह से हालात हैं उससे लगता है कि पाकिस्तान की टीम में बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को शायद ही जगह मिले।

बाबर-रिजवान को शायद ही मिले मौका

पिछले एशिया कप में पाकिस्तान की कप्तानी बाबर आजम के हाथों में थी, लेकिन इस बार वो इस टूर्नामेंट में बतौर खिलाड़ी भी शायद नहीं खेल पाएं। बाबर आजम का प्रदर्शन पिछले कुछ महीनों से काफी खराब रहा है और वो बेहद खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। इसके अलावा इस साल उन्होंने पाकिस्तान के लिए कोई भी

टी20 मैच नहीं खेला है साथ ही साथ उन्हें टी20 टीम से लगातार ड्रॉप किया जा रहा है। ये इस बात का संकेत है कि पीसीबी उन्हें शायद टी20 की योजना में नहीं देख रही है।

शाहीन अफरीदी को टीम में मिल सकती है जगह

बाबर आजम के अलावा मोहम्मद रिजवान भी एशिया कप के लिए पाकिस्तान की टीम में शामिल किए जाएं इसकी भी संभावना कम ही लगती है क्योंकि बाबर के साथ-साथ उन्हें भी टी20 टीम से लगातार ड्रॉप किया जा रहा है। पाकिस्तान टी20 टीम की कमान इन दिनों सलमान आगा के हाथों में ही है और एशिया कप में ये टीम उनकी ही कप्तानी में खेलती नजर आ सकती है। वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 मैचों की टी20 सीरीज में तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी को टीम में शामिल किया गया था ऐसे में एक उम्मीद है कि उन्हें शायद एशिया कप के लिए टीम में जगह दी जाए।

फखर जमान के खेलने पर सस्पेंस

पाकिस्तान टीम के ओपनर बल्लेबाज फखर जमान वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मैच के दौरान चोटिल हो गए थे ऐसे में वो टीम में चुने जाते हैं या नहीं ये देखना दिलचस्प होगा। हालांकि एक उम्मीद ये जरूर है कि बाबर-रिजवान के अनुभव को देखते हुए पीसीबी शायद उन्हें एक मौका दे दे, लेकिन मौजूदा हालात में ये संभव दिखता नहीं है। वैसे बाबर-रिजवान को अगर एशिया कप की टीम में जगह नहीं मिलती है तो वो शायद ही टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खेलते हुए दिखाई दें।

सलमान आगा (कप्तान), फखर जमान, सईम अयूब, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), हसन नवाज, साहिबजादा फरहान, फहीम अशरफ, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद नवाज, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, हसन अली, सुफियान मुकीम, शाहीन अफरीदी।

भारत के निर्यात पर संकट... अब नहीं मिल रहे ऑर्डर

नए बाजारों की तलाश शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय उत्पादों पर अमेरिका के भारी भरकम 50 फीसदी टैरिफ ने देश के कई प्रमुख निर्यात उद्योगों के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। इसका असर न सिर्फ भारत के 55 फीसदी निर्यात पर पड़ेगा, बल्कि राज्यों के सामने भी नई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। हालांकि, टैरिफ का असर सभी क्षेत्रों में एक समान नहीं है, लेकिन कहीं पुराने सौदों पर संकट है, तो कहीं भविष्य के ऑर्डर ठप होने की आशंका बढ़ गई है। प्रमुख निर्यात उद्योग अब वैकल्पिक बाजारों की तलाश में जुट गए हैं, ताकि टैरिफ से होने वाले संभावित नुकसान की भरपाई हो सके।

हरियाणा के जिलों का हाल

भारत 127 देशों को करीब 60 लाख टन बासमती चावल निर्यात करता है। इसमें से करीब 2.70 लाख टन यानी चार फीसदी बासमती चावल अमेरिका जाता है। बासमती चावल उत्पादन और निर्यात के मामले में देश का करीब 40 फीसदी हिस्सा हरियाणा में तरावड़ी (करनाल) से जाता है। भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ ने बासमती चावल निर्यातकों की चिंता जरूर बढ़ा दी है, लेकिन बड़े नुकसान की आशंका नहीं है। ऑल इंडिया राइस एक्सपोर्ट एसोसिएशन के प्रधान सतीश गोयल का कहना है कि करनाल में दावत, श्रीजगदंबा, डबल चाबी, एरोमा, वीर, ग्लैक्सी, महारानी, दोनार और डीडी इंटरनेशनल जैसे बड़े ब्रांड हैं।

सिंगापुर के जरिये अमेरिका में होगा व्यापार

हरियाणा चैंबर ऑफ कॉमर्स पानीपत चैप्टर के प्रधान विनोद धमीजा ने बताया, तुर्किये अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई चुनौती है। सिंगापुर के जरिये ही अमेरिका में व्यापार की गुंजाइश है। यूके से द्विपक्षीय समझौते से कुछ लाभ मिल सकता है। अफ्रीकी देशों में व्यापार बढ़ाया जाएगा। ब्राजील में भी अच्छा बाजार है।

पानीपत: टेक्सटाइल उद्योग के 500 करोड़ के ऑर्डर पर संकट

पानीपत उत्तर भारत का बड़ा टैक्सटाइल हब है, जहां से हर साल करीब 20,000 करोड़ रुपये का निर्यात होता है। इसमें से 10,000 करोड़ रुपये तक का व्यापार अकेले अमेरिकी बाजार से जुड़ा है।निर्यातकों का कहना है कि अमेरिका के टैरिफ बढ़ाने से 500 करोड़ रुपये के पुराने ऑर्डर पर संकट आ गया है। नए ऑर्डर नहीं मिल रहे हैं। कुछ कंपनियां पहले ही अन्य देशों में संभावनाएं तलाश रही हैं।

2.50 लाख रोजगार पर संकट

पानीपत में 35,000 टेक्सटाइल इकाइयां हैं। इनमें 500 एक्सपोर्ट हाउस हैं। इनसे करीब 2.5 लाख लोगों को रोजगार मिला है। नए ऑर्डर नहीं मिलने पर इनकी आजीविका पर असर पड़ेगा।

रोहतक- नट–बोल्ट उद्योग की बिगड़ी चाल, 70 प्रतिशत हिस्से पर असर

रोहतक का नट–बोल्ट उद्योग सालाना 5,000 करोड़ का कारोबार करता है। इसमें 70 फीसदी निर्यात अमेरिका को होता है। उद्यमियों का कहना है कि 7 अगस्त से नया टैरिफ लागू होता है तो न सिर्फ आपूर्ति प्रभावित होगी, बल्कि कारोबार मुश्किल हो जाएगा। चिंता की बात है कि कुछ कंपनियों को दो महीने से अमेरिका से कोई ऑर्डर नहीं मिला है। बड़ी कंपनियां पुराने ऑर्डर को पूरा करने में जुटी हैं। भविष्य के लिए जो ऑर्डर मिले हैं, उनकी आपूर्ति पर टैरिफ का असर दिखेगा। अतिरिक्त टैरिफ से जिले की औद्योगिक इकाइयों के लिए दुनिया के बड़े बाजारों में माल बेचना मुश्किल हो जाएगा, क्योंकि उत्पाद 25 फीसदी तक महंगा हो जाएगा। इसका असर कंपनी पर सीधा न

- **सरकार का भरोसा...खोज लिए जाएंगे नए बाजार**– वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से ऑल इंडिया राइस एक्सपोर्ट एसोसिएशन ने तीन अगस्त को मुलाकात की थी। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि नुकसान की भरपाई के लिए नए बाजार खोजे जाएंगे।

बिटकॉइन ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

सोना-चांदी छोड़कर क्रिप्टो की ओर भागे निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। बिटकॉइन रॉकेट की तरह आसमान छू रहा है। यह 124,000 डॉलर के नए रिकॉर्ड शिखर पर पहुंच गया। यह उछाल अमेरिकी शेयर बाजारों के साथ हुआ, जहां निवेशकों ने जोखिम भरी संपत्तियों में पैसा लगाया। ब्लूमबर्ग के मुताबिक पिछला रिकॉर्ड (14 जुलाई का 123,205 डॉलर) टूट गया और गुरुवार सुबह सिंगापुर में बिटकॉइन 124,000 डॉलर पर कारोबार कर रहा था।

शेयर बाजार भी चमका

यह क्रिप्टो उछाल ठीक उसी समय हुआ, जब अमेरिका का प्रमुख सूचकांक स×क्क500 लगातार दूसरे दिन रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा। गर्मियों से चली आ रही यह रैली अब क्रिप्टो तक फैल गई है।

उछाल के 3 बड़े कारण

- **कानूनी माहौल साफ :** डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने क्रिप्टो के लिए अनुकूल नीतियां बनाईं।
- **कंपनियों की दिलचस्पी :** माइकल सेलर जैसे नेताओं की कंपनियां बिटकॉइन खरीद रही हैं। अब छोटी क्रिप्टो करेंसी, जैसे ईथर भी इस लहर में शामिल हो गई हैं।
- **ब्याज दरों की उम्मीद :** अमेरिकी मुद्रास्फीति आंकड़े सामान्य रहे, जिससे लगता है कि सितंबर में ब्याज दरें घटेंगी। इससे निवेशक सोना–चांदी छोड़कर क्रिप्टो की ओर भागे।

एचडीएफसी बैंक ने भी न्यूनतम बैलेंस सीमा बढ़ाई

नया बचत खाता खोलने पर रखने होंगे 25000 रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीआईसीआई बैंक के बाद अब एचडीएफसी बैंक ने भी बचत खाते में न्यूनतम बैलेंस रखने की सीमा बढ़ा दी है।यह नियम एक अगस्त, 2025 के बाद खाता खुलवाने वाले सभी ग्राहकों पर लागू होगा।इसके तहत, अब नया बचत खाता खोलने पर ग्राहक को मासिक न्यूनतम बैलेंस

25,000 रुपये बनाए रखना होगा।खाते में रकम इससे कम होने पर जुर्माना लगेगा। पहले न्यूनतम बैलेंस सीमा 10,000 रुपये थी। यह नया नियम सभी बड़े मेट्रो और अर्बन शहरों में लागू किया गया है। हालांकि, पुराने खातों पर इसका असर नहीं होगा। इससे पहले आईसीआईसीआई बैंक ने न्यूनतम बैलेंस सीमा 10,000 से बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दी थी।विरोध के बाद बैंक ने सीमा घटाकर अब 15,000 रुपये कर दी है।

लंबी छुट्टियों में घूमने की तैयारी

होटलों के किराये में 8 प्रतिशत तक उछाल; अग्रिम बुकिंग में तेजी

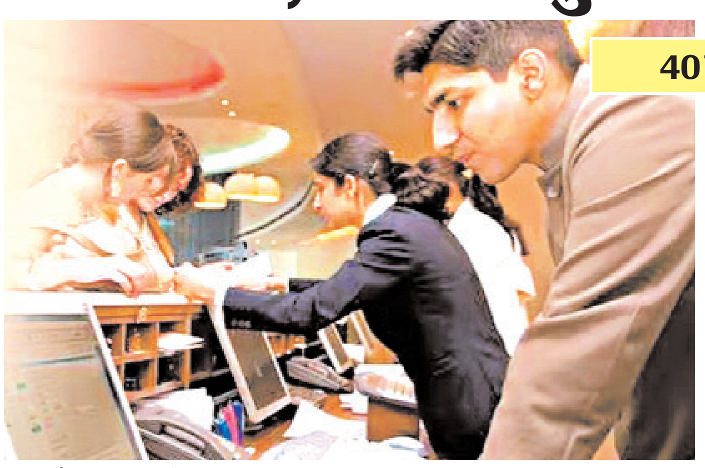

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस पर लंबी छुट्टी के कारण देशभर के पर्यटक विभिन्न स्थानों की यात्रा करने की तैयारी कर रहे हैं। यात्रा में लोगों की बढ़ती दिलचस्पी के कारण होटलों के किराये में 8 फीसदी तक बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। रॉयल ऑर्किड होटल्स (आरओएचएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक चंदर के बालजी ने कहा, 14 से 17 अगस्त तक विस्तारित सप्ताहांत (वीकेंड) में लोग घूमने की योजना बना रहे हैं। बुकिंग भी आ रही है, लेकिन इसकी रफ्तार अभी पूरी तरह से नहीं बढ़ी है। उम्मीद है कि अंतिम समय में बुकिंग तेजी से बढ़ेगी, जो घरेलू बाजार में लंबे सप्ताहांत के लिए काफी सामान्य बात है। उन्होंने आगे कहा, पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में होटलों के किराये में करीब 1,280 रुपये की बढ़ोतरी देखी जा रही है। अनुमान है कि इस बार औसत कमरा किराया (एआरआर) करीब 6,450 रुपये रहेगा, जो खुदरा सेगमेंट में पिछले साल के 6,000 रुपये की तुलना में सात से आठ फीसदी अधिक है।

40 प्रतिशत तक बढ़ी बुकिंग

इंडियन होटल्स कंपनी लि. (आईएचसीएल) के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ पुनीत चटवाल ने कहा, स्वतंत्रता दिवस पर लंबी छुट्टी को लेकर लोगों में उत्साह है। इसका असर बाजार पर भी देखने को मिल रहा है। वहीं, होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचएआई) के चेयरमैन केबी काचरू ने कहा, कई होटलों में पहले से ही अग्रिम बुकिंग में बढ़ोतरी देखी जा रही है। कुछ होटलों में बुकिंग में पिछले साल की तुलना में 40 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है।

बुधवार को सबसे ज्यादा रही मांग

मेकमाईट्रिप के सह–संस्थापक एवं सीईओ राजेश मागो ने कहा, पिछले कुछ वर्षों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लोग अधिक यात्रा करने लगे हैं। स्वतंत्रता दिवस शुक्रवार को होने के कारण यात्रा की मांग दो दिन पहले बुधवार (13 अगस्त) को चरम पर पहुंच गई।

5000 करोड़ का सालाना कारोबार करता है नट-बोल्ट उद्योग

मुंबई। जसमेर लाठर, एमडी, एरो फास्टनर्स के एमडी जसमेर लाठर ने बताया, हम अमेरिका, यूके और यूरोप में नट–बोल्ट की आपूर्ति करते हैं। टैरिफ के कारण यहां से करीब 50 करोड़ रुपये के ही ऑर्डर बुक हुए हैं।

पंजाब में भी अमेरिका से मोहभंग, भाने लगे रूस समेत ठंडे देश– ट्रंप की टैरिफ नीतियों से आहत निर्यातक अब अन्य देशों से संपर्क साध रहे हैं। रेडिमेड कपड़ों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद लुधियाना के वुलेन गारमेंट्स कारोबारियों का अमेरिका से मोहभंग हो गया है। वे अब रूस समेत अन्य ठंडे देशों के खरीदारों के साथ सीधे संपर्क में हैं। उनका तर्क है कि आने वाले वक्त में नए बाजारों में अपनी पकड़ मजबूत करने अमेरिका से होने वाले नुकसान की भरपाई हो सकेगी। लेकिन, इसमें सरकार का सहयोग भी जरूरी है।

इन देशों के बाजारों को खंगाल रहे कारोबारी– कारोबारियों का कहना है, ऑस्ट्रेलिया और यूके समेत कई देशों में भारतीय उत्पादों की अच्छी मांग है।

भ्रामक विज्ञापनों पर नकेल

- **अब खाद्य सामग्रियों की गहन जांच कराएगी सरकार, हितधारक परामर्श में एफएसएसएआई की भी अपील**

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने दिल्ली में खाद्य लेबलिंग, विज्ञापन और दावों पर उच्चस्तरीय राष्ट्रीय हितधारक परामर्श का आयोजन किया। उपभोक्ता मामलों के विभाग की सचिव निधि खरे ने भ्रामक विज्ञापनों को समाप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने निर्माताओं से आग्रह किया कि वे लेबलिंग को केवल विपणन उपकरण के बजाय विश्वास का कारक मानें। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, परामर्श का उद्देश्य नियमों की समीक्षा, कार्यान्वयन की चुनौतियों का समाधान करना और उपभोक्ता संरक्षण, जन स्वास्थ्य और उद्योग नवाचार को बढ़ावा देने के लिए भारत के मानकों को वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप बनाना था।

हमें खाद्य उत्पादों की अधिक बारीकी से करनी होगी जांच: स्वास्थ्य सचिव

स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने खाद्य क्षेत्र में लेबलिंग और विज्ञापन में नैतिक और सत्यनिष्ठ प्रथाओं के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आज चीजें तेजी से बदल रही हैं। अब हम पूरी दुनिया के संपर्क में हैं। इसका मतलब है कि हमें खाद्य उत्पादों की अधिक बारीकी से जांच करनी होगी।

झूठे स्वास्थ्य और पोषण संबंधी दावों के खिलाफ दी चेतावनी– प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने विज्ञापनों में वैज्ञानिक दावों के बाहरी सत्यापन की जरूरत पर जोर दिया। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव प्रभात ने झूठे स्वास्थ्य और पोषण संबंधी दावों के खिलाफ चेतावनी दी और बताया कि इनसे जनता का विश्वास कम हो सकता है और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंच सकता है।

हितधारक परामर्श में 700 प्रतिनिधियों ने लिया भाग

इस हितधारक परामर्श में केंद्र और राज्य सरकारों, वैज्ञानिक विशेषज्ञों, खाद्य व्यवसायों, उद्योग संघों, उपभोक्ता संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों के लगभग 700 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

भारत में इनकम संकट पर दिग्गज की चेतावनी

अफ्रीका और पाकिस्तान से भी बदतर...

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई स्थित फाइनेंशियल प्लानर डी मुथुकृष्णन के अनुसार, भारत का आर्थिक विभाजन जितना दिखता है, उससे कहीं अधिक गहरा है। निचले 90 प्रतिशत लोगों की कमाई राष्ट्रीय आय का सिर्फ 43 प्रतिशत है और वे राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के आधे से भी कम पर गुजारा कर रहे हैं। एक्स पर एक पोस्ट में, मुथुकृष्णन ने भारत के आर्थिक ताने-बाने में गहरी संरचनात्मक असमानता को उजागर किया। जहां राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2,700 डॉलर है, वहीं, टॉप 10 प्रतिशत कमाने वालों को हटा देने पर यह आंकड़ा निचले 90 प्रतिशत लोगों के लिए गिरकर सिर्फ 1,300 डॉलर रह जाता है। उन्होंने लिखा, यह सब-सहारा अफ्रीका और पाकिस्तान से भी बदतर है। अगर आप टॉप 15 करोड़ लोगों में शामिल नहीं हैं, बल्कि बाकी 1.3 अरब लोगों का हिस्सा हैं, तो हर दिन सचमुच नरक है।

क्या है डिटेल

मुथुकृष्णन ने भारत के अपेक्षाकृत बड़े अमीर वर्ग द्वारा पैदा की गई समृद्धि के भ्रम की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि 15 करोड़ उच्च आय वालों के साथ, देश वास्तविकता से कहीं अधिक समृद्ध प्रतीत होता है। लेकिन शेष 1 अरब लोगों के लिए, वास्तविकता भयावह है। सिंधु घाटी रिपोर्ट का हवाला देते हुए, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि लगभग एक अरब भारतीयों की पर्चेजिंग पावर बिल्कुल शून्य है, वे केवल बुनियादी जरूरतों पर ही खर्च करते हैं और ज्यादातर सरकारी मदद पर गुज़ारा करते हैं।

रिलायंस इंफ्रा बनाम अरावली पावर

526 करोड़ का अवार्ड अनिल अंबानी की कंपनी के पक्ष में

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने अरावली पावर कंपनी के खिलाफ 526 करोड़ रुपये का मध्यस्थता फैसला जीता है। यह अनुकूल परिणाम मध्यस्थ न्यायाधिकरण के उस फैसले के

परिणामस्वरूप आया है, जिसमें उनके अनुबंध की समाप्ति को अमान्य माना गया था। अरावली पावर द्वारा किया गया अनुबंध अवैध था

कंपनी ने बुधवार को बताया कि तीन सदस्यीय मध्यस्थ न्यायाधिकरण ने बहुमत से यह माना है कि अरावली पावर द्वारा किया अनुबंध समाप्त करना अवैध था। गलत तरीके से अनुबंध समाप्त करने के कारण हुए नुकसान और लागत के लिए कंपनी के दावों को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया।

दूसरे मामले में हुई अरावली पावर की जीत

1 जुलाई को, दिल्ली उच्च न्यायालय ने अरावली पावर कंपनी से रिलायंस इंफ्रा की याचिका पर जवाब मांगा। इसमें पिछले साल दिसंबर में अनिल अंबानी की कंपनी के खिलाफ जीते गए 600 करोड़ रुपये के मध्यस्थता फैसले को लागू करने की मांग की गई थी। अरावली पावर ने अनुबंध के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए 2018 में रिलायंस इंफ्रा को टर्मिनेशन नोटिस जारी किया था और आर्बिट्रेशन का सहारा लिया था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त तीन सदस्यीय आर्बिट्रल ट्रिब्यूनल ने बहुमत से अपने फैसले में 419 करोड़ रुपये की मूल राशि, 5 करोड़ रुपये की लागत, 149 करोड़ रुपये का ब्याज और वास्तविक भुगतान की तारीख तक मूल राशि पर भविष्य का ब्याज देने का आदेश दिया था।

इंफोसिस खरीद रही ऑस्ट्रेलिया की वर्सेंट में 75 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय आईटी कंपनी इंफोसिस ने बुधवार को घोषणा की कि वह ऑस्ट्रेलिया की टेलस्ट्रा ग्रुप की पूरी तरह से स्वामित्व वाली कंपनी वर्सेंट ग्रुप में 75 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी। इसके लिए इंफोसिस लगभग 233.3 मिलियन ऑस्ट्रेलियन डॉलर (करीब 153 मिलियन अमेरिकी डॉलर) देगी। इस बिजनेस अपडेट का असर आज इंफोसिस के शेयरों पर देखने को मिल सकता है। आज इस आईटी कंपनी के शेयर फोकस में रहेंगे। रॉयटर्स के मुताबिक वर्सेंट ग्रुप ऑस्ट्रेलिया में वित्त, ऊर्जा, सार्वजनिक सेवाएं, सरकार और शिक्षा जैसे क्षेत्रों की संस्थाओं को क्लाउड सेवाएं प्रदान करता है। इंफोसिस ने कहा कि यह सौदा उसकी ऑस्ट्रेलिया में मौजूदगी को मजबूत करेगा।

वॉल स्ट्रीट में उछला शेयर–यह खबर सुनते ही अमेरिका में लिस्टेड इंफोसिस के शेयरों में उछाल आया और वे 1.6 प्रतिशत बढ़कर 16.33 डॉलर पर पहुंच गए। हालांकि, यह सौदा पूरा होने में समय लगेगा। इसे वित्तीय वर्ष 2026 की दूसरी छमाही तक पूरा किया जाना है, बशर्ते ऑस्ट्रेलिया की विदेशी निवेश समीक्षा बोर्ड और प्रतिस्पर्धा आयोग की मंजूरी मिल जाए।

शेयर प्राइस ट्रेंड

बुधवार को इंफोसिस के शेयर 0.16 पर्सेंट की तेजी के साथ 1426.40 रुपये पर बंद हुए थे। पिछले एक साल में यह स्टॉक 21 फीसद से अधिक टूट चुका है।

आईटी कंपनी के कामगारों को मिली स्वतंत्रता दिवस की सौगात

नई दिल्ली, एजेंसी। इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी सेक्टर की अमेरिकी मल्टीनेशनल कंपनी कॉग्निजेंट की तरफ से एक बड़ी घोषणा हुई है। आईटी कंपनी ने कहा है कि उसके लगभग 80 प्रतिशत कर्मचारियों को वेतन में इसी साल वृद्धि होगी। यह वेतन वृद्धि 1 नवंबर, 2025 से लागू होगी।

कहां से आई खबर

मशहूर आईटी कंपनी ने अपनी दूसरी तिमाही की अर्निंग की घोषणा के दौरान यह जानकारी दी है। कंपनी ने बताया है कि वह साल 2025 की दूसरी छमाही में अधिकांश कर्मचारियों के लिए योग्यता-आधारित वेतन वृद्धि की योजना बना रही है। कॉग्निजेंट के एक प्रवक्ता ने गुरुवार को कहा, यह वेतन वृद्धि सीनियर

एसोसिएट स्तर तक के कामगारों को दी जाएगी। वेतन वृद्धि की राशि व्यक्तिगत प्रदर्शन और देश के आधार पर अलग-अलग होगी।

मतलब कि अलग अलग देश में काम करने वालों के वेतन का पैमाना अलग अलग होगा।

कंपनी के अनुसार, इसके करीब 80 प्रतिशत योग्य कर्मचारियों को 1 नवंबर, 2025 से वेतन में वृद्धि का लाभ मिलेगा। जाहिर है कि भारत में, लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों के वेतन में अच्छी वृद्धि होगी।

बोनस भी दिया था

कॉग्निजेंट ने इसी साल की शुरुआत में, अपने ज्यादातर एसोसिएट्स को को पिछले तीन सालों में सबसे ज्यादा बोनस दिया था। इस बार भी कंपनी ने कहा है कि जो कर्मचारी सबसे अच्छा काम करते हैं, उन्हें सबसे ज्यादा फायदा होगा।

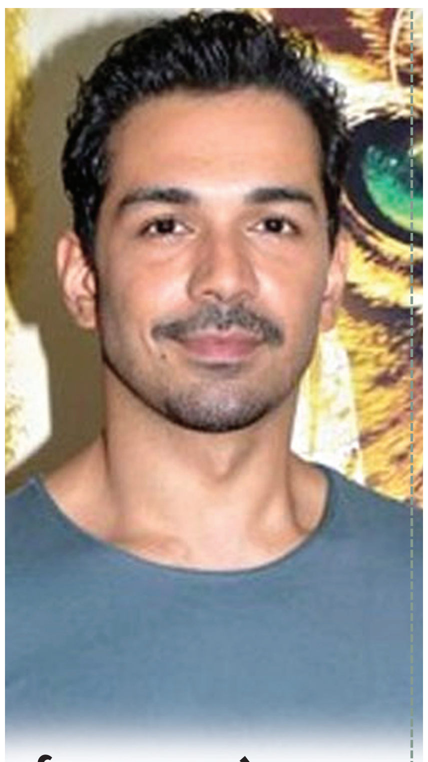

ईशा तलवार के बाद अब अभिनव शुक्ला ने कास्टिंग डायरेक्टर की खोली पोल

बॉलीवुड और टेलीविजन की दुनिया में संघर्ष और रिजेक्शन आम बात है, लेकिन कुछ अनुभव ऐसे होते हैं जो कलाकार के आत्मबल को पूरी तरह बदल देते हैं। अभिनेता और बिग बॉस 14 फेम अभिनव शुक्ला ने हाल ही में अपनी ऑडिशन से जुड़ी एक घटना शेयर की, जो न सिर्फ उनके लिए एक सीख बनी, बल्कि हजारों उभरते कलाकारों के लिए भी प्रेरणा बन सकती है। अभिनव शुक्ला ने शेयर किया एक्सपीरियंस यह घटना वर्ष 2014 की है, जब अभिनव की फिल्म 'रोर' रिलीज के करीब थी। उन्होंने अपने शुभचिंतकों के कहने पर यशराज फिल्म्स की कास्टिंग डायरेक्टर से मिलने का फैसला किया। शानू शर्मा के साथ यह मुलाकात उनके करियर का मोड़ बन सकती थी, लेकिन कास्टिंग डायरेक्टर ने उन्हें यह कहकर नकार दिया कि वो अच्छे दिखते हैं, पर उनमें स्पार्क नहीं है। ये शब्द उनके आत्मविश्वास को ठेस पहुंचाने वाले थे।

संजय लीला भंसाली से हुई मुलाकात

हालांकि, अभिनव ने हार नहीं मानी। उन्होंने इस तजुर्बे का इस्तेमाल किया और अपने अंदर सुधार की कोशिशें जारी रखीं। वर्षों बाद, किस्मत उन्हें एक अलग मोड़ पर लेकर आई, जब वह दिग्गज निर्देशक संजय लीला भंसाली से मिलने पहुंचे। यहां उन्हें बिल्कुल विपरीत प्रतिक्रिया मिली। भंसाली ने न सिर्फ उनकी प्रतिभा की सराहना की, बल्कि यह भी पूछा कि उन्होंने अब तक ज्यादा काम क्यों नहीं किया।

ईशा तलवार ने शानू पर किया था कमेंट

अभिनव से पहले मिर्जापुर, सास बहू और फ्लेमिंगो और आर्टिकल 15 में अपनी एक्टिंग से तारीफें बटोरने वालीं मशहूर एक्ट्रेस ईशा तलवार ने भी अपने करियर के शुरुआती दिनों में अजीबोगरीब ऑडिशन का जिक्र किया जो कास्टिंग डायरेक्टर शानू शर्मा ने ही लिया था। ईशा ने बताया कि किस तरह से शानू ने उनका आत्मविश्वास ही तोड़ दिया।

धनुष से अफेयर की खबरों पर मृणाल ठाकुर ने दी सफाई

बीते कुछ दिनों से साउथ सुपरस्टार धनुष और एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर के अफेयर की चर्चा सुर्खियों में हैं। धनुष को फिल्म सन ऑफ सरदार 2 की स्क्रीनिंग में भी देखा गया था। लंबी सुर्खियों के बाद अब एक्ट्रेस ने धनुष से रिश्ते पर सफाई दी है। मृणाल ठाकुर ने हाल ही में ऑनली कॉलीवुड को दिए एक इंटरव्यू में धनुष पर कहा है, धनुष सिर्फ मेरे अच्छे दोस्त हैं। मैं जानती हूं कि हम दोनों के साथ होने के बारे में कई तरह की न्यूज फैलाई जा रही हैं। मैंने जब उन्हें देखो तो मुझे ये काफी फनी लगीं। धनुष के सन ऑफ सरदार 2 की स्क्रीनिंग अटेंड करने से डेटिंग की चर्चा बढ़ी थीं। अब एक्ट्रेस ने इस पर कहा, धनुष सन ऑफ सरदार 2 की स्क्रीनिंग में आए थे, किसी को भी इसे गलत नहीं समझना चाहिए। अजय देवगन ने उन्हें इनवाइट किया था। बताते चलें कि धनुष ने साल 2004 में रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या रजनीकांत से शादी की थी। इस शादी से कपल को दो बेटे यात्रा और लिंगा हैं। कपल ने 2022 में तलाक की अनाउंसमेंट की थी, जिसके बाद 2024 आधिकारिक तौर पर तलाक ले चुके हैं। धनुष जल्द ही साउथ फिल्म इडली कढई और हिंदी फिल्म तेरे इश्क में नजर आने वाले हैं। वहीं मृणाल ठाकुर की बात करें तो वो सन ऑफ सरदार 2 के बाद है जवानी तो इश्क होना है, तुम हो तो और पूजा मेरी जान जैसी फिल्मों का हिस्सा हैं। ये भी बता दें कि धनुष से पहले मृणाल ठाकुर का नाम पॉपुलर सिंगर और रैपर बादशाह और एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी से भी जोड़ा जा चुका है।

छावा-द कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्में मैं कभी भी नहीं बनाऊंगा

जॉन अब्राहम जल्द ही फिल्म तेहरान में दिखेंगे। आजकल एक्टर फिल्म के प्रमोशन में बिजी है। इसी दौरान उन्होंने एक इंटरव्यू में 'छावा' और 'द कश्मीर फाइल्स' जैसी फिल्मों की पॉपुलैरिटी, सेंसरशिप और आजकल बनने वाली राष्ट्रवादी फिल्मों पर अपनी राय दी है। एक इंटरव्यू में जॉन ने सेंसरशिप पर बात करते हुए कहा- हमें सेंसरशिप की जरूरत है, लेकिन जिस तरह से इसे कंट्रोल किया जा रहा है, उस पर थोड़ा सवालिया निशान है। वे हमारे साथ अच्छे रहे हैं, लेकिन मैं भी अपनी फिल्में जिस तरह से बनाता रहा हूं, उसके लिए जिम्मेदार रहा हूं। मैं राइट विंग या लेफ्ट विंग का नहीं हूं। मैं अराजनीतिक हूं। मेरे लिए चिंता की बात यह है कि दक्षिणपंथी फिल्मों को बहुत ऑडियंस मिलती है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वो छावा या द कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्में बनाने पर विचार करेंगे, तो जॉन ने खुलकर जवाब दिया। उन्होंने कहा- मैंने 'छावा' और 'द कश्मीर फाइल्स' नहीं देखी है, लेकिन मुझे पता है कि लोगों को यह पसंद आई है लेकिन मैं कभी भी ऐसी फिल्में नहीं बनाऊंगा।

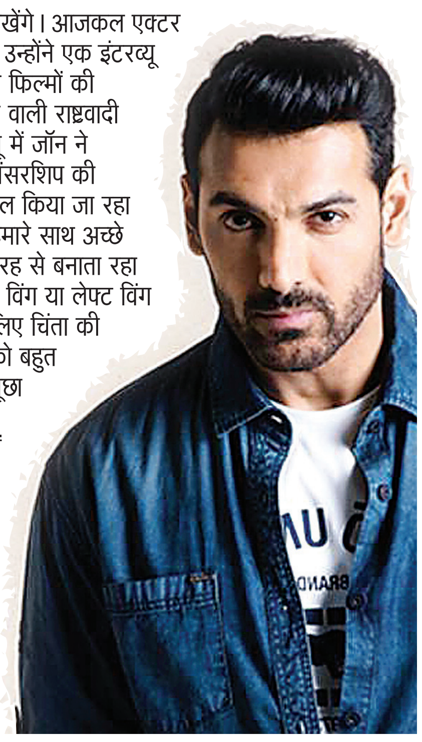

फिल्म अल्फा में आलिया और शरवरी का नया होगा लुक, कोरियोग्राफर बॉस्को मार्टिस ने किया बड़ा दावा

कोरियोग्राफर बॉस्को मार्टिस यशराज फिल्म्स की अपकमिंग फिल्म अल्फा को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ एक साथ नजर आएंगी। कोरियोग्राफर का कहना है कि फिल्म में एक्शन होगा। फिल्म में स्टाइल और बेहतरीन डांस मूव्स भी हो सकते हैं।

बॉस्को ने आलिया और शरवरी की तारीफ की

इंडिया टुडे से बातचीत में बॉस्को ने फिल्म की अभिनेत्रियों द्वारा किये गए काम की तारफी की है। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि फिल्म में सभी का काम एकदम अलग होने वाला है। मुझे लगता है कि फिल्म में दोनों का काम काफी बड़ा होगा। उनका लुक बेहतरीन होगा। फिल्म में आपको आलिया और शरवरी वाघ एकदम अलग लुक में दिखेंगी। उनके लुक में जो बदलाव होगा वह एकदम नया होगा। मैं ज्यादा कुछ तो नहीं कहूंगा लेकिन इतना जरूर है कि दोनों ने फिल्म में बहुत अच्छा काम किया है।

इन फिल्मों में काम के लिए मशहूर हैं बॉस्को

बॉस्को फिल्म वॉर, पठान और बैंग बैंग जैसी फिल्मों में अपनी जबरदस्त कोरियोग्राफी के लिए मशहूर हैं। उन्होंने इशारा किया कि फिल्म अल्फा दर्शकों को सिर्फ डांस नंबर्स से कहीं ज्यादा कुछ दिखाएगी। इसमें अभिनेत्रियों को बिल्कुल नए अंदाज में दिखाया जाएगा। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा मुझे पूरा भरोसा है कि आप फिल्म में बहुत कुछ दमदार देखने वाले हैं।

फिल्म के बारे में

फिल्म अल्फा के बारे में जानकारी अभी गुप्त रखी गई है। हालांकि इतना मालूम है कि यह फिल्म आलिया भट्ट की पहली एक्शन फिल्म होगी। शरवरी भी फिल्म में एक्शन करती हुई नजर आएंगी। बताया जाता है कि कोरियोग्राफी इस फिल्म की कहानी को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। फिल्म का निर्देशन शिव रवैल ने किया है। यह फिल्म वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स के बैनर तले बन रही है।

नीरज पांडे के साथ काम करना सपने जैसा

एक्टर विकास मानकतला ने वेब सीरीज स्पेशल ऑप्स 2 से ओटीटी पर डेब्यू किया है। इसमें वह अभय सिंह के किरदार में नजर आ रहे हैं। बातचीत में उन्होंने बताया कि डायरेक्टर नीरज पांडे के साथ काम करना उनका सपना था। साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री से ब्रेक लेने पर भी बात की।

काफी लंबे समय बाद आपने कमबैक किया है। कैसा महसूस हो रहा है?

बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। भले ही मैंने थोड़ा ब्रेक लिया, लेकिन दर्शकों का जो प्यार मुझे शुरुआत से खासकर लेफ्ट राइट लेफ्ट से लेकर अब तक मिला है, वो बेहद खास है। स्पेशल ओप्स 2 के बाद भी जो तारीफ मुझे मिल रही है, वो इस वापसी को और भी खास बना देती है।

ओटीटी पर डेब्यू के लिए आपने स्पेशल ऑप्स को ही क्यों चुना?

सच कहूं तो मैं डायरेक्टर नीरज पांडे सर का बहुत बड़ा फैन हूं। मैं न केवल उनके निर्देशन का, बल्कि उनके लिखे कंटेंट का भी बहुत बड़ा फैन हूं। जब मैंने पहली बार ए वेडनेसडे देखी थी, तो मैं हैरान रह गया था कि इतनी सादगी के साथ भी कोई कहानी इतनी गहराई से दिल को छू सकती है। उस फिल्म को देखकर मैं सिर्फ एक दर्शक के रूप में नहीं, बल्कि एक आर्टिस्ट के तौर पर भी काफी प्रभावित हुआ और सीखा। मैं पिछले 14 सालों से नीरज सर के साथ काम करना चाहता था और अब जाकर मुझे ये मौका मिला। इसलिए जब ओटीटी डेब्यू की बात आई, तो स्पेशल ऑप्स और नीरज सर के साथ काम करना मेरे लिए एक सपने के पूरे होने जैसा था। मैं बेहद खुश हूं कि मेरा डिजिटल डेब्यू उनके साथ हुआ।

स्पेशल ऑप्स 2 के एजेंट अभय सिंह के लिए क्या तैयारी करनी पड़ी?

अभय सिंह का किरदार काफी पावरफुल है, इसलिए मुझे उसके लिए 8 से 10 किलो तक वजन बढ़ाना पड़ा। एक्शन तो था ही, लेकिन उससे भी ज्यादा फिजिकल ट्रेनिंग करनी पड़ी। हालांकि स्कूल के दिनों में मैं मार्शल आर्ट्स और रेसलिंग जैसी ट्रेनिंग पहले ही कर चुका था, लेकिन इस रोल के लिए मुझे फ्लेक्सिबिलिटी, स्ट्रेचिंग और थोड़ा स्क्रू जैसी ट्रेनिंग्स करनी पड़ीं। शारीरिक तैयारी के साथ-साथ सबसे जरूरी था किरदार के माइंडसेट को समझना। जब मैंने उसकी सोच और मिजाज को पकड़ लिया, तो बाकी सब आसान हो गया।

अभय के किरदार के लिए आपने कई ट्रेनिंग लीं

सबसे जरूरी है एडिट करना यानी डिसिप्लिन और सेलेक्टिव होना। चाहे आप कोई भी टेक्निक सीख रहे हों या ट्रेनिंग कर रहे हों, ये जरूरी है कि आप समझें कि आपके लिए क्या काम करता है और क्या नहीं। हर किसी का शरीर, माइंडसेट और सीखने की क्षमता अलग होती है। इसलिए अपने ऊपर काम करते वक्त सही चीजों को चुनना और बाकी को एडिट करना ही असली सीक्रेट है।

मोहित सूरी की हर फिल्म में दिखते हैं शाद रंधावा

बोले- हमारा रिश्ता बहुत पुराना है

मोहित सूरी की फिल्म सैयारा में एक्टर शाद रंधावा ने रॉकस्टार प्रिंस का किरदार निभाया है। वह मोहित सूरी की लगभग हर फिल्म में नजर आते हैं। हाल ही में दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान शाद ने मोहित सूरी के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की। साथ ही यह भी बताया कि फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद उन्हें इंडस्ट्री में काफी संघर्ष करना पड़ा।

फिल्म सैयारा में आपकी स्क्रीन प्रेजेंस भले ही कम है, लेकिन आपका किरदार बेहद दमदार है। इसके लिए आपने क्या तैयारी की?

मैं पहले से ही कुछ अलग करने की कोशिश कर रहा था। उसी दौरान निर्देशक मोहित सूरी ने मेरी मेहनत और लगन को नोटिस किया। शायद उन्होंने मेरी कुछ तस्वीरें यशराज फिल्म्स की कास्टिंग डायरेक्टर शानू शर्मा जी को भेजीं। इसके बाद शानू जी का मेरे पास कॉल आया और उन्होंने मुझे इस रोल के बारे में बताया। इसके बाद हमने वर्कशॉप्स कीं, किरदार को समझा और उसके लिए तैयारी की। जब सबको लगा कि मैं इस किरदार के लिए ठीक हूं, तब जाकर मुझे यह रोल मिला।

आप मोहित सूरी की हर फिल्म का हिस्सा होते हैं?

मैं खुद को बेहद खुशकिस्मत मानता हूं कि मोहित सूरी जैसे निर्देशक मुझ पर भरोसा करते हैं। हमारी दोस्ती काफी पुरानी है और आगे भी बनी रहेगी। लेकिन मैं यह साफ करना चाहता हूं कि हमारे प्रोफेशनल रिश्ते का आधार सिर्फ दोस्ती नहीं है। हमारे बीच एक क्रिएटिव कनेक्शन भी है। फिल्मों और म्यूजिक को लेकर हमारी सोच कई मामलों में मिलती है। जब भी हम कोई फिल्म या गाना सुनते हैं, तो उस पर चर्चा करते हैं, जिससे हमारे बीच एक कम्फर्ट जोन बन गया है। हालांकि, मोहित कभी भी सिर्फ दोस्ती की वजह से मुझे रोल नहीं देते। जैसे जब फिल्म हाफ गर्लफ्रेंड बन रही थी, तब मैंने बाकायदा वर्कशॉप्स और ऑडिशन दिए थे। लेकिन जब मोहित और मुकेश जी को लगा कि मैं उस किरदार के लिए फिट नहीं हूं, तो उन्होंने मुझे कास्ट नहीं किया। इसलिए दोस्ती अपनी जगह है, लेकिन प्रोफेशनल लाइफ अपनी जगह।

क्या आपने मोहित सूरी से कभी कहा कि फिल्म सैयारा में आपकी स्क्रीन प्रेजेंस और ज्यादा होनी चाहिए थी?

देखिए, इस तरह की बातें तो अक्सर हर एक्टर और डायरेक्टर के बीच होती रहती हैं। हर एक्टर को लगता है कि उसका रोल थोड़ा और बड़ा होना चाहिए था। कभी लगता है कि कोई सीन कट कर दिया गया जो फिल्म में रह सकता था। मैं मोहित सूरी का दोस्त हूं, लेकिन ऐसा नहीं है कि मैं इसलिए कुछ नहीं कहता। ये बातें हर एक्टर के मन में होती हैं और डायरेक्टर से शेयर भी की जाती हैं। मगर एक पॉजिटिव तरीके से बिना किसी झगड़े के। असल में, सेट पर भले ही कुछ मतभेद हो जाएं, लेकिन जैसे ही हम सेट से बाहर आते हैं, सारी शिकायतें भूलकर फिर से दोस्त बन जाते हैं।

आप फिल्मी परिवार से हैं, फिर भी आपको काफी संघर्ष करना पड़ा। क्या आपको कभी इसका फायदा मिला?

जी नहीं, मुझे फिल्मी परिवार से होने का कोई खास फायदा नहीं मिला। हां, इतना जरूर था कि जब मैं महेश भट्ट साहब के पास मुकेश जी से मिलने गया, तो वे जानते थे कि मैं किस परिवार से हूं। इसके अलावा मुझे कोई खास फायदा नहीं मिला। मैं काम के लिए उनके ऑफिस जाया करता था। काफी संघर्ष के बाद लगभग 2-3 साल बाद, मोहित ने मुझे फिल्म ऑफर की। तभी से हमारा रिश्ता भी बना। हमारी मुलाकात भी सेट पर ही हुई थी।

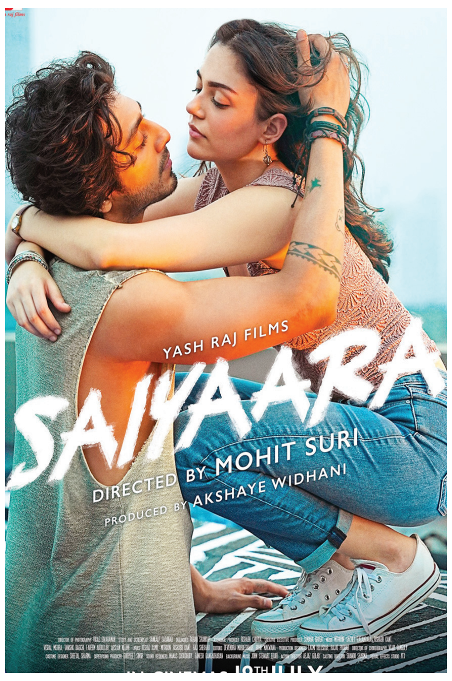

धनकटनी का उत्सव मनाने की कार्य योजना बनाने का निर्देश : डीसी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। मौके पर अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खलको, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार उपस्थित थे। बैठक के क्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत अप्रैल, मई, जून और जुलाई माह 2025 के खाद्यान्न वितरण की अधिकतम स्थिति की भी समीक्षा कर समयबद्ध तरीके से सत प्रतिशत खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने एनएफएसए जेएसएफएसएस योजना के तहत खाद्यान्न का वितरण चना दाल वितरण, मुख्यमंत्री दाल भात योजना, चीनी और नमक का वितरण पीवीटीजी, जन वितरण प्रणाली, ग्रीन राशन कार्ड समेत विभिन्न योजनाओं की अध्ययन स्थिति का क्रमवार समीक्षा कर संबंधित पदाधिकारी को सरकार के कल्याणकारी योजनाओं से योग्य लाभुकों को ससमय में लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

धान कटनी का उत्सव मनाने की कार्य योजना बनाने का निर्देश-

उपायुक्त अजय नाथ झा ने कार्य प्रगति की समीक्षा के क्रम में कहा कि किसानों को उनके हक एवं सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु उनका अधिक से अधिक निबंधन करने इसके लिए आपूर्ति विभाग को निबंधन अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने आगे कहा कि किसानों को सरकार द्वारा दिए जाने वाले धान अधिप्राप्ति का लाभ अधिकाधिक मिले इसके लिए व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से धान कटनी का उत्सव मनाने की कार्य योजना बनाने का निर्देश अधिकारियों को दिया।

स्टॉक पंजी एवं वितरण पंजी का संधारण करें-

किसानों को धान अधिप्राप्ति कर रकम जल्दी उन्हें प्राप्त हो इसे सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने निदेशित किया की मार्केटिंग ऑफिसर जन वितरण दुकानदारों के साथ बैठक करें नियमानुसार स्टॉक पंजी एवं वितरण पंजी का संधारण करें साथ ही सभी पीडीएस दुकानदार अपने पीडीएस दुकानों के बाहर लाभुकों की सूची लगे ताकि अनाज वितरण में पारदर्शिता लाई जा सके।

अयोग्य लाभुक अगले 15 दिनों के भीतर अपना राशन कार्ड प्रत्यापित करें अन्यथा कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी-

उपायुक्त अजय नाथ झा ने समीक्षा के क्रम में कहा कि वैसे लागू जो सुखी संपन्न है एवं राशन कार्ड रखने की पात्रता नहीं रखते वह अपना राशन कार्ड 15 दिनों के अंदर प्रत्यर्पित करें अन्यथा उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करते हुए उठाव किए गए राशन के विरुद्ध नियमानुसार वसूली की जाएगी।

प्रत्येक मार्केटिंग ऑफिसर नियमित रूप से पीडीएस दुकानों का निरीक्षण करें-

उपायुक्त अजय नाथ झा ने सभी मार्केटिंग ऑफिसर महीने में कम से कम 15 से 20 पीडीएस दुकानों का फिजिकल इंस्पेक्शन करने का निर्देश दिया। निदेशित किया गया कि वह टीडीएस दुकानों का फिजिकल दुकानों का फोटोग्राफ्स के साथ जिला आपूर्ति पदाधिकारी के माध्यम से उपलब्ध कराएंगे।

मिथिला महिला समिति ने मानव सेवा आश्रम के बच्चों के साथ बांटीं खुशियां

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद्, बोकारो की इकाई मिथिला महिला समिति की सदस्याएं गुरुवार को सेक्टर 5 स्थित मानव सेवा आश्रम गईं। यहां उन्होंने बच्चों को खाना खिलाया और उनके साथ बातचीत की। बच्चे काफी खुश नजर आ रहे थे। मिथिला महिला समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा व सचिव आभा झा ने कहा कि समिति द्वारा सांस्कृतिक के साथ ही सामाजिक कार्य भी किए जाते हैं। आज मानव सेवा आश्रम के बच्चों से मिलकर काफी सुखद अनुभूति हुई। इस अवसर पर समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा, सचिव आभा झा सहित किरण मिश्रा, अमिता झा, इन्दिरा झा, जयंती पाठक, पूनम झा, रीतू मिश्रा, मीरा राय, रुचि प्रेरणा आदि उपस्थित रहीं।

राहुल गांधी के सवालों से सरकार है डरी हुई : सीता राणा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर धनबाद जिला महिला कांग्रेस कमिटी की जिलाध्यक्ष सीता राणा के नेतृत्व में वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा लगाते हुए हाथों में तख्ती लेकर विरोध प्रदर्शन किया. सीता राणा ने कहा कि प्रतिपक्ष नेता राहुल गाँधी जी ने जो वोट चोरी का खुलासा किया उससे भाजपा सरकार डरी हुई है. देश जी जनता के सामने इस बड़े सच को आदरणीय राहुल गाँधी जी ने उजागर किया. अब सरकार चुनाव आयोग को बचाने और अपने काला कारनामें को छुपाने के लिए अनर्गल प्रलाप कर रही है. राहुल गाँधी जी के उठाये गए सवाल को महिला कांग्रेस घर घर तक उठाएगी और राहुल गाँधी जी के आवाज को और बुलंद करेगी. पूनम देवी ने कहा कि भाजपा सरकार चोरी के वोट से टिकी हुई है जिसके नींव को राहुल गाँधी जी ने हिला दिया है और जनता उसे उखाड़ फेंकेगी. रामदुलारी ने कहा कि देश की जनता को अब पता लग गया है कि जन विरोध के बावजूद भाजपा सरकार कैसे बना लेती है. जनता माफ नहीं करेगी. विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से पूनम देवी, नीतू देवी, रामदुलारी देवी, रूबी खातून, गुड़िया देवी, कविता धिवर, पूनम राय, बबिता शर्मा,रजनी देवी, रिंकू कुमारी, उषा यादव, सुनीता निषाद, शायना बानो, सुशांति हांसदा, गीता सिंह, मुस्कान सिंह, मालती देवी, ज्योति हांसदा, अजमेरी खातून, सोनी देवी, पूजा कुमारी, प्रमिला कुमारी आदि शामिल थी.

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मंत्री योगेंद्र प्रसाद करेंगे ध्वजारोहण

स्थानीय पुलिस लाइन मैदान में आयोजित होगा मुख्य समारोह

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। 79वा स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर 15 अगस्त, 2025 को प्रातः 09:00 बजे पुलिस लाईन, सेक्टर-12 के मैदान में मुख्य अतिथि मंत्री पेयजल एवं स्वच्छता, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग झारखंड सरकार योगेन्द्र प्रसाद द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा।

जिले में ध्वजारोहण कार्यक्रम की विवरणी ::-

उप विकास आयुक्त के आवासीय कार्यालय में पूर्वाहन 07:30 बजे।

जिला नियंत्रण कक्ष में पूर्वाहन 07:45 बजे।

उपायुक्त बोकारो का गोपनीय कार्यालय में पूर्वाहन 08:00 बजे।

पुलिस अधीक्षक, बोकारो का शहीद स्मारक पर आगमन एवं माल्यार्पण पूर्वाहन 8.20 बजे।

पुलिस अधीक्षक बोकारो का परेड मैदान में मंच पर आगमन पूर्वाहन 08:25 बजे।

उपायुक्त का शहीद स्मारक पर आगमन एवं माल्यार्पण पूर्वाहन 08:30 बजे।

उपायुक्त बोकारो का परेड मैदान में मंच पर आगमन पूर्वाहन 8.35 बजे।

पुलिस उप-महानिरीक्षक कोयला क्षेत्र का शहिद स्मारक पर आगमन, माल्यार्पण एवं परेड मैदान में मंच पर आगमन पूर्वाहन 08:40 बजे।

पुलिस महानिरीक्षक कोयला क्षेत्र का शहिद स्मारक पर आगमन, माल्यार्पण एवं परेड मैदान में मंच पर आगमन पूर्वाहन 08:45 बजे।

मुख्य अतिथि का शहिद स्मारक पर आगमन एवं माल्यार्पण पूर्वाहन 08:50 बजे।

मुख्य अतिथि का मंच पर आगमन एवं परेड टुकड़ी का निरीक्षण पूर्वाहन 08:55 बजे।

मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण, परेड की सलामी, निरीक्षण एवं सम्बोधन पूर्वाहन 09:00 बजे।

समाहरणालय बोकारो में उपायुक्त द्वारा ध्वजारोहण पूर्वाहन 09:45 बजे।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय, बोकारो में ध्वजारोहण पूर्वाहन 10:05 बजे।

भारतीय रेड क्रोस सोसाइटी में उपायुक्त द्वारा ध्वजारोहण पूर्वाहन 10:20 बजे।

मानव सेवा आश्रम सेक्टर-5 में उपायुक्त द्वारा ध्वजारोहण पूर्वाहन 10:40 बजे।

जिला परिषद कार्यालय में अध्यक्ष, जिला परिषद द्वारा ध्वजारोहण पूर्वाहन 10:30 बजे।

चास नगर निगम चास कार्यालय में प्रशासक-सह-अपर नगर आयुक्त चास द्वारा पूर्वाहन 10:30 बजे ।

बियाडा भवन में क्षेत्रीय उप निदेशक, जियाडा द्वारा ध्वजारोहण पूर्वाहन 11:30 बजे।

भाजपाइयों ने जैनामोड में निकाली तिरंगा यात्रा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं झारखंड प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के आह्वान पर जैनामोड़ भाजपा किसान मोर्चा कार्यालय से तिरंगा यात्रा निकली जो जैनामोड स्थित दुर्गा मंदिर चौक, चास रोड, पेटरवार रोड भ्रमण के बाद सम्पन्न हुई। तिरंगा यात्रा में मुख्य रूप से बेरमो के पूर्व विधायक योगेश्वर महतो बाटुल, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री अर्जुन सिंह ,भाजपा एससी मोर्चा प्रदेश प्रवक्ता शंकर रजक, भाजपा जिला मंत्री सुभाष चंद्र महतो ,विनोद कुमार, मनोज कुमार ठाकुर, सुनील मंडल, विक्रम गोस्वामी, जय नारायण मरांडी , दयानंद मिश्रा, सतीश चंद्र राय,उमेश साहू,जगतपति सिंह, कमल किशोर सिंह, केदार महतो, टिक प्रसाद, रंजीत महतो, दिनेश महतो, हीरालाल महतो, रामलाल महतो, सुनील कुमार, फौजदार सिंह, अशोक मिश्रा, मुरारी दास, शुभम बनर्जी ,राहुल कुमार सिंह, संतोष जायसवाल, राजेश सिंह, गौरव सिंह, सुमित जायसवाल, राजकुमार गुप्ता, प्रकाश कुमार, गोपाल नायक, रवींद्रनाथ, बैजनाथ नायक, राजेंद्र महतो, सुनील केवट, रामदयाल सिंह, सोमनाथ बनर्जी शामिल हुए।

पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को समाहरणालय में दी गई श्रद्धांजलि

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गुरुवार को समाहरणालय सभागार में शोक सभा का आयोजन किया गया। उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार सहित सभी वरीय पदाधिकारियों व कर्मियों ने दिशोम गुरु की तस्वीर पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। दो मिनट का मौन रखकर आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन भारत की आदिवासी चेतना के महानायक थे। उनका संघर्ष, बलिदान व नेतृत्व सदैव आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा। झारखंड की माटी के कण-कण में जीवंत रहेंगे। श्रद्धांजलि सभा में उप विकास आयुक्त सादात अनवर, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश बावरी, जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक कुमार झा, जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजुर, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद के अलावा अन्य जिलास्तरीय पदाधिकारी, कार्यालय प्रमुख, कर्मचारी आदि मौजूद थे।

गया पुल अंडरपास में नाली रिपेयरिंग के बाद लगाए जाएंगे पेवर ब्लॉक

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर गया पुल अंडरपास में पेवर ब्लॉक बीछाने को लेकर शाम पथ निर्माण विभाग ने पूर्व मध्य रेलवे (ई.सी.आर.) के पदाधिकारियों के साथ अंडरपास का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन ने अंडरपास की खराब सड़क का जेसीबी से समतलीकरण कर दिया है। सड़क पर बीछाने के लिए पेवर ब्लॉक तथा बालू की आपूर्ति हो चुकी है। परंतु अंडरपास में आसपास की नालियों का पानी बहकर आ जाता है। इसके कारण पेवर ब्लॉक बीछाने में बाधा उत्पन्न हो रही है। इस समस्या को दूर करने के लिए पथ निर्माण विभाग एवं पूर्व मध्य रेलवे ने संयुक्त रूप से अंडरपास का निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाया गया कि नालियों की मरम्मती कर पानी को अंडरपास में आने से रोका जा सकता है। वहीं पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि पहले नाली को रिपेयर किया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के बाद कि नाली का पानी अंडरपास में नहीं आता है, पेवर ब्लॉक बीछाने का काम शुरू किया जाएगा। निरीक्षण में पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता मिथिलेश पसाद, सहायक अभियंता जितेंद्र मिश्रा व नदीम अख्तर, पूर्व मध्य रेलवे के सीनियर डी.ई.एन. (कोऑर्डिनेशन) प्रदीप कुमार, सीनियर डी.ई.एन. (स्टेट) रामचंदर राव तथा ए.ई.एन. ओ.पी. सिंह मौजूद थे।

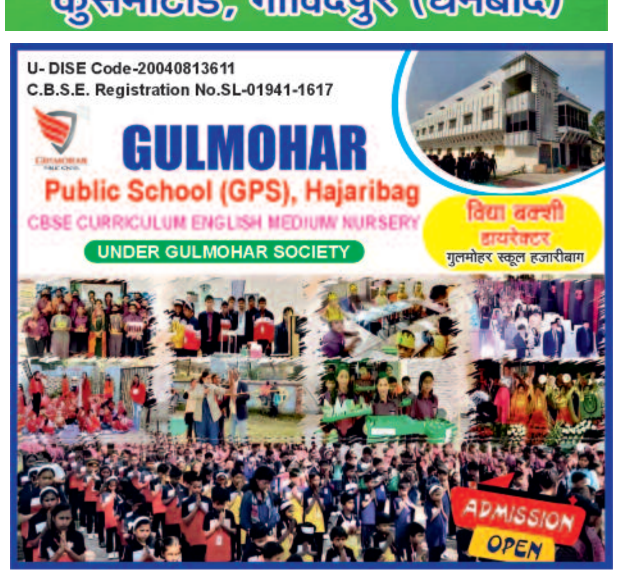

संक्षिप्त समाचार

पार्टी, ड्रिंक और गैंगरेप; दिल्ली में 24 साल की लड़की को दोस्त ने बुलाकर दिया दगा

नई दिल्ली , एजेंसी। उत्तरी दिल्ली के सिविल लाइंस में 24 साल की एक लड़की दोस्त के साथ पार्टी करने गई थी लेकिन वहां चार लड़कों ने हवस का शिकार बनाया। रविवार रात ड्रिंक में नशा देकर चारों ने गैंगरेप किया और बाद में घर के बाहर छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि महिला गुरुग्राम की एक कंपनी में जॉब करती है। उसका आरोप है कि शराब पीकर चार लोगों ने उसके साथ गैंगरेप किया। अधिकारी ने बताया, अपनी शिकायत में उसने कहा कि रविवार को उसके एक पुरुष दोस्त ने फोन किया था और उसने सिविल लाइंस में अपने दोस्त के घर पार्टी में इनवाइट किया। उसने आमंत्रण स्वीकार कर लिया और हिल रोड के पास उस घर में गई। वहां उसे अपना दोस्त, और तीन अन्य लोग मिले। अधिकारी ने कहा, सभी ने साथ में ड्रिंक लिया और देर रात तक पार्टी करते रहे। रात में किसी वक्त उसके ड्रिंक में कुछ मिला दिया गया जिससे वह पूरी तरह होश में नहीं रह गई। महिला के मुताबिक चारों उसे वॉशरूम में ले गए और गैंगरेप किया। महिला के मुताबिक उन्होंने इसकी वीडियो रिकॉर्डिंग भी की। उसे धमकी दी कि यदि मुंह खोला तो वीडियो को सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया जाएगा। इसके बाद आरोपी उसे घर के बाहर छोड़कर फरार हो गए। महिला ने पुलिस को कॉल किया और घटना की सूचना दी। पीड़िता की मेडिकल जांच कराई गई है। उसके परिजनों को सूचना दी गई है और काउंसलिंग कराई गई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने गैंगरेप का मुकदमा दर्ज किया और जांच शुरू कर दी है। टीम सिविल लाइंस के उस घर पर भी गई लेकिन आरोपी फरार थे। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। एक दूसरी घटना में मुंडका में एक 32 साल की महिला के साथ रेप किया गया। उसे नौकरी का झांसा देकर बुलाया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने अफसरों की संपत्ति जांच और नई एसआईटी के दिए आदेश

नईदिल्ली, एजेंसी। नोएडा में नियमों को दरकिनार कर गेझा-तिलपताबाद समेत तीन गांवों में बांटे गए गलत मुआवजे के मामले में चार साल बाद भी बड़े अफसरों पर कार्रवाई का इंतजार है। सुप्रीम कोर्ट ने अब फिर नई एसआईटी के गठन का आदेश दिया है। इससे पहले दो एसआईटी इस मामले में जांच कर चुकी हैं। सबसे पहली एसआईटी की जांच से उच्चतम न्यायालय संतुष्ट नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने अपात्रों को मुआवजा देने में शामिल रहे अधिकारियों की संपत्ति की जांच के आदेश भी दिए हैं। नोएडा प्राधिकरण के तत्कालीन अफसरों ने 20 मामलों में अपात्र किसानों को 117 करोड़ रुपये का मुआवजा बांट दिया था, लेकिन एक भी मामले में किसी भी बड़े अफसर पर कार्रवाई नहीं हुई। महत्वपूर्ण यह है कि एक हजार रुपये तक मुआवजा राशि वितरित करने के लिए भी मंजूरी की फाइल सीईओ स्तर तक के अधिकारी तक जाती है। नोएडा प्राधिकरण की तत्कालीन सीईओ रितु माहेश्वरी ने वर्ष 2021 की शुरुआत में गेझा तिलपताबाद, भूड़ा और नंगला गांव में गलत तरीके से बांटे गए मुआवजा गड़बड़ी को पकड़ा था। मामला उजागर होने पर नोएडा प्राधिकरण की तरफ से फेज वन कोतवाली में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कराया था। इनमें प्राधिकरण अधिकारियों के खिलाफ भी मामला दर्ज हुआ था। प्राधिकरण के विधि अधिकारी सुशील भाटी की तरफ से एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गठित एसआईटी ने गेझा तिलपताबाद, भूड़ा समेत तीन गांवों में 20 मामलों में अपात्र किसानों को अतिरिक्त मुआवजा देने की गड़बड़ी पकड़ी थी। यह मुआवजा 117 करोड़ 56 लाख 95 हजार रुपये है। इस मामले में नोएडा प्राधिकरण स्तर से उस समय विधि परामर्शदाता वीरेंद नागर व कुछ समय बाद दिनेश कुमार सिंह को निलंबित कर दिया गया था, लेकिन फाइलों पर हस्ताक्षर करने वाले ओएसडी, डीसीईओ, एसीईओ, सीएलए या सीईओ स्तर के किसी भी अधिकारी पर शासन स्तर से कार्रवाई नहीं की गई। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मुआवजा वितरण में शामिल रहे अफसरों की संपत्ति की जांच के आदेश दिए हैं। उस दौरान कौन-कौन अफसर प्राधिकरण में कार्यरत थे, उन सभी के नाम एसआईटी न्यायालय को दे चुकी है। इन सभी प्रकरणों में प्राधिकरण ने पांच फरवरी 1982 और आठ अगस्त 1988 में किसानों ने जमीन अधिग्रहित की।

आवारा कुत्तों का मामला: बच्चों की मौत हो रही है, इस समस्या का हल जरूरी

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि रेबीज फैलाने वाले आवारा कुत्तों के काटने से बच्चों की मौत हो रही है। इस मुद्दे पर बहस के बजाय इसका समाधान करने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट में आज भी दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों से संबंधित मामले की सुनवाई जारी है। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एन. वी. अंजारिया की तीन सदस्यीय बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है। दिल्ली सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बेंच को बताया कि देश में एक साल में कुत्तों के काटने के 37 लाख से अधिक मामले सामने आए हैं। मेहता ने जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की बेंच से कहा, कोई भी एनिमल हेटर (जानवर से नफरत करने वाला) नहीं है। वहीं, कुत्तों की देखभाल करने वाले एक एनजीओ की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों से संबंधित अपने 11 अगस्त के आदेश पर रोक लगाने की मांग की। सिब्बल ने कहा कि स्थिति बहुत गंभीर है और इस मामले पर गहराई से बहस करने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की दो सदस्यीय बेंच ने 11 अगस्त को दिल्ली-एनसीआर के अधिकारियों को निर्देश दिया था। बेंच ने अधिकारियों से सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को जल्द से जल्द उठाना शुरू करने और उन्हें डॉग शेल्टर्स में भेजने के निर्देश दिए थे। बेंच ने अधिकारियों को कुत्तों के लिए तुरंत शेल्टर बनाने और आठ हफ्ते के भीतर इस तरह के बुनियादी ढांचे के निर्माण के बारे में रिपोर्ट देने का निर्देश दिया था। बेंच ने कहा था कि आवारा कुत्तों को शेल्टरों में रखा जाए और उन्हें सड़कों, कॉलोनियों या सार्वजनिक स्थानों पर नहीं छोड़ा जाए। सुप्रीम कोर्ट ने 11 अगस्त को दिल्ली में खासकर बच्चों में आवारा कुत्तों के काटने से होने वाले रेबीज के संबंध में 28 जुलाई को स्वतः संज्ञान लेते हुए इस मामले में सुनवाई करते हुए कई निर्देश जारी किए थे।

मीलॉर्ड! क्या अब मैं कैद हो जाऊंगा.. सुप्रीम कोर्ट को टकटकी लगा निहार रहा कुत्ता: सुबह सुप्रीम कोर्ट परिसर में एक दिलचस्प नजारा देखने को मिला, जब एक आवारा कुत्ता बारिश की बूंदों के बीच कोर्ट की ओर टकटकी लगाए खड़ा नजर आया। यह तस्वीर उस वक्त सामने आई है, जब सुप्रीम कोर्ट दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों को शेल्टर में शिफ्ट करने के मामले की सुनवाई के लिए तैयार है। कोर्ट परिसर में खड़े इस कुत्ते की मौजूदगी ने सोशल मीडिया पर चर्चा तेज कर दी है। इस कुत्ते को देखकर यही लग रहा है जैसे ये जज साहब से इंसाफ की उम्मीद कर रहा हो।

इस मुद्दे पर एक नई तीन जजों की बेंच गठित की थी, जो आज इस मामले में सुनवाई शुरू करने वाली है। इस बेंच में जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया शामिल हैं। इससे पहले, 11 अगस्त को एक दो जजों की बेंच ने आदेश दिया था कि दिल्ली-एनसीआर के सभी आवारा कुत्तों को आठ सप्ताह के भीतर शेल्टर में शिफ्ट किया जाए।

यमुना सिटी के सेक्टरों को मिलेगी नई रफ्तार, यीडा ने शुरू की 34 अधूरी सड़कों को पूरा करने की तैयारी

नई दिल्ली , एजेंसी। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के आवासीय, औद्योगिक और संस्थागत समेत 29 सेक्टरों में जगह-जगह टुकड़ों में अधूरी सड़कें पूरी होंगी। प्राधिकरण ने किसानों के साथ जमीन के विवाद सुलझने के बाद दो वर्क सर्किल में 34 सड़कें पूरी करने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है।

प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि वर्क सर्किल-1 में सेक्टर-9, 13, 14, 14सी, 15, 15ए, 15बी, 15सी, 16, 17ए, 17बी, 18, 19 और 26ए सेक्टर शामिल हैं। अधिकांश सेक्टर में करीब 26 सड़कें अधूरी हैं। वर्क सर्किल-2 में शामिल सेक्टर-10, 14ए, 14बी, 20, 21, 22ए, 22बी, 22सी, 22डी, 22ई, 22एफ, 23ए, 23बी, 23सी, 23ई शामिल हैं, जिनमें आठ सड़क अब तक पूरी नहीं हो सकी हैं। इन सड़कों के अधूरा होने से यहां विकास कार्य रुके हुए हैं। ये सड़कें सेक्टरों के अलग-अलग पॉकेट को आपस में जोड़ती हैं। साथ ही दूसरों सेक्टरों को भी जोड़ती हैं।

औद्योगिक और आवासीय सेक्टरों में सड़कें पूरी न होने के कारण काफी आवंटियों को भूखंड पर कब्जा तक नहीं मिल सका है। वहीं, औद्योगिक भूखंड के आवंटी भी निर्माण शुरू न करने के पीछे अधूरी सड़कों का हवाला दे रहे हैं। प्राधिकरण का दावा है कि अब जमीनी से जुड़े अधिकांश विवाद सुलझ गए हैं, जिसके चलते इन सेक्टरों में अधूरी पड़ी सड़कों को बनाने की कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हो गई है।

नाले और सीवर पूरे न होने से पानी भरा : प्राधिकरण क्षेत्र में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, सिंचाई विभाग और पीडब्ल्यूडी की कई सड़कें भी अधूरी हैं। नाले और सीवर पूरे न होने के कारण सेक्टरों में पानी भरा हुआ है। ज्यादातर सेक्टरों की हालत खराब है। प्राधिकरण क्षेत्र में करीब 25 सड़कें और नालियां अधूरी हैं। इनमें 17 सड़कें पीडब्ल्यूडी के अधीन है, जिनकी कुल लंबाई लगभग 31.882 किलोमीटर है। इनकी मरम्मत में 14.52 करोड़ रुपये खर्च होंगे। वहीं, अन्य आठ सड़कें ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की जिम्मे हैं, इनकी कुल लंबाई 32.17 किलोमीटर है, जिन पर कुल 26.21 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह सड़कें मकनपुर, सलारपुर, फलैदा, तीरथली, जौंचाना, चिरौली, दनकौर, धनौरी, चकजलालाबाद, म्याना आदि में आ रही है।आरके सिंह, , सीईओ, यमुना प्राधिकरण, सेक्टरों की अधूरी सड़कें विकास कार्यों की गति धीमी कर रही हैं।

इन्हें पूरा कराने के लिए टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत कंपनियों से आवेदन मांगे जाएंगे।

दिल्ली के तीसरी रिंग रोड और द्वारका एक्सप्रेसवे का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली और एनसीआर के लोगों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को दिल्ली की ट्रैफिक व्यवस्था को और सुगम बनाने वाले दो महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करने जा रहे हैं। ये हैं अर्बन एक्सटेंशन रोड- और द्वारका एक्सप्रेसवे के तीसरे और चौथे चरण हैं। यह समारोह रोहिणी में होगा, जहां पीएम दोनों प्रोजेक्ट्स का दौरा भी कर सकते हैं। इन दोनों प्रोजेक्ट के बारे में जानिए।

दिल्ली-हृष्टक्र में ट्रैफिक जाम से राहत: एनएचएआइ के सीनियर अधिकारियों के मुताबिक, यूआर सेकंड के चार पैकेज और द्वारका एक्सप्रेसवे के तीसरे और चौथे पैकेज का उद्घाटन दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में ट्रैफिक की भीड़ को कम करने में गेम-चेंजर साबित होगा।

दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी ने दिल्ली मास्टर प्लान के तहत तीसरी रिंग रोड के रूप में शुरू किया था। इस 75.71 किलोमीटर लंबी सड़क को 6,445 करोड़ रुपये की लागत से पांच पैकेज में विकसित किया गया है। इसमें दिल्ली में 54.21 किलोमीटर और हरियाणा में 21.50 किलोमीटर का हिस्सा है। इस प्रोजेक्ट को जमीन अधिग्रहण, अतिक्रमण और अन्य बाधाओं के कारण कई सालों तक देरी का सामना करना पड़ा, लेकिन अब एनएचएआइ ने इसे राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित कर इसे पूरा किया है। इस सड़क के शुरू होने से गुरुग्राम, पश्चिम और दक्षिण दिल्ली के लोग ह॥-44 के रास्ते चंडीगढ़, पंजाब, जम्मू-कश्मीर और सोनीपत, पानीपत जैसे शहरों तक तेजी से पहुंच सकेंगे। खास बात यह है कि धौला कुआं और दिल्ली की मौजूदा रिंग रोड की भीड़ से बचकर यात्रा संभव होगी।

द्वारका एक्सप्रेसवे के तीसरे और चौथे पैकेज में शामिल 10.1 किलोमीटर का हिस्सा दिल्ली में है। इसकी खासियत है 5.1 किलोमीटर लंबी सुरंग, जो आइजीआइ एयरपोर्ट को सीधे इस एक्सप्रेसवे से जोड़ेगी। इससे गुरुग्राम और दिल्ली के बीच यात्रा और भी आसान हो जाएगी। इस 29 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे के पहले और दूसरे पैकेज, जो हरियाणा में माहीपालपुर से खेरकी दौला तक हैं। मार्च 2024 में पीएम द्वारा पहले ही उद्घाटित किए जा चुके हैं।

एनएचएआइ अधिकारियों ने बताया कि दोनों सड़कें उद्घाटन के बाद ट्रैफिक के लिए खोल दी जाएंगी। द्वारका एक्सप्रेसवे की सुरंग को इस हाई-प्रोफाइल इवेंट के लिए नया रंग-रूप दिया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, प्रधानमंत्री संभवतः पहले द्वारका एक्सप्रेसवे का दौरा करेंगे और फिर यूआर सेकंड के रास्ते रोहिणी पहुंचेंगे, जहां उद्घाटन समारोह होगा।

रूस में वाट्सएप व टेलीग्राम कॉल पर प्रतिबंध, आतंकी गतिविधि और अपराधों पर अंकुश लगाने का दिया हवाला

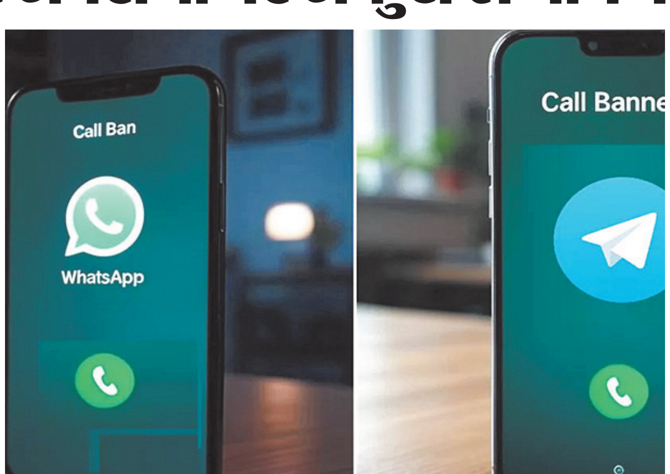

मॉस्को, एजेंसी। अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए रूसी अधिकारियों ने मैसेजिंग एप्स टेलीग्राम और वाट्सएप पर कॉल को आंशिक रूप से प्रतिबंधित करने घोषणा की है।

धोखाधड़ी एवं धन उगाही के लिए हो रहा इनका उपयोग उन्होंने इस उपाय को आवश्यक बताते हुए कहा कि इनका उपयोग धोखाधड़ी एवं धन उगाही के लिए, और रूसी नागरिकों को आतंकवादी गतिविधियों में शामिल करने के लिए किया जाता है।

सरकारी मीडिया और इंटरनेट नियामक रोसकोम्नाडजोर ने बुधवार को एक बयान में कानून उल्लंघन का हवाला देते हुए कहा कि यह इंटरनेट पर नियंत्रण कड़ा करने के प्रयास में नवीनतम कदम है।

ये प्लेटफार्म रूसी कानून का पालन नहीं कर रहे: विदेशी स्वामित्व वाले प्लेटफार्म रूसी कानून का पालन नहीं कर रहे हैं और मॉस्को विदेशी तकनीक पर निर्भरता कम करना चाहता है।

रोसकोम्नाडजोर ने अपराधों से निपटने के लिए इस उपाय को आवश्यक बताते हुए कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों और नागरिकों की कई अपीलों के अनुसार, विदेशी मैसेंजर टेलीग्राम और वाट्सएप मुख्य वायस सर्विस बन गए हैं जिनका उपयोग धोखाधड़ी और धन उगाही के लिए, और रूसी नागरिकों को आतंकवादी गतिविधियों में शामिल करने के लिए किया जाता है।

मैसेंजर के मालिकों ने नजरअंदाज किया अनुरोध: नियामक ने यह भी आरोप लगाया कि प्रतिक्रियात्मक उपाय करने के बार-बार किए गए अनुरोधों को मैसेंजर के मालिकों ने नजरअंदाज कर दिया है। बहरहाल, दोनों ही प्लेटफार्म की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है। रूसी अधिकारी लंबे समय से इंटरनेट पर लगाम लगाने के लिए बहुआयामी प्रयास कर रहे हैं।

रूसी अधिकारी विदेशी वेबसाइटों को कर रहे ट्रैक: पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने प्रतिबंधात्मक कानून बनाए हैं और उन वेबसाइटों और प्लेटफार्म पर प्रतिबंध लगा दिए हैं जो उनका पालन नहीं करते। ऑनलाइन ट्रैफिक की निगरानी के लिए तकनीक को और भी उन्नत बना दिया गया है।

जर्मनी यूक्रेन को देगा 500 मिलियन डॉलर की मदद

बर्लिन, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष में दिन-प्रतिदिन स्थिति और भयावह होती जा रही है। इसी बीच जर्मनी ने बुधवार को घोषणा की कि वह यूक्रेन को 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक की सैन्य सहायता देगा। यह मदद नाटो के नए सप्लाई रूट के जरिए पहुंचाई जाएगी और इसमें जर्मनी पश्चिमी देशों के एक समूह के साथ मिलकर काम करेगा। इस घोषणा के बारे में जर्मनी के विदेश और रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह मदद खासतौर पर एयर डिफेंस सिस्टम पर केंद्रित होगी, जो रूस के लगातार हवाई हमलों से यूक्रेन की रक्षा के लिए जरूरी है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, रूस के हमलों में अब तक 12,000 से ज्यादा यूक्रेनी नागरिकों की जान जा चुकी है। ऐसे में इस महीने दो बार बड़े सैन्य उपकरण भेजे जाएंगे, जिनमें से ज्यादातर अमेरिका से खरीदे गए हैं। नॉर्डिक देशों की मदद सितंबर में पहुंचने की संभावना है। हालांकि जर्मनी ने उन देशों के नाम नहीं बताए जिनके साथ वह यह सहायता भेज रहा है। बता दें कि अब तक जर्मनी ने फरवरी 2022 से रूस के हमले के बाद से यूक्रेन को लगभग 40 अरब यूरो (47 अरब डॉलर) की सैन्य सहायता दी या देने का वादा किया है। सभी हथियार और उपकरण यूक्रेन की युद्ध में जरूरतों के आधार पर दिए जाएंगे, जिसे नाटो के सदस्य देश ढूंढ कर भिजवाते हैं। वहीं इससे पहले नीदरलैंड ने 500 मिलियन यूरो (करीब 51 अरब रुपये) की वायु रक्षा प्रणाली, गोला-बारूद और अन्य सैन्य उपकरण देने का वादा किया था। स्वीडन, डेनमार्क और नॉर्वे ने भी मिलकर 500 मिलियन डॉलर के हथियार, एयर डिफेंस और स्पेयर पार्ट्स देने की योजना बनाई है।

बेंजामिन नेतन्याहू के ग्रेटर इजरायल वाले बयान पर भड़के सऊदी समेत कई मुसलमान देश

तेल अवीव, एजेंसी।इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के एक बयान पर सऊदी अरब, सीरिया, लेबनान, इराक जैसे देश भड़क गए हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में ग्रेटर इजरायल के विजन के साथ अपनी भावनाएं जुड़े होने की बात कही थी। इसी को लेकर विवाद हो रहा है क्योंकि ग्रेटर इजरायल की परिभाषा में कई बार यहूदी विद्वान सीरिया, जॉर्डन, इराक, सऊदी अरब और मिस्र को भी शामिल करते रहे हैं। इसके अलावा 1967 में जो 6 दिनों का युद्ध हुआ था, उसमें इजरायल ने गाजा, सिनाई, गोलान हाइट्स, पूर्वी येरूशलम और वेस्ट बैंक को जीच लिया था। इसे भी ग्रेटर इजरायल के रूप में मिलाकर पेश किया जाता रहा है।

यहूदी देश के दक्षिणपंथी विचारक अकसर इच्छा जताते रहे हैं कि गोलान हाइट्स, गाजा, वेस्ट बैंक समेत उन सभी इलाकों का इजरायल में विलय कर लिया जाए और उन पर हुकूमत रहे, जिन्हें 1967 में इजरायल ने जीता था। इस ग्रेटर इजरायल के नक्शे को :मैप ऑफ प्रॉमिस्ड लैंडः भी कहा जाता रहा है। नेतन्याहू के इस बयान पर सऊदी अरब, जॉर्डन, कतर और अरब लीग की ओर से तत्काल बयान जारी किया गया। इन बयानों में कहा गया कि नेतन्याहू की यह इच्छा क्षेत्रीय अशांति और अस्थिरता को पैदा करने वाली है। अब तक इस मामले में इजरायल की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि नेतन्याहू का बयान बेहद खतरनाक और उकसाने वाला है।

समानांतर सरकार गठन की कोशिश गलत, क्षेत्रीय शांति पर खतरा

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। सूडान में चल रहे गृह युद्ध के बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने एक बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत यूएनएससी ने सूडान के अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) द्वारा अपने कब्जे वाले क्षेत्रों में समानांतर सरकार बनाने की योजना को सख्ती से खारिज कर दिया है। बुधवार को जारी बयान में यूएनएससी ने कहा कि यह कदम देश की अखंडता और संप्रभुता के लिए खतरा है और इससे गृहयुद्ध और गहराने का खतरा है।

इसको लेकर यूएनएससी ने एक कड़े बयान में कहा कि वह सूडान की संप्रभुता, स्वतंत्रता और एकता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। साथ ही परिषद ने चेताया कि आरएसएफ द्वारा घोषित समानांतर सरकार देश को बांट सकती है और पहले से ही खराब मानवीय हालात को और बदतर बना सकती है।

यूएनएससी ने सभी देशों से की अपील : यूएनएससी ने किसी देश का नाम लिए बिना सभी देशों से सूडान में किसी भी तरह की बाहरी हस्तक्षेप से बचने और शांति प्रयासों में सहयोग देने की अपील की। परिषद ने कोरडोफन क्षेत्र में हालिया हमलों की भी निंदा की, जिनमें भारी संख्या में नागरिकों की मौत हुई। साथ ही सूडान की सरकार ने पिछले महीने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर कोलंबिया से लड़ाके भेजने और आरएसएफ को समर्थन देने का आरोप लगाया है। हालांकि यूएई ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है।

सूडान में तेजी से फैल रहा भुखमरी का संकट: सूडान में जारी गृह युद्ध के चलते देशभर में भुखमरी का संकट तेजी से फैल रहा है। मामले में यूएन के प्रवक्ता स्टेफन दुजारिक ने बताया कि डारफुर और पड़ोसी कोरडोफन क्षेत्र में भुखमरी का खतरा तेजी से फैल रहा है। लोग जानवरों के चारे और खाने के कचरे पर जीने को मजबूर हैं। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने अल-फशर में 2.5 लाख लोगों को डिजिटल कैश सहायता दी है लेकिन हालात बहुत गंभीर हैं।

आईसीसी और यूएन की चेतावनी: इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के अनुसार डारफुर में युद्ध अपराध हो रहे हैं। ऋस्न्न फिलहाल उत्तर डारफुर के अल-फशर को छोड़कर सभी क्षेत्रीय राजधानियों पर नियंत्रण बनाए हुए है। ह्स्ष्ट ने ऋस्न्न से अल-फशर की घेराबंदी हटाने की पुरानी मांग भी दोहराई।

समझिए सूडान में संकट कब और कैसे शुरू हुआ?: बता दें कि सूडान में अप्रैल 2023 से हिंसक संघर्ष जारी है, जब देश की सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच पुरानी रंजिशें राजधानी खार्तूम से शुरू होकर पूरे देश में फैल गई। इस संघर्ष में अब तक लगभग 40,000 लोगों की मौत हो गई। वहीं 1.3 करोड़ लोग बेघर हो चुके हैं और लाखों भुखमरी के कगार पर हैं।

इसके बाद आरएसएफ ने जून के अंत में सूडान के पश्चिमी हिस्से डारफुर में अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में एक समानांतर सरकार का गठन करने की घोषणा की थी। इसी क्षेत्र में युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों की अंतरराष्ट्रीय जांच चल रही है।

सात दिनों के अंदर कस्तूरबा विद्यालय में शिक्षक की कमी का करें समाधान : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी अजय नाथ झा की अध्यक्षता में आज समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में शिक्षा विभाग, एमडीएम, समग्र शिक्षा के तहत जिले के सभी कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय के वार्डन, सीआरपी, बीआरपी, बीईईओ एवं बीपीओ के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल कुमार चौबे उपस्थित थे। बैठक में शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यालय संचालन, छात्राओं की उपस्थिति, मध्यान्ह भोजन योजना के संचालन एवं बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही बैठक में माध्यमिक शिक्षा, प्राथमिक शिक्षा, एमडीएम योजना, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, समग्र शिक्षा अभियान सहित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली गई।

कक्षाओं के सुचारू संचालन पर विशेष ध्यान दिया जाए-

उपायुक्त अजय नाथ झा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए विशेष प्रयास किया जाय। मध्याह्न भोजन योजना की नियमित मॉनिटरिंग, छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित करने, अधूरा भवन निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराने और शैक्षणिक सत्र के अनुसार गतिविधियों के क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की समय पर उपस्थिति व कक्षाओं के सुचारू संचालन पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही, जिले में चल रहे शैक्षणिक नवाचारों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु विशेष कार्यक्रम भी संचालित किए जाए।

सभी विद्यालयों में छात्रवृत्ति मंत्री बनाने का भी निर्देश-

प्री मैट्रिक स्कोरशिप लेने हेतु कल्याण विभाग द्वारा विस्तृत प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी विद्यालयों में छात्रवृत्ति मंत्री बनाने का भी निर्देश। इसके लिए एक सप्ताह के अंदर इसकी रिपोर्ट भेजने को कहा। उन्होंने आगे कहा कि Cm scholarship में सभी विद्यालय को यह प्रमाण पत्र देना कि मेरे विद्यालय में सभी विद्यार्थी को छात्रवृत्ति मिल चुकी है। उन्होंने आगे कहा कि अगर जिन विद्यार्थियों के बैंक खाता उपलब्ध नहीं है तो वैसे विद्यार्थियों जो कक्षा 01 से 08 तक के अभिभावकों के बैंक खाता में छात्रवृत्ति भेज सकते है। ताकि छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रख सकते है। साथ ही हर हाल में अगले माह सितम्बर, 2025 तक सभी बच्चों को स्कूल ड्रेस का पैसा उनके खाता में चला जाना चाहिए ताकि वो बच्चे स्कूल ड्रेस सिलवाकर अक्टूबर से लगातार पहनकर आना अनिवार्य है।

सभी बीआरपी एवं सीआरपी को विद्यालय भ्रमण करना अनिवार्य-

पुस्तक वितरण के सम्बन्ध में उपायुक्त अजय नाथ झा ने आगामी 30 अगस्त, 2025 तक सभी बीआरपी सभी अपने अपने क्षेत्रांतर्गत सभी विद्यालयों में घूमकर पुस्तक का डीटेल ले फिर उक्त विद्यालय में ससमय पुस्तक उपलब्ध कराए। उन्होंने डीईओ को कहा कि सभी बीआरपी को हर हाल में 15 अगस्त, 2025 को पिछ्ला बकाया वेतन देने का निर्देश दिया। साथ ही डीईओ, डीएसई एवं अन्य जो भी विद्यालय भ्रमण करते है उसकी भ्रमण रिपोर्ट डीटेल भेजे। ताकि मुझे जानकारी हो सके कि भ्रमण कर रहे है। साथ ही सभी बीआरपी एवं सीआरपी को विद्यालय भ्रमण करना अनिवार्य है। उन्हें हर हाल 20 स्कूलों का भ्रमण करना है।

स्कूलों में जो भी समस्या है उसकी सूची 25 अगस्त 2025 तक दे-

माननीय मुख्यमंत्री द्वारा राज्य के हर पंचायत में एक मॉर्डन विद्यालय बनाना अनिवार्य है, जिसके तहत उक्त विद्यालय में सभी सुविधा उपलब्ध हो, जिसमें बिजली, पीने योग्य शुद्ध जल, खेलकूद की व्यवस्था, पर्याप्त शिक्षक, विद्यालय में पर्याप्त कमरे, बच्चों के लिए साफ सुथरे शौचालय, स्मार्ट बोर्ड, कम्प्यूटर, सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध हो। उसकी सूची जल्द से जल्द उपलब्ध कराए। उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने सभी बीआरपी को निर्देश दिया कि जिलेभर के जिस स्कूलों में जो भी समस्या है उसकी सूची 25 अगस्त 2025 तक दे। ताकि उक्त समस्या को दूर किया जा सके।

डीएवी ने तिरंगा रैली के माध्यम से दिया राष्ट्र प्रेम का संदेश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में स्वतंत्रता दिवस के 79वीं वर्षगांठ पर डीएवी सेक्टर-4 ने विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम एवं क्रियाकलापों काआयोजन किया। बच्चों एवं बोकारो वासियों में राष्ट्रभक्ति तथा आपसी भाईचारा और एकता का संदेश घर घर तक पहुंचाने की पहल की है। जश्ने आजादी के इस पावन अवसर पर राखी निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें बच्चों ने तरह-तरह की सुंदर-सुंदर राखियां तैयार की जिसका विषय भी तिरंगा निहित आर्ट था। स्वनिर्मित इन राखियों को जब विद्यालय के बच्चों ने डीआईजी ऑफिस सीआरपीएफ के जवानों को बाँधा तो भाई-बहन का यह अटूट प्रेम एक व्यापक संदेश के रूप में उनके कलाइयों पर सज गया और उनके प्रति अपनी कृतज्ञता और तथा प्रेम का भाव स्वतः बयां कर गया। राष्ट्र के प्रति अपनी निष्ठा ,अपनी भक्ति और अपना अनुराग व्यक्त करते हुए विद्यालय के बच्चों ने एक भव्य तिरंगा रैली निकाली, जिसका उद्देश्य था घर- घर तिरंगे को प्रतिष्ठित करना और तिरंगे के प्रति सभी देशवासियों में आदर, प्रेम और समर्पण का संदेश प्रसारित करना। भारत के आन-बान और शान का प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज हाथ में लहराते हुए विद्यालय के बच्चे जब मुख्य द्वार से भारत माता की जय और वंदे मातरम का उद्घोष करते हुए सड़कों पर कदम बढ़ा रहे थे तो हर और राष्ट्र प्रेम की बयार बह रही थी। राष्ट्र पर्व के इस पावन अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य सह एआरओ एसके मिश्रा ने कहा कि हिंद का भविष्य हमारी यह नई पीढ़ी राष्ट्र के प्रति अपने जिम्मेदारी और भारत मां के प्रति ईमानदारी और सच्चाई से अपने कर्तव्य का निर्वहन करें यही सही मायने में सच्चा राष्ट्रधर्म है। उन्होंने सभी बच्चों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें सदैव राष्ट्र सेवा हेतु सदैव तत्पर रहने की अपील की।

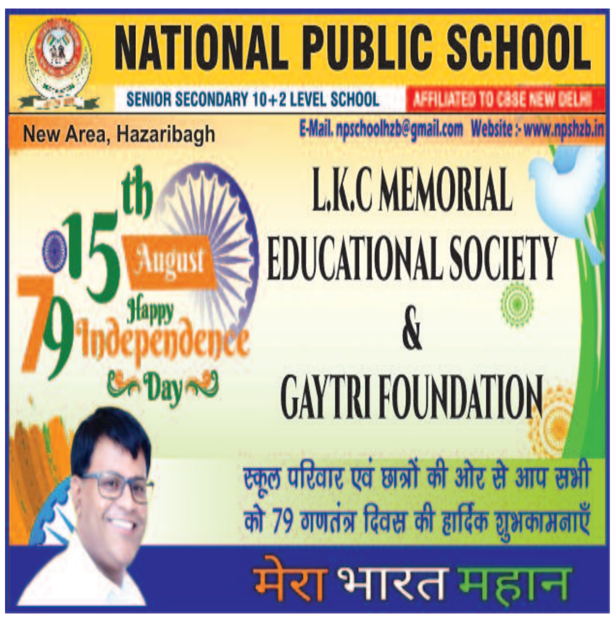

स्वत्वाधिकारी,
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक :
मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145665
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com